आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 01 अंक : 197 | रांची, रविवार, 30 जून, 2024 (आषाढ़ कृष्ण 09, संवत 2081), पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये | email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

भारत बना विश्व विजेता, जश्न में डूबा देश

टी-20 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हरा दूसरी बार जीता खिताब

एजेंसियां,नई दिल्ली

भारत एक बार फिर क्रिकेट का वर्ल्ड चैंपियन बन गया है। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जीत ली है। भारत ने 11 साल बाद कोई आईसीसी ट्रॉफी जीती है। इस जीत के साथ ही चोकर्स का टैग हटाने की दक्षिण अफ्रीका की कोशिश नाकाम रही। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में पहला मौका है, जब किसी टीम ने बिना कोई मैच हारे ट्रॉफी जीती है।

भारत का चौथा वर्ल्ड कप : भारत ने टी20 वर्ल्ड कप दूसरी बार जीता है। पहली बार 2007 में एमएस धोनी की टीम ने भारत को इस फॉर्मेट में वर्ल्ड चैंपियन बनाया था। भारतीय टीम वनडे वर्ल्ड कप भी जीत चुकी है। पहली बार 1983 और दूसरी बार 2011 में। विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों दूसरी बार वर्ल्ड कप विनिंग टीम के सदस्य हैं। 2007 की टी20 वर्ल्ड चैंपियन टीम में रोहित शर्मा थे, लेकिन कोहली नहीं थे। साल 2011 की चैंपियन टीम में कोहली साथ थे, पर रोहित नहीं थे।

पंड्या ने आखिरी ओवर में दिलाई जीत : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल शनिवार को बारबाडोस में खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट पर 176 रन बनाए। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका को 169 रन पर रोककर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए आखिरी ओवर में 16 रन बनाने थे। हार्दिक पंड्या ने अफ्रीकी टीम को इस ओवर में सिर्फ 8 रन बनाने दिए। इस तरह तरह भारत ने 7 रन से मैच जीत लिया। शेष पेज 08 पर

कोहली व रोहित ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से किया संन्यास का एलान

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को साउथ अफ्रीका को करारी शिकस्त देते हुए टी20 वर्ल्ड कप अपने नाम हासिल कर लिया। इसको लेकर देशभर में जश्न का मौहाल है। इस बीच एक-एक करके दो भारतीय क्रिकेटरों ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट फॉर्मेट से संन्यास का एलान कर दिया। पहले विराट कोहली ने कहा कि यह उनका आखिरी टी20 क्रिकेट मैच था, तो वहीं इसके कुछ देर बाद कप्तान रोहित शर्मा ने भी टी20 क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। आईसीसी ने भी अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी। आईसीसी ने लिखा, "विराट कोहली के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने का फैसला किया है।"

दरअसल, 37 वर्षीय रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने शनिवार को इतिहास रच दिया। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही भारत ने चौथी बार कोई वर्ल्ड कप (वनडे, टी20) खिताब जीता है।

भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 7 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही 140 करोड़ भारतीयों को जश्न मनाने का सुनहरा मौका दिया। लेकिन इसके बाद क्रिकेट फैन्स को कोहली और रोहित के टी20 से संन्यास से झटका भी लगा।

पांड्या की बॉल पर सूर्या का वो कैच, जिसने भारत को बनाया वर्ल्ड चैंपियन

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वेस्ट इंडीज में बरबाडोस के ब्रिजटाउन स्थित केंसिंग्टन ओवकल में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मैच के अंतिम ओवर में सूर्य कुमार और हार्दिक पांडया की जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के जबड़े से मैच छीन लिया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीत लिया। आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को थी 16 रन की दरकार: मैच के आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 16 रन की दरकार थी। क्रिज पर विस्फोटक बल्लेबाज मिलर मौजूद थे। गेंदबाजी के लिए कप्तान रोहित शर्मा ने हार्दिक पांड्या को बुलाया। पांड्या की गेंद पर मिलर ने जोरदार शॉट लगाया। लेकिन, बाउंड्री लाइन पर फील्डिंग कर रहे सूर्य कुमार यादव ने जबर्दस्त सूझ-बूझ का परिचय देते हुए शानदार कैच पकड़ा।

सूर्य कुमार यादव ने असंभव से कैच को इस तरह लपका : सूर्य कुमार ने बाउंड्री लाइन के बाहर कैच तो लपक लिया, लेकिन उन्हें इस बात का एहसास हो गया कि वह बाउंड्री लाइन के पार जा रहे हैं। ऐसे में उन्होंने गेंद को बाउंड्री लाइन के अंदर की ओर फेंका और फिर बाउंड्री लाइन से लौटकर मैदान में आकर कैच लपक लिया। सूर्य कुमार के इस बेहतरीन कैच के बाद मिलर को पवेलियन लौटना पड़ा। इसी ओवर में हार्दिक पंड्या ने रबाडा को भी आउट किया। रबाडा का कैच भी सूर्य कुमार ने ही पकड़ा।

आखिरी ओवर में 8 रन देकर पंड्या ने झटके 2 विकेट : इस तरह हार्दिक पंडया ने आखिरी ओवर में महज 8 रन खर्च करके 2 विकेट अपने नाम किए और टीम इंडिया को टी20 का वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। इसके पहले कलासन ने अक्षर पटेल के एक ही ओवर में 24 रन ठोंक डाले, जिसके बाद भारत की इस मैच पर पकड़ ढीली पड़ती नजर आ रही थी। लेकिन, आखिरी ओवर में सूर्या और पंड्या ने जो कमाल किया, उसने भारत के क्रिकेट प्रेमियों को गौरव से भर डाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया है।

पीएम मोदी से लेकर मल्लिकार्जुन खरगे तक ने टीम इंडिया को दी बधाई

नई दिल्ली। भारत की साउथ अफ्रीका पर सात रनों से जीत पर पीएम मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित कई नेताओं ने टीम इंडिया को बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश जारी कर टीम इंडिया को बधाई दी। उन्होंने कहा, "इस भव्य विजय के लिए सभी देशवासियों की तरफ से बहुत-बहुत बधाई। आज 140 करोड़ देशवासी आपके शानदार प्रदर्शन को लेकर गर्व महसूस कर रहे हैं। खेल के मैदान में आपने वर्ल्ड कप जीता, लेकिन देश के गांव, गली मोहल्लों में आपने सबका दिल जीत लिया है।"

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने टीम इंडिया को बधाई देते हुए एक्स पोस्ट कर कहा, "रोमांचक फाइनल में टीम इंडिया ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता। मैच में विराट कोहली, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह चमके। इस अविश्वसनीय जीत पर हर भारतीय को गर्व है। आपकी उपलब्धियों का हमेशा जश्न मनाया जाएगा और उन्हें संजोया जाएगा। हम भविष्य के मैचों में आपका समर्थन और उत्साहवर्धन जारी रखने के लिए तत्पर हैं।"

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर टीम इंडिया को जीत की बधाई दी। उन्होंने लिखा, "भारत वासियों को हार्दिक बधाई। विश्व विजेता' भारतीय क्रिकेट टीम का अभिनंदन। जय हिंद।" भारत वासियों को हार्दिक बधाई!

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने टीम इंडिया को बधाई देते सूर्य कुमार यादव के कैच, कप्तान रोहित शर्मा और टीम को कोच राहुल द्रविड़ का भी जिक्र किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, "विश्व कप की शानदार जीत और पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए टीम इंडिया को बधाई। सूर्या, क्या शानदार कैच है। रोहित, यह जीत आपके नेतृत्व का प्रमाण है। राहुल, मैं जानता हूं कि टीम इंडिया को आपके मार्गदर्शन की कमी खलेगी।"

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी टीम इंडियो को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा, "शानदार टीम इंडिया। भारत ने 13 साल बाद T-20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया है। यह पूरे देश के लिए बहुत खुशी का मौका है। सभी देशवासियों और हमारे सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई।"

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी टीम इंडिया को बधाई देते हुए कहा, हमारे निडर बल्लेबाजों व हमारे अथक गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के साथ, यह जीत ऐतिहासिक है। प्रत्येक खिलाड़ी कौशल, जुनून और एकता का प्रदर्शन करते हुए अपना ए-गेम लेकर आया। आपने हमें फिर से गौरवान्वित किया है... यह जीत स्टैंड और उसके बाहर जयकार कर रहे हर भारतीय की है।

संक्षिप्त

सीएम चंपाई ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का दिया निर्देश

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स तथा सोना-चांदी व्यवसायी समिति के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। व्यवसायियों ने मुख्यमंत्री को राजधानी रांची में हो रही लूट, छिनतई व डकैती जैसी आपराधिक घटनाओं से अवगत कराते हुए उसे नियंत्रित करने के लिए समुचित कदम उठाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि राज्य के डीजीपी अजय कुमार सिंह को अपराध नियंत्रण के लिए कड़े निर्देश दे दिए गए हैं। उन्हें घटित आपराधिक घटनाओं का खुलासा कर संलिप्त अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया है।

लद्दाख में नदी पार करते समय अचानक बढ़ा जलस्तर, सेना के 5 जवान शहीद

लद्दाख। लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में बड़ा हादसा हुआ है। रक्षा अधिकारी ने बताया कि इलाके में शुक्रवार को नदी पार करने के लिए टैंक अभ्यास के दौरान अचानक जलस्तर बढ़ गया। इस हादसे में सेना के पांच जवान शहीद हो गए। बताया जा रहा है कि न्योमा-चुशुल क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास शुक्रवार देर रात टी-72 टैंक पर सवार होकर नदी पार करते समय सेना के पांच जवान बह गए थे, जिनका शव बरामद कर लिया गया है। रक्षा अधिकारी की ओर से बताया गया कि घटना दौलत बेग ओल्डी से 148 किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास देर रात करीब एक बजे अभ्यास के दौरान हुई। पांच सैनिकों को टी-72 टैंक नदी पार ले जा रहा था। ठीक इसी वक्त नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण यह डूब गया।

एक जेसीओ और चार जवान शहीद : रक्षा अधिकारी दौलत बेग ओल्डी इलाके में नदी पार करने के अभ्यास के दौरान हुए हादसे में एक जेसीओ और चार जवानों समेत पांच भारतीय सेना के जवान शहीद हो गए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि लद्दाख में नदी पार कराते समय दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ, जिसमें हमारे पांच बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान चली गई। खबर सुनकर आहत हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में हजारीबाग से एक और गिरफ्तार

- देशभर में हंगामा, हजारीबाग से अब तक तीन अरेस्ट

हजारीबाग। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। शनिवार (29 जून) को सीबीआई की टीम ने झारखंड के हजारीबाग से एक को गिरफ्तार किया। उसे शुक्रवार को ही पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी थी। नीट पेपर लीक केस में सीबीआई की ओर से झारखंड से की गई यह तीसरी गिरफ्तारी है। गिरफ्तार किए गए शख्स का नाम जमालुद्दीन है। इसके पहले सीबीआई की टीम ने हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल को गिरफ्तार किया था। 2 लोग पटना से भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। नीट पेपर लीक के तार देश के अलग-अलग हिस्सों से जुड़े हैं। सीबीआई की टीमें झारखंड, बिहार के साथ-साथ गुजरात में भी जांच कर रही है।

ओएसिस के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल का कराया मेडिकल : ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक और वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम का शनिवार को मेडिकल कराया गया। सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक, हजारीबाग के स्थानीय शख्स का भी मेडिकल कराया जाएगा। इम्तियाज आलम नीट के इम्तहान के लिए सिटी को-ऑर्डिनेटर भी थे। प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल को शुक्रवार (28 जून) को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही एक स्थानीय शख्स को भी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की थी। उसे आज गिरफ्तार कर लिया गया।

हजारीबाग के चरही में सीसीएल गेस्टहाउस में 6 लोगों से हुई पूछताछ : नीट-यूजी 2024 पेपर लीक केस में सीबीआई की टीम ने शुक्रवार को हजारीबाग जिले के चरही स्थित सीसीएल गेस्ट हाउस में 6 लोगों से पूछताछ की। शाम 4 बजे दो अलग-अलग कार में 3 लोगों को अपने साथ पटना ले गई। जिन लोगों को सीबीआई की टीम पटना ले गई, उसमें एनटीए के सिटी को-ऑर्डिनेटर और सेंटर के केंद्राधीक्षक और एक शख्स शामिल हैं।

अरविंद केजरीवाल सीबीआई केस में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गये

एजेंसियां, नई दिल्ली

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। तीन दिन की हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद सीबीआई ने आज उन्हें कोर्ट में पेश किया था।

सीबीआई ने की थी 14 दिन की हिरासत की मांग : सीबीआई ने कोर्ट से 14 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग की थी। जिसपर कोर्ट ने पहले अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, बाद में सीबीआई की मांग स्वीकार करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने किया गिरफ्तार : मुख्यमंत्री को दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में अनियमितताओं के संबंध में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को केजरीवाल को धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। केजरीवाल को निचली अदालत से जमानत मिल गई थी, जिस पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

शेष पेज 08 पर

झारखंड के आदिवासी नेताओं से मिले हिमंत बिश्व सरमा

- विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले आदिवासियों के बीच पैठ बनाने की रणनीति बनाने में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जुट गई है। विधानसभा चुनाव के सह-प्रभारी व असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व सरमा ने शनिवार (29 जून) को पार्टी के प्रमुख आदिवासी नेताओं से मुलाकात की और उनका फीडबैक लिया। शेष पेज 08 पर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर किया हमला, कहा

लोस चुनाव में जनता ने मारी लाठी विधानसभा चुनाव में होगा सफाया

- कल विधानसभा चुनाव की घोषणा करें, परसों भाजपा का कर देंगे सफाया

रांची। शनिवार 29 जून 2024 को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने इन्हें लाठी मारी। अब विधानसभा के चुनाव में राज्य से इनका सफाया हो जाएगा।हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि कल विधानसभा चुनाव की घोषणा करें, परसों से भाजपा का सफाया कर देंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी वाले विधानसभा जीत का जो सपना देख रहे हैं, वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने साबित होंगे। पांच माह बाद जेल से बाहर आने के बाद वह शनिवार को पहली बार कार्यकर्ताओं से मुखातिब थे। इस मौके पर हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं।

कार्यकर्ताओं से बोले-विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं : बारिश के बीच कांके रोड स्थित आवास पर हेमंत सोरेन ने झामुमो कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने को कहा। उन्होंने कहा कि जानकारी मिल रही है कि झारखंड में जल्द विधानसभा चुनाव कराने की योजना बनायी जा रही है। हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं को मुट्ठी में कर लिया है। लेकिन देश में लोकतंत्र जिंदा है। सबसे बड़ी अदालत जनता की अदालत है और जनता ने जवाब दे दिया है।

मनुवादी सोच और सामंतवादी सोच को जवाब देगा झामुमो : उन्होंने कहा कि झामुमो ने संकल्प लिया है कि मनुवादी सोच और सामंतवादी सोच को जवाब देंगे। शेष पेज 08 पर

जजों की तुलना भगवान से करना सही नहीं : सीजेआई

कोलकाता। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि जजों की तुलना भगवान से करने की परंपरा खतरनाक है, क्योंकि जजों की जिम्मेदारी आम लोगों के हित में काम करने की है। कोलकाता में नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "अक्सर हमें ऑनर या लार्डशिप या लेडीशिप कहकर संबोधित किया जाता है। जब लोग अदालत को न्याय का मंदिर बताते हैं, तो इसमें एक बड़ा खतरा है। बड़ा खतरा है कि हम खुद को उन मंदिरों में बैठे भगवान मान बैठें।"

हमें पूर्वाग्रह मुक्त न्याय का भाव पैदा करना होगा: सीजेआई ने कहा कि जब उनसे कहा जाता है कि अदालत न्याय का मंदिर होता है, तो वह कुछ बोल नहीं पाते हैं, क्योंकि मंदिर का मतलब है कि जज भगवान की जगह हैं। बल्कि मैं कहना चाहूंगा कि जजों का काम लोगों की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि जब आप खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखेंगे, जिनका काम लोगों की सेवा करना है, तो आपके अंदर दूसरे के प्रति संवेदना और पूर्वाग्रह मुक्त न्याय करने का भाव पैदा होगा। शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

महाप्रबंधक ने किया रजरप्पा कॉलोनी का औचक निरीक्षण

रजरप्पा(रामगढ़)। शनिवार को सीसीएल रजरप्पा के महाप्रबंधक बिनोद कुमार ने सेंट्रल कॉलोनी, रजरप्पा क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्टाफ अधिकारी (सिविल) विमल आजाद, टाउनशिप इंचार्ज त्रिनाथ साहू एवं परियोजना अभियंता (सिविल) सौरभ भी उपस्थित थे ' महाप्रबंधक ने कॉलोनी के साफ सफाई को लेकर उचित दिशानिर्देश दिए। विशेष तौर पर क्वार्टर के पीछे उग रही झाड़ियों और नालों की सफाई को जुलाई महीने के अंत तक पूरा करने को कहा। कॉलोनी में नियमित एवं अबाध्य जलापूर्ति सुनिश्चित करने का भी उन्होंने आवश्यक निर्देश दिया।

अभिभावक ओरियंटेशन कार्यक्रम आयोजित

अनगड़ा। अनगड़ा पंचायत भवन में शनिवार को नवभारत जागृति केंद्र एवं यूनिसेफ के सहयोग से प्रखंड स्तरीय अभिभावक ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मौके पर बच्चों के पालन पोषण के सही तरीकों के संबंध में जानकारी दी गई। अभिभावकों को संबंधित वीडियो दिखाया गया। बाल अधिकारों की जानकारी दी गई। बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल तस्करी, बच्चों के साथ हिंसा मानसिक स्वास्थ्य, स्कूल सुरक्षा, पोक्सो एक्ट आदि की जानकारी दी गई। मौके पर बाल पत्रकारों ने भी अपनी बातों को रखा। कार्यक्रम में जिप सदस्य राजेंद्र शाही मुंडा, मुखिया भुवनेश्वर बेदिया, दुर्गा पाहन, सरिता देवी आदि उपस्थित थे।

आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम आयोजित

चान्हो। प्रखंड क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आजसू पार्टी का हल्ला बोल कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया मौके पर आजसू नेता सह जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत ने कहा कि आज पूरे प्रदेश में हर छोटी-बड़ी योजनाओं में लुट मची हुई है, अब्दुला आवास योजना, मनरेगा, योजना पेयजल आपूर्ति, बालू खनन कोयला खनन सभी में राज्य सरकार के द्वारा लुट मची हुई है आज एक आम इंसान यदि अपने कोई भी छोटी सी भी काम को लेकर प्रखंड कार्यालय जाता है तो उसे कहा जाता है कि कल आना, परसों आना काम हो जाएगा मौके पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने अपने विचारों को व्यक्त किया बताते चलें कि आगामी विधानसभा चुनाव के तैयारीयों के मद्देनजर आजसू पार्टी के द्वारा विभिन्न प्रखंड मुख्यालय में हल्ला बोल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जो आगामी 6 जुलाई तक चलेगा, आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार को एक लिखित ज्ञापन भी सौंपा मौके पर, जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी, आदिल अजीम कमलु साहू राजकुमार सिंह, के अलावे अन्य मौजूद रहे।

पाहन टोली गांव में घुसा हाथियों का झुंड

चान्हो। चान्हो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बलसोकरा पाहन टोली गांव में बीती रात जंगली हाथियों का झुंड घुस गया और गांव के ही कृष्णा पाहन के घर के पास पहुंचकर जोर से चिंघाड़ने लगे इससे उसका पूरा परिवार डर से दुबक गया किसी तरह आसपास के ग्रामीणों को फोन कर के जानकारी दी तो ग्रामीणों ने आनन-फानन में मसाल पटाखे जलाकर किसी तरह से हाथियों को खदेड़ा गनिमत यह रही कि हाथियों ने किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया।

हरहंजी विद्यालय में प्रबंध समिति का हुआ चुनाव

बेड़ो। प्रखंड के हरहंजी गांव स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में शुक्रवार को विद्यालय प्रबंध समिति का चुनाव संकुल साधन सेवी विकास कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में शांति पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें भीम गोप प्रबंध समिति के अध्यक्ष चुने गए। वही सचिव प्रभारी प्रधानाध्यापिका अर्पणा तिग्गा व सुनीता तिग्गा को उपाध्यक्ष शिवनारायण गोप, सुषमा मुंडा, प्रतिमा देवी सदस्य चुने गए।

जिलास्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

स्वस्थ बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं: डीसी

संवाददाता

खूंटी। जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन शनिवार को आरसी बालक मध्य विद्यालय खूंटी, लोयोला उच्च विद्यालय, खूंटी तथा लोयोला छात्रावास खूंटी के खेल मैदान में किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने उपस्थित सभी खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें प्रतियोगिता को खेल की भावना से खेलते हुए विजयी होने कें लिए प्रेरित किया।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता के न्दकमत 15 बालक वर्ग में विजेता उत्क्रमित उच्च विद्यालय अनिगड़ा, खूंटी और उप विजेता संत जोसेफ उच्च विद्यालय तोरपा की टीम रही। अंडर 17 बालिका में जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, खूंटी की टीम विजेता और $2 उच्च विद्यालय, कर्रा की टीम उप विजेता रही। अंडर 17 बालिक वर्ग में राउ मध्य सह उच्च विद्यालय चुरदाग, तोरपा की टीम ने निर्मला उच्च विद्यालय पिडुल, रनिया को हराकर सुब्रतो कप पर अपना कब्जा जमाया। तीनों श्रेणी में विजेता खिलाडियों की टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। प्रतियोगिता में भाग लेन वाले सभी प्रतिभागियों को उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान किया। उपायुक्त ने उपस्थित सभी बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी परिश्रम करने को कहाा। उन्होंने कहा कि शारीरिक स्वस्थता का हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और स्वस्थ बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं। खेल के माध्यम से बच्चों का मन एवं शरीर दोनों स्वस्थ रहता है। बच्चों को विभिन्न स्पधाओं में भागीदारी से जीवन में विपरीत परिस्थिति का मुकाबला करने की शक्ति प्राप्त होती है और उनमें नेतृत्व की भी भावना विकसित होती है।

उपायुक्त ने प्रतियोगिता में सभी विजेता टीम को उनकी सफलता के लिए बधाई दी। जिला स्तरीय सुब्रतो कप प्रतियोगिता 2024-25 में सभी प्रखण्डों के प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, सभी शारीरिक शिक्षा शिक्षक एवं खूँटी फुटबॉल रेफरी संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सुब्रतो कप एक प्रतिष्ठित अन्तरराष्ट्रीय अंतर विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता है, जो भारत का सबसे पुराना अन्तरराष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल टूनार्मेंट है और इसे देश में जमीनी स्तर पर खेल को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए प्रारंभ किया गया है।

जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

रामगढ़ । जिला समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार ने पुलिस अधीक्षक रामगढ़ डॉ बिमल कुमार की उपस्थिति में शनिवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की। बैठक के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में किए गए कार्य की समीक्षा की गई समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने चुट्टूपालू घाटी में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए। वर्तमान में घाटी में लगाई गई लाइटों के नियमित रूप से कार्य करने की जानकारी ली। मौके पर उपायुक्त ने हर हाल में घाटी में लगाई गई लाइटों का नियमित रूप से कार्य करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त के द्वारा वाहन जांच अभियान, जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन, ब्लैक स्पॉट चिंहितिकरण आदि को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स को नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलने व अवैध परिवहन पर लगाम लगाने हेतु समय-समय पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिए बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों/ अधिकारियों, एनएचएआई के अधिकारियों, कार्यपालक अभियंताओं सहित अन्य उपस्थित थे।

निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की हुई अंतिम जांच

संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर शनिवार को लोकसभा निर्वाचन 2024 में संसदीय क्षेत्र खूंटी से निर्वाचन में शामिल उम्मीदवारों की निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान चुनाव प्रचार आदि से संबंधित निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की अंतिम जांच समाहरणालय के विकास भवन स्थित सभागार में की गई। जांच कार्य का संचालन व्यय प्रेक्षक एसआर नेडुमारन और सहायक व्यय प्रेक्षकों के निर्देशन में किया किया गया। जांच में उम्मीदवार अर्जुन मुण्डा, भारतीय जनता पार्टी, कालीचरण मुण्डा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, सावित्री देवी, बहुजन समाज पार्टी, अर्पणा हंस, झारखण्ड पार्टी, बबीता कच्छप, भारत आदिवासी पार्टी, पास्टर संजय कुमार तिर्की, निर्दलीय,, बसंत कुमार लोंगा निर्दलीय द्वारा स्वयं या अपने निर्वाचन अभिकर्ता के माध्यम से निर्वाचन व्यय से संबंधित लेखा पंजी की अंतिम जांच के लिए उपस्थित थे।

एसी चंद्रमोहन हत्याकांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी। अड़की थाना क्षेत्र के सोनपुर गांव में हुई एसी चंद्र मोहन की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने हत्या के आरोपित परमेश्वर मुंडा(65) को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त फरसा और अभियुक्त द्वारा घटना के दौरान पहने गए कपड़े को भी बरामद कर लिया है। खूंटी पुलिस ने शनिवार को बताया कि गत 25 जून को एसी चंद्र मोहन की अज्ञात अपराधी ने गला काटकर हत्या कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए

पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (परि) रामप्रवेश कुमार के नेतृत्व में डापामर टीम का गठन किया गया। अनुसंधान और छापामारी के क्रम में एक संदिग्ध व्यक्ति परमेश्वर मुंडा से पूछताछ की गई, तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपित परमेश्वर मुंडा ने बताया कि एसी चंद्र मोहन के साथ उसका पुराना जमीनी विवाद था और इसी कारण उसने फरसा से गला रेतकर चंद्र मोहन की हत्या कर दी। छापामारी दल में डीएसपी रामप्रवेश कुमार, पुलिस निरीक्षक की किशुन दास, अड़की के थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश कुमार यादव, एसआई कुंदन कुमार, प्रवीण कुमार तिवारी, जय कुमार, राजीव कुमार तुरी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

भाजपा जिला समिति की वर्चुअल बैठक आयोजित

संवाददाता

रामगढ़ । भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला द्वारा प्रदेश के निदेर्शानुसार एक वर्चुअल बैठक जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता की अध्यक्षता में शनिवार को 11:00 बजे आयोजित की गई । बैठक में जिला प्रभारी शशि भूषण भगत विशेष रूप से शामिल हुए । कार्यक्रम का संचालन जिला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू चतुवेर्दी तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला मंत्री राजेंद्र कुशवाहा के द्वारा किया गया । बैठक में आगामी 6 जुलाई तक एक पेड़ मां के नाम तथा मन की बात कार्यक्रम को लेकर दिशा निर्देश दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रवीण

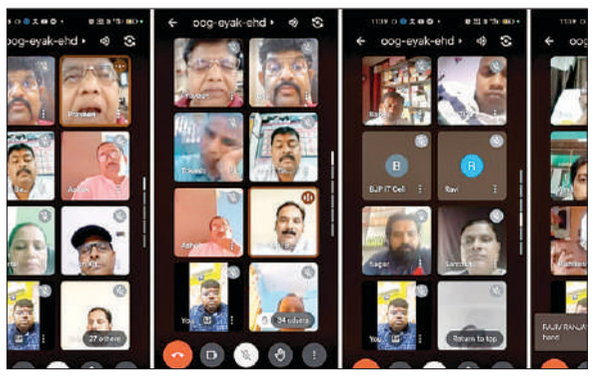

मेहता ने बताया कि प्रत्येक शक्ति केंद्र के दो बूथों का चयन कर वहां मन की बात कार्यक्रम को भव्य रूप से करने तथा साथ-साथ अपनी मां के साथ पौधा लगाते हुए एक साझा तस्वीर सरलऐप में पोस्ट करने और मंडल के कार्यक्रम संयोजक को भी उपलब्ध करा देने का निर्देश दिया गया । वर्चुअल बैठक में जिला प्रभारी शशि भूषण भगत ने सभी मंडल अध्यक्षों से बूथ पुनरीक्षण को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए और सभी से प्रदेश द्वारा निर्धारित एक पेड़ मां के नाम तथा मन की बात कार्यक्रम की तस्वीर सरल अप में डाउन करने के साथ-साथ जिला और प्रदेश को भी उपलब्ध हो जाने की बात कही। उन्होंने मतदाता सूची का क्रमबद्ध अध्ययन करते हुए छूटे हुए मतदाताओं का नाम जोड़ने पर बल दिया। आगामी 6 जुलाई से 15 जुलाई तक विजय अभिनंदन कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों से स्थानीय समस्याओं को लेकर एक कार्यक्रम बनाने का निर्देश दिया।वर्चुअल बैठक में जिला के महामंत्री रंजन फौजी ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वर्चुअल बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ संजय सिंह,जिला मंत्री रमेश वर्मा , मीडिया प्रभारी राजीव पामदत्त, जिला सोशल मीडिया प्रभारी संतोष कुमार शर्मा,जिला आईटी सेल संयोजक प्रवीण कुमार सोनू , अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव, सतीष मोहन मिश्रा,सागर दांगी ,टोकेश सिंह, बबलू साव, अशोक कुमार,, गणेश प्रसाद स्वर्णकार, संजय शाह, मनोज गिरि, राजेश कुमार, अशोक कुमार सहित सभी मंडल के कार्यक्रम संयोजक और सह संयोजक भी शामिल थे।

आपातकाल देश के इतिहास का एक काला अध्याय : राजू चतुर्वेदी

संवाददाता

रामगढ़। आपातकाल विषय को लेकर 29 जून को प्रेस कॉन्फ्रेंस भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू चतुवेर्दी की अध्यक्षता में शाम 4:30 बजे रामगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू के आवासीय कार्यालय में आयोजित किया गया । मौके पर मीडिया को संबोधित करते हुए राजू चतुवेर्दी ने बताया कि आपातकाल देश के इतिहास का एक काला अध्याय है। कहा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। उस समय के भयावह स्थिति को रखते हुए उन्होंने कहा कि देश के लिए यह काला दिवस है जब कांग्रेस राज्य में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में 25 जून

1975 की मध्य रात्रि को आपातकाल की घोषणा कर भारतीय संविधान एवं लोकतंत्र की हत्या कर दी । देश के नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार छीन लिया गया । सरकार के विरोध में बोलने वाले को कई सजा दी गई। संपूर्ण देश जेलखाना में तब्दील हो गया । आपातकाल में अत्याचार के 21 महीने जो 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक के दर्दनाक घटना को याद कर लोग अब भी सिहर उठते हैं । उस दौरान सभी मशनरी, सभी सरकारी तंत्रों द्वारा देश के नागरिकों के अधिकारों की खुलेआम हत्या की । शासन के विरोध में लिखने पर सीधे सजा मुकर्रर कर जेल में ठूंस दिए जाना आम बात थी।देश के चौथे स्तंभ प्रेस मीडिया के अधिकारों और उनके स्वतंत्रता पर रोक लगा दिया गया। देश के दुर्भाग्य को 26, जून के सुबह में जब देश की जनता ने समाचार जानने के लिए आकाशवाणी ,ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन खोलें तो समाचार पत्रकार के जगह पर उसमें प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का संबोधन हो रहा था को देखा और जाना। आपातकाल के उस कालखंड में विरोधी दल के वरिष्ठ नेताओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें जबरदस्ती जेल में डाल दिया गया तथा उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निर्देश पर तिहाड़ जेल में 1273 लोगों के लिए बनी जगह में 3500 से अधिक लोगों को कैद किया गया और उन्हें बेदर्दी से मारा पीटा गया। जो भारत की स्वतंत्रता पर आपातकाल के प्रभाव को दशार्ता है । आज उसी कांग्रेस के राहुल गांधी संविधान के प्रति लेकर खुद जनता को अपना आईना दिखा रहे हैं।

ग्रामीणों ने राज्यसभा सांसद का किया आभार व्यक्त

ओरमांझी। प्रखण्ड क्षेत्र के बारीडीह पंचायत के नया टोली आनंदी में ट्रांसफार्मर जलने के कारण 15 दिन से ग्रामीण काफी परेशान थे।जिसका निवारण के लिए राजेंद्र चौधरी एवं नंदकिशोर मुंडा के नेतृत्व में ग्रामीणों संग राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू के पास पहुंचे। और अपना परेशानी को बताएं परेशानी को सुनकर सांसद ने संज्ञान में लेकर बिजली विभाग के जीएम से बात किया। और राज्य सभा सांसद के पहल से 24 घंटा में नया ट्रांसफार्मर मिल गया। जिसका शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी, ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष मानकी राजेंद्र शाही एवं मंडल अध्यक्ष दिलीप मेहता के उपस्थिति में ग्रामीणों संग फीता काटकर नया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। और लाइन चालू किया गया। जिससे ग्रामीण काफी खुश नजर आए।

मासिक लोक आदालत में 12 मामलों का हुआ निष्पादन

संवाददाता

खूंटी। खूंटी के प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष संजय कुमार जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय खूंटी में शनिवार को मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। मासिक लोक अदालत में विभिन्न मामलों के निष्पादन के लिए चार बैंचों का गठन न्यायालय में लंबित मामलों और प्रीलिटिगेशन से संबंधित मामलों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत में दीवानी एवं फौजदारी न्यायालय के सुलहनीय प्रकृति के मामले एनआई एक्ट के मामले और बिजली संबंधित मामले प्रस्तुत किए गए। डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि लोक अदालत में चार बैंचों के माध्यम से 12 मामलों का निष्पादन किया गया। इस अवसर पर प्रथम बेंच- जिला जज प्रथम संजय कुमार, जिला जज द्वितीय राकेश कुमार मिश्रा, जिला जज तृतीया प्राची मिश्रा, द्वितीय बेंच मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार, अधिवक्ता मुकुल कुमार पाठक और कविता कुमारी, तृतीय बेंच में एसडीजेएम, कुमारी विद्यावती, पैनल अधिवक्ता आशीष कुमार और सुमित कुमार कश्यप, चतुर्थ बेंच में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष केके सिंह एवं सदस्य मधु चंदा कुमारी, पैनल अधिवक्ता शशि कला कुमारी आदि शामिल थे।

विशेष लोक अदालत में 547 मामलों का निपटारा

भूमि राजस्व एवं अन्य वादों के निस्तारण के लिए शनिवार को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में व्यवहार न्यायालय खूंटी के एसडीओ भूमि अधिग्रहण, सर्किल ऑफिस के कूल 848 मामलों पर विचारण के पश्चात 547 मामलों का निष्पादन किया गया, जिसमें नौ करोड़,55 लाख, 65 हजार हजार, 37 रुपये की राजस्व की प्राप्ति हुई।

परमेश्वर की भक्ति से ही मिल सकती है सुख-शांति: स्वामी प्रमोद महाराज

खूंटी। खूंटी जिला संतमत सत्संग समिति के तत्वावधान में मुरहू सहित सीमावर्ती पश्चिमी सिंहभूम के विभिन्न गांवों में आयोजित सात दिवसीय सत्संग कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हुआ। सत्संग कार्यक्रम में महर्षि मेंहीं आश्रम भागलपुर के स्वामी प्रमोद जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य धरती का मालिक भी बन जाए, तो भी सुखी जीवन नहीं जी सकता। जैसे बालक को जितना मनाओ, लेकिन मां के गोद में ही वह सुरक्षित-निश्चिंत महसूस करता है। वैसे ही परमात्मा हमारे परम पिता हैं, उसी की एकमात्र भक्ति से हमें सुख शांति मिल सकती है। गौतम बुद्ध का उदाहरण देते हुए उन्होने कहा कि यशोधरा ने गौतम बुद्ध से कहा कि भक्ति घर में भी हो सकती थी। अतः कहीं भटकने की जरुरत नहीं है, बस सद्गुरू की युक्ति जानकर भक्ति करें। मांस मदिरा आदि के सेवन पर उन्होंने कहा कि जैसे गंदे पात्र में भोज्य पदार्थ नहीं रखते,उसी प्रकार शरीर में मांसाहार शराब आदि रहने से हमारा अंतर्मन अशुद्ध हो जाता है, तो परमात्मा कैसे रहेंगे, भक्ति नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि शाकाहार और सदाचार बहुत जरूरी है।स्वामी निर्मलानंदजी महाराज ने कहा कि सदा पाप कर्म से बचें, फल की इच्छा त्यागें,खान-पान की बुराईयों से दूर रहें, और हमेशा भक्ति की डोर पकड़े रहें तभी हमें मोक्ष यानी परमात्मा प्राप्त हो सकते हैं।

स्वर्ण व्यवसायियों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

मांडर। आए दिन राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में ज्वेलरी दुकानदारों के साथ अपराधियों के द्वारा लुट पाट की घटना को अंजाम दिया जा रहा है, इन घटनाओं को लेकर मांडर क्षेत्र के आभूषण दुकानदार चिंतित हैं भविष्य में किसी तरह की अनहोनी को लेकर उनके बीच डर का माहौल बना हुआ है गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों के अंदर राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में कई ज्वेलरी दुकानदारों से अपराधियों के द्वारा लुटपाट की घटना को अंजाम दिया जा चुका है, इस लिए व्यवसायियों ने मांडर पुलिस से विशेष सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने का अनुरोध किया गया है।

सीएससी एकेडमी में विदाई समारोह का आयोजन

संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ कॉलेज के निकट स्थित सीएससी एकेडमिक संस्थान में 29 जून को विदाई संस्था की शिक्षिका रागिरी तिवारी के लिए विदाई समारोह का अयोजन किया गया।

विदाई समारोह संचालन चंदन कुमार और सबीता कुमारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। विदाई समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में रागिनी तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि सरना हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक किस्टू महतो मुख्य रूप से उपस्थित हुए । सीएससी एकेडमी एक कंप्यूटर संस्थान है जो कि मुर्रामकला रामगढ़ कॉलेज गेट रामगढ़ के निकट स्थित है।

सीएससी एकेडमी के संस्थापक रूपेश कुमार महतो तथा शिक्षक के रूप में रोहन नायक, रागिनी तिवारी और आनंद कुमार कार्यरत हैं। विदाई समारोह में छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के गीत, नृत्य प्रस्तुत किये गये। वहीं, वक्ताओ द्वारा भाषण दिया गया । कार्यक्रम के मुख्य मुख्य अतिथि रागिनी तिवारी ने कहा कि मै दो वर्षों तक इस संस्थान में छात्र छात्राओं को शिक्षा देने का कार्य की हूं। कहा कि संस्था में बच्चों ने हमेशा सम्मान दिया और उन्हें जो मैंने सिखाने का प्रयास किया उसके प्रति छात्र छात्राएं हमेशा गंभीर दिखे। विशिष्ट अतिथि किस्टू महतो ने कहा कि यहां के छात्र छात्राएं हमेशा बेहतर करें यही कामना है। शिक्षक रोहन नायक ने बच्चों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि आज के आधुनिक तकनीकी के बारे में और साइबर क्राइम को नियंत्रण के बारे में जानकारी दी। संस्थापक रूपेश कुमार महतो के ने भी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की । विदाई समारोह में मुख्य रूप से धीरज, अमन, विक्की, दुलाल, नवीन, भीम ,कृष्ण, प्रिंस ,प्रेम राज ,पिंटू, रोहित, हर्षिता , नेहा, सोनाली, श्रुति, लक्ष्मी आदि शामिल हुए।

संक्षिप्त

कारोबार को डिजिटलीकृत करने की बना रहे योजना

रांची। दूरसंचार सेवा प्रदाता वी की एंटरप्राइज शाखा वी बिजनेस ने विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर राष्ट्रव्यापी अध्ययन ह्वी बिजनेस रैडी फॉर नेक्स्ट एमएसएमई ग्रोथ इनसाईट स्टडी (वॉल्युम 2.0 2024) के परिणाम जारी किए हैं। यह व्यापक अध्ययन 16 सेक्टरों- आईटी एवं आईटीईएस, फाइनेशियल सर्विसेज, परिवहन, निर्माण, रीटेल, कृषि, मीडिया एवं एंटरटेनमेन्ट, मैनुफैक्चरिंग आदि में एमएमएसई की डिजिटल परिपक्वता पर रोशनी डालता है और बताता है कि वे किस तरह अपने संचालन में डिजिटलीकरण और टेक्नोलॉजी को अपना रहे हैं।

मासिक लोक अदालत का सफल आयोजन

रांची : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची द्वारा शनिवार को सुबह 07 : 30 बजे से व्यवहार न्यायालय, रांची में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया, इसके लिये 7 बैंच का गठन किया गया। आज के इस लोक अदालत में कुल 164 वादों का निस्पादन किया गया एवं 2071657/- (बीस लाख इकहत्तर हजार छह सौ संतावन) रूपयों का समझौता राशि विभिन्न वादों में निस्पादन कर प्राप्त की गयी।

बीबीए, बीसीए बीकॉम की सीटों की संख्या में हो वृद्धि : विशाल कुमार

रांची : शनिवार को युवा आजसू का प्रतिनिधिमंडल मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य से मुलाकात कर उन्हें बीबीए, बीसीए,बी. कॉम की सीटों मे वृद्धि करने की मांग को लेकर मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र सौंपते हुए विशाल कुमार यादव ने कहा की हर एक वर्ष के भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं मारवाड़ी महाविद्यालय में बीबीए बीसीए विषय में सीटों की कमी के कारण नामांकन से वंचित रह जाएंगे।
उन्होंने मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य से मांग किया के मारवाड़ी महाविद्यालय में इन विषयो मे सीटों की संख्या में वृद्धि करते हुए द्वितीय पाली में इसकी पढ़ाई चालू की जाए। उन्होंने प्राचार्य को अवगत कराते हुए कहा लगभग 15 दिन पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य से इस मामले पर बातचीत हुई थी उन्होंने आश्वासन भी दिया था कि जल्द सीटों की संख्या में वृद्धि करते हुए सेकंड शिफ्ट में बीबीए बीसीए को चालू किया जाएगा। परंतु 15 दोनों बीच जाने के बावजूद भी इस मामले पर महाविद्यालय द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। अगर बीवीए और बीसीए की सीटों की संख्या में वृद्धि नहीं की गई तो युवा आजसू आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

पेड़ लगाने का लो संकल्प, प्रकृति को बचाने का यही है विकल्प

रांची : शनिवार, दोपहर 3.00 बजे अग्रवाल युवा सभा, रांची द्वारा साई नाथ यूनिवर्सिटी, बोरिया, मोराबादी के साथ संयुक्त तत्वधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभा के सदस्यों द्वारा 50 छायादार पौधे लगाए गए। पौधे लगाने का हमारा मूल उद्देश्य पर्यावरण को सुरक्षित कर आने वाली पीढ़ी के लिए नींव रखना है। सभा भविष्य में 500 पेड़ लगाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।
यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉक्टरसी.पी. अग्रवाल ने सभा द्वारा किए जा रहे हैं इसने कार्य की बहुत सराहना की। पर्यावरण प्रभारी विशाल महलका, आलोक बजाज एवं कार्यक्रम संयोजक गौरव परशुरामपुरिया, सौरव कटारूका, मयूर बुधिया, विनायक पोद्दार के साथ सचिव रौनक झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष दीपक गोयनका, उपाध्यक्ष रोहित सरावगी, प्रवक्ता सन्नी टिबड़ेवाल, हर्ष जालान, मयूर पोद्दार, सौरव सरावगी, अरुण पोद्दार, मोहित अग्रवाल, तरुण सर्राफ, श्रेय जालान, निशान अग्रवाल, अनीश सरावगी, संकेत अग्रवाल ने इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में जुड़कर पर्यावरण को हरा-भरा बनाने का संकल्प लेते हुए अपनी सहभागिता दी।

अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण को लेकर वसूला गया 31.55 लाख जुर्माना

अवैध रूप से भंडारित 3,95,000 घन फीट जब्त बालू की नीलामी का निर्देश

संवाददाता

रांची। अवैध खनन की रोकथाम के लिए जिलास्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक रांची उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में 29 जून, 2024 को हुई। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में समिति के सदस्य उपस्थित थे।

75 अभियुक्तों के विरुद्ध 13 एफआईआर

बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त ने अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए की गई कार्रवाई की समीक्षा की। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि रांची जिलान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 26 जून, 2024 तक अवैध खनन, परिवहन, भंडारण को लेकर विभिन्न थानों में 75 अभियुक्तों के विरुद्ध 13 प्राथमिकी दर्ज की गई है। 31.55 लाख जुमार्ना भी वसूला गया।

जब्त अवैध भंडारित बालू की नीलामी

बैठक में जिला खनन पदाधिकारी ने समिति को बताया कि जिलान्तर्गत अवैध रूप से 3,95,000 घनफीट बालू जब्त किया गया है। बुढ़मू अंचल से 2,00,000 घन फीट, बुंडू अंचल से 1,50,000 घनफीट एवं नगड़ी अंचल से 45,000 घनफीट अवैध भंडारित बालू जब्त किया गया। उपायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि उक्त बालू का संबंधित अंचलाधिकारी की देखरेख में नियमानुसार यथाशीघ्र नीलामी की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश

बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा जिलान्तर्गत चिन्हित कैटेगरी क्क बालूघाटों के बाबत ग्राम सभा से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की समीक्षा भी की गयी। उपायुक्त द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी, बुंडू, तमाड़, सोनाहातु, सिल्ली, राहे एवं खलारी यथाशीघ्र प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया।

निबंधित खनिज विक्रेता से बालू लें

वर्तमान में जिलान्तर्गत झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड द्वारा कोई भी बालूघाटों के संचालित नहीं होने की स्थिति में उपायुक्त ने निर्माण कार्य के लिए बालू की आपूर्ति यथासंभव सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी ली। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि जिलान्तर्गत बालू लघु खनिज के 22 खनिज विक्रेताओं का निबंधन स्वीकृत है। उक्त खनिज विक्रेता से बालू लघु खनिज की आपूर्ति प्राप्त की जा सकती है।
परमिट अनुमोदन की कार्रवाई करें
जिन निबंधनधारियों द्वारा अब तक बिहार एवं बंगाल से बालू खनिज की आपूर्ति कर भंडार किया गया है, उसकी जांच के बाद परमिट अनुमोदन की कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश उपायुक्त ने दिया। उन्होंने भविष्य में पड़ोसी राज्यों से बालू खनिज की आपूर्ति वैध परिवहन चालान, जीपीएस रिकोर्ड एवं टोल प्लाजा के स्लिप के साथ प्राप्त होने पर परमिट अनुमोदन की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

पूर्णत: रोक सुनिश्चित करने का निर्देश

उपायुक्त ने बालू खनिज के अवैध खनन, भंडारण, परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं बुंडू को निर्देश दिया कि जिला के सभी अंचलाधिकारी एवं संबंधित थाना प्रभारी के सहयोग से विशेष अभियान चलाकर अंचलों में अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर पूर्णतः रोक सुनिश्चित करें। जिलान्तर्गत विभिन्न विभागों से अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध प्राप्त शिकायत पत्रों एवं विभिन्न मीडिया में अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध प्रकाशित समाचार के बाबत जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र सघन छापेमारी अभियान चलाते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया।

संघ ने झारखंड के शिक्षकों को भी एमएसीपी का लाभ देने की मांग की

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ ने प्रोन्नति से वंचित प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ देने की मांग की है। इसे लेकर संघ ने मुख्यमंत्री सहित शिक्षा सचिव, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक को ज्ञापन सौंपा है।
संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने कहा कि जटिल एवं अस्पष्ट प्रोन्नति नियमावली के कारण झारखंड में वर्षों से कार्यरत प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों की प्रोन्नति अब तक लंबित है। इससे शिक्षक अपने मौलिक पद से बिना कोई अतिरिक्त लाभ या प्रोन्नति मिले ही सेवानिवृत्त होते जा रहे हैं। राज्य के सभी संवर्ग के शिक्षकों के मानसिक अवसाद से ग्रसित होने का एक बड़ा कारण यह भी है। ऐसी परिस्थिति में सभी संवर्ग के शिक्षकों को राज्य के अन्य कर्मियों की तरह एमएसीपी का लाभ दिया जाना बेहतर होगा।
संघ ने कहा कि विभागीय पत्रांक 2122, दिनांक 01/08/2022 से स्पष्ट है कि शिक्षक भी राज्य के कर्मी हैं। इसलिए उन्हें भी राज्य के अन्य कर्मियों की तरह इसका लाभ मिलना चाहिए। पूर्ववर्ती बिहार के शिक्षकों को अन्य राज्य कर्मियों के समान एमएसीपी का लाभ मिल रहा है। झारखंड में शिक्षकों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है, जबकि यहां कार्यरत लिपिकों को यह मिल रहा है।
राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याण विभाग के विद्यालय एवं नेतरहाट विद्यालय के शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ मिल रहा है। ऐसी दोहरी नीति का संघ ने विरोध किया। राज्य के तीनों संवर्ग के शिक्षकों को एमएसीपी देने की जल्द घोषणा करने की मांग की।
ज्ञापन सौंपने के दौरान झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद, प्रवक्ता शहजाद अनवर, मो. फखरुद्दीन, मकसूद जफर हादी सहित अन्य मौजूद थे।

शानदार रहा एसबीयू का प्लेसमेंट

रांची : इस वर्ष भी सरला बिरला विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट रिकॉर्ड शानदार रहा है। अब तक विवि के विभिन्न संकायों के 318 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हो चुका है। यह प्रक्रिया अब भी जारी है।
प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से एसबीयू के विद्यार्थियों को देश की नामी-गिरामी कंपनियों में काम करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर हासिल होगा। इससे इन विद्यार्थियों के अभिभावकों में भी खुशी की लहर है।
विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग और प्लेसमेंट के डीन हरिबाबू शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष प्लेसमेंट में संस्थान के छात्र को अधिकतम 10.92 लाख रुपए प्रति वर्ष का पैकेज मिला। इस वर्ष का औसतन पैकेज चार लाख रुपए रहा है। इस बार संस्थान में रिकॉर्ड संख्या में देश विदेश की कंपनियों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया।

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने रक्षा राज्यमंत्री को किया सम्मानित

संवाददाता

रांची। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की रांची शाखा ने रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को सम्मा्नित किया। समारोह का आयोजन 29 जून को आईसीएआई भवन में आयोजित किया गया।

समारोह में इंस्टीट्यूट की रांची शाखा के चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बगला ने कहा कि काफी समय के बाद रांची के सांसद को केंद्र में रक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग का मंत्री बनाया गया है। यह ना केवल रांची, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। संजय सेठ के मंत्री बनने से राज्य की जनता के साथ-साथ हमारी भी अपेक्षा है कि झारखंड में औद्योगिकरण तेजी से होगा।
इस सम्मान समरोह में संजय सेठ ने कहा कि देश और राज्य में उद्योग एवं व्यावसायिक विकास में वित्त व वित्त से जुड़े कानूनों का विशेषज्ञ होने के कारण चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे रांची के लिए आज भी एक आम कार्यकर्ता हैं। उनकी कोशिश है कि वे हर जरूरतमंद तक सीधे पहुंचकर उनकी समस्याओं का निदान कर सकें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट के लिए सीए के पास किसी भी तरह का सुझाव हो तो वे वित्त मंत्री से उनकी सीधी मुलाकात करा सकते हैं।
इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए इंस्टीट्यूट की रांची शाखा के पूर्व अध्यक्ष सीए सुमित अग्रवाल ने रांची के प्रस्तावित स्मार्ट सिटी में लगभग 2 एकड़ जमीन दिलाने की मांग की, ताकि रांची में भी सीए कोर्स करने वालों को रांची शाखा हर तरह की सुविधा प्रदान कर सके। कार्यक्रम का संचालन सीए प्रभात कुमार ने किया।
समारोह में रांची शाखा के पूर्व अध्यक्ष सीए अविनाश दीवान, सीए राजेश श्रीवास्तव, सीए आरके गाड़ोदिया, सीए महेंद्र जैन, सीए जेपी शर्मा, सीए उदय जायसवाल, सीए पंकज मक्कड़, सीए प्रवीण सिन्हा, सीए सूर्य नारायण राजगरिया, सीए राजीव कमल बिद्दू, सीए रिंकू खेमका, सीए अंजना अग्रवाल, सीए निशा अग्रवाल, सीए विनय विभाकर, सीए राधेश्याम अग्रवाल और झारखंड चेंबर के पूर्व अध्यक्ष सीए रणजीत गाड़ोदिडिया सहित अन्य उपस्थित थे।

सेंटेविटा अस्पताल के रक्तदान शिविर में 80 यूनिट खून जमा

लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया गया

संवाददाता

रांची। सेंटेविटा अस्पताल ने नागरमल मोदी सेवा सदन ब्ल ड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन 29 जून को किया। इस शिविर का उद्देश्य रक्त की कमी को पूरा करना और जरूरतमंद मरीजों की मदद करना था। शिविर में 80 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ।
रक्त-दान की शुरूआत निदेशक अमित साहू के छोटे पुत्र आदित्त साहू ने की। उन्होंने कहा कि सफल रक्तदान शिविर का श्रेय उन सभी रक्तदाताओं को जाता है, जिन्होंने अपनी भागीदारी इस नेक कार्य में निभाई। उनके इस सराहनीय प्रयास से अनेकों जीवन बचाने में सहायता मिलेगी।
शिविर के आयोजन में अस्पताल कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी मेहनत और समर्पण से ही रक्तदान शिविर का सफलता पूर्वक आयोजन हुआ। सभी से समाज के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह करने के लिए रक्तनदान का आग्रह भी किया गया।

प्लेसमेंट में एसबीयू के छात्र को मिला 10.92 लाख तक का सालाना पैकेज

संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) का प्लेसमेंट रिकॉर्ड इस वर्ष भी शानदार रहा है। अब तक विवि के विभिन्न संकायों के 318 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हो चुका है। यह प्रक्रिया अब भी जारी है। प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से विश्वमविद्यालय के विद्यार्थियों को देश की नामी-गिरामी कंपनियों में काम करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर हासिल होगा।
विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग और प्लेसमेंट के डीन हरिबाबू शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष प्लेसमेंट में संस्थान के छात्र को अधिकतम 10.92 लाख रुपये प्रति वर्ष का पैकेज मिला। इस वर्ष का औसतन पैकेज चार लाख रुपये रहा है। इस बार संस्थान में रिकॉर्ड संख्या में देश विदेश की कंपनियों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया।
इस वर्ष टीसीएस, बिड़ला पेंट्स, श्याम स्टील,गोदरेज एंड बॉयस, एशियन पेंट्स, टीमकैन इंडिया, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस, बजाज एलियांज, आइसीआइसीआइ प्रूडेंशियल, एचडीएफसी बैंक, वोडाफोन आइडिया, श्री सीमेंट, इंडिया मार्ट, एवरेस्ट इंडस्ट्रीज, आदित्य बिरला सनलाइफ इत्यादि कंपनियों में विवि के विद्यार्थी अपनी जगह बनाने में सफल रहे।
इस अवसर पर विवि के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी है। संस्थान के छात्र-छात्राओं की सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने विवि के अकादमिक माहौल, अनुशासन और विद्यार्थियों की लगन और कड़ी मेहनत को इसका श्रेय दिया है।
विवि के प्रतिकुलाधिपति विजय कुमार दलान समेत डॉ. प्रदीप वर्मा ने विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

सेवानिवृत्त हुए 86 सीसीएल कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

संवाददाता

रांची। जून महीने में सीसीएल से 86 कर्मी सेवानिवृत्तफहुए। मुख्या लय से 6 कर्मी रिटायर हुए। इन्हें मुख्यासलय सहित क्षेत्रों में समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। सीसीएल मुख्यालय से महाप्रबंधक (उत्खनन) मनोज कुमार प्रसाद, महाप्रबंधक (सामाजिक सुरक्षा) उदित प्रताप नारायण, मुख्य प्रबंधक (वित्त) विनय कांत सिन्हा, कार्यालय अधीक्षक (ए-1) प्रदीप निरल टोप्पो, मेट्रोन (ए-1) श्रीमती जूनिका परपिया, वरीय लिपिक प्रेम सिंह रिटायर हुए।
सीसीएल की ओर से 'सम्मान सह विदाई समारोह' का आयोजन कर सभी को विदाई दी गई। इस अवसर पर महाप्रबंधक (अधिकारी स्थापना) संजय कुमार ठाकुर ने सभी सेवानिवृत्त हुए कर्मियों को शॉल, श्रीफल, पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, सर्विस सर्टिफिकेट आदि प्रदान कर सम्मानित किया। श्री ठाकुर ने सेवानिवृत हुए कर्मियों से कहा कि सभी अपनी सेहत का विशेष ख्या ल रखें, ताकि वे दूसरे पर निर्भर नहीं रहें।
इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के कायार्नुभवों पर एक शॉर्ट फिल्म (वीडियो क्लिप) प्रदर्शित भी किया गया। इसके माध्यम से सेवानिवृत हुए कर्मियों ने अपने संपूर्ण सेवाकाल के यादगार लम्हों को सभी से साझा किया।
कार्यक्रम का संचालन, स्वागत एवं धन्यवाद मुख्य प्रबंधक (कल्याण) श्रीमती केया मुखर्जी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्याण विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभागों का योगदान रहा।

1,41,559 वादों का हुआ निस्तारण व 45,91,70,121 रुपये का हुआ सेटलमेंट

संवाददाता

रांची : झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा, सुजित नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश तथा माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा, रांची के मार्गदर्शन में भूमि व राजस्व संबंधित विशेष लोक अदालत का आज संपन्न हो गया। भूमि व राजस्व संबंधित विशेष लोक अदालत का उदघाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। उदघाटन समारोह में जेसी इंचार्ज, राजीव रंजन, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय एस. एस. फातमी, रांची जिला बार एसोसिएसन के सचिव संजय ब्रिदोही, अपर समाहर्त्ता, राम नारायण, अतिरिक्त प्रधान न्याधीश, कुटुम्ब न्यायालय, संजीता श्रीवास्तव, राजेश कुमार सिंह, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, चंदन, डालसा सचिव, कमलेश बेहरा, व्यवहार न्यायालय के सभी न्यायिक पदाधिकारी, मध्यस्थ, अधिवक्ता, कर्मचारी व पीएलवी मौके पर उपस्थित थे। विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए 13 बेंचों का गठन किया गया था। जिनमें दो बेंच न्यायिक दंडाधिकारियों व 11 बेंच कार्यपालक दंडाधिकारी के लिए बनाया गया था। यह विशेष लोक अदालत भूमि व राजस्व, भूमि अधिग्रहण, विस्थापन, मुआवजा व इससे संबंधित अन्य मामलों के त्वरित निस्पादन के लिए आयोजित की गयी थी। विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए प्री-लोक अदालत की बैठक दिनांक 24.06.2024 से शुरू होकर 28.06.2024 तक चला था। बैठक को लेकर तैयारी पहले से

चल रही थी। दिनांक 25.06.2024 को सभी अंचल कार्यालय एवं सीसीएल रांची में डालसा, रांची के द्वारा अधिक-से-अधिक वादों के निस्तारण के लिए कैंप भी लगाया गया था। ज्ञात हो कि भूमि व राजस्व संबंधित विशेष लोक अदालत में भूमि व राजस्व से संबंधित कुल 141559 वादों का निस्तारण किया गया एवं 45,91,70,121 रुपए का सेटलमेंट भी किया गया।
अन्य मामलों को छोड़कर मुख्य मामले दाखिल खारिज से संबंधित कुल 23499 मामलों का निस्पादन इस विशेष लोक अदालत में हुआ है। भूमि अधिग्रहण से संबंधित 53 मामलों का निस्पादन किया गया, जिसमें क्षतिपूर्ति की राशि 8,19,82,302 लाभूकों के बीच वितरित की गयी। कोल बियरिंग से संबंधित 15 वादों में करीब 90 लाभुकों के बीच 2,55,95,680 रुपए का चेक का वितरण भी किया गया। सी.आर.पी.सी की धारा 107, 144, 145, 147 से संबंधित 1032 वादों को निस्पादन भी इस विशेष लोक अदालत में किया गया, साथ ही एसएआर एवं परमिशन वादों में कुल 515 वादों का निस्पादन हुआ। इसके अलावा सर्टिफिकेट वादों में 14 वादों का निस्पादन किया गया।

2500 भक्तों ने लिया श्री चैती दुर्गा मंदिर का प्रसाद

रांची : भुताहा तालाब के श्री चैती दुर्गा मंदिर में पिछले कई वर्षों से शनिवार को भंडारा का आयोजन किया जा रहा है।आज दिनांक 28.06.2024 दिन शनिवार को श्री चैती दुर्गा मंदिर,भुताहा तालाब में प्रत्येक शनिवार की भांति इस शनिवार को भी भोग वितरण किया गया। 2500 से ज्यदा भक्तजनों ने भंडारे का महाप्रसाद प्राप्त किया और भुताहा तालाब में लंबी-लंबी कतारें लगी थीं।मंदिर के पुजारी सुभाष चन्द्र मिश्रा जी के द्वारा भोग लगाया गया तथा मंदिर परिसर में जुटे भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया।विशाल कृष्णा जी के द्वारा भंडारा में चावल,दाल, टेल दिया गया और साथ ही महासमिति के अध्यक्ष शंकर दुबे जी के द्वारा मसाला, सब्जी दिए गए और भंडारा में खिचड़ी,अचार, चिप्स आदि का वितरण किया गया।

संक्षिप्त

दो जलमीनार को बिना चालू किये योजना हुई फाइनल

महुआडांड़/लातेहार :महुआडांड़ प्रखंड के गड़बूढ़नी पंचायत के चुटिया गांव में लगे दो जलमीनार को चालू किये बगैर संवेदक बोर्ड लगाकर योजना फाइनल कर चला गया। इससे ग्रामीण ठगा महसूस कर रहें है। कृष्णा यादव के घर स्थित लगे जलमीनार के बारे में ग्रामीणों ने बताया कि संवेदक को पांच साल तक मेंटेनेंस का कार्य करना है। लेकिन सही से योजना पूर्ण भी नहीं किया गया हैं। लोगों को नल से एक बार पानी भी नहीं मिला है। पानी की समस्या को देखते हुए मेरे घर और जखरियस नगेसिया के घर के पास के जलमीनार में बोरिंग को गांव में चंदा करके बनाया गया है।

चुनाव लड़नेवाले प्रत्याशियों के लेखा व्यय की जांच आज

लातेहार : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार लोकसभा चुनाव 2024 परिणाम के 26वें दिन एकाउंट रेकांशलिशन मीटिंग का आयोजन किया जाएगा।इसी क्रम में चतरा समाहरणालय के सभाकक्ष में रविवार 30 जून को पूर्वाह्न 11 बजे चतरा लोकसभा चुनाव 2024 में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों का लेखा व्यय का जांच किया जायेगा। इस लेखा व्यय जांच में शामिल होने को लेकर चतरा के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने चतरा लोक सभा क्षेत्र से चुनाव में भाग ले चुके सभी 22 प्रत्याशियों से बैठक में शामिल होने को लेकर अनुरोध किया है।

प्रशांत चंद्र महालनोबिस की चित्र पर माल्यार्पण कर मनाया गया सांख्यिकी दिवस

लातेहार: समाहरणालय परिसर स्थित सांख्यिकी कार्यालय में शनिवार को प्रशांत चंद्र महालनोबिस के जन्म दिन के शुभ अवसर पर सांख्यिकी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रशांत चंद्र महालनोबिस के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला सांख्यिकी पदाधिकारी मंगल किशोर उरांव, सहायक धर्मेन्द्र कुमार सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

वज्रपात से पिता और दो पुत्र घायल

बरवाडीह/लातेहार : बरवाडीह थाना क्षेत्र के अखरा के ढेका सेमर टोला निवासी नानहु भुईया के घर पर शनिवार को बज्रपात होने से नान्हू भुईया, पुत्र दिवाली कुमार और सुरेश भुईया घंटो बेहोस रहे बाद होश आया। वही घर मे बांधे एक बकरी को मौत हो गई, और बज्रपात होने के करण घर क्षति ग्रस्त हो गया। भुक्तभोगी नानहु भुईया ने बरवाडीह अंचला धिकारी मनोज कुमार से क्षतिपूर्ति की मांग की है।

मरीजों और जनप्रतिनिधि के साथ दुर्व्यवहार को लेकर धरना

हजारीबाग : शेख बिहारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल हजारीबाग में मरीजों के साथ दुर्व्यवहार और वसूली के शिकायत की सूचना बरही के विधायक उमाशंकर अकेला यादव को मिलने के बाद जब अस्पताल प्रशासन से इस विषय पर मिले तो अस्पताल प्रशासन का रवैया टालमटोल और विधायक के साथ उपस्थित डॉक्टर ने दुर्व्यवहार किया और मरीजों के साथ संतोषजनक इलाज नही करने के विरोध में विधायक और हजारीबाग सदर अस्पताल ट्रामा सेंटर के सामने जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव, यादव, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, आशीष सहाय, अमृतेश रंजन, मनोज रजक बरही प्रमुख, बाबर अंसारी, सैयद असरफ के उपस्थिति में खराब स्वास्थ्य व्यवस्था के विरोध में और डॉक्टर के अनुपस्थिति को लेकर और अनिश्चितकालीन धरना दिया जा रहा है ।

करंट लगने से 03 गायों की मौत

महुआडांड़/लातेहार :महुआडांड़ में करंट लगने से 3 गाय की मौत हो गई। यह मामला महुआडांड़ प्रखंड क्षेत्र के दुरूप पंचायत अंतर्गत पोटमाडीह गांव की है ।ग्रामीणों ने बताया कि जमीन में बिजली की तार गिरी हुई थी और तार की चपेट में आने से पोटमाडीह ग्रामीण बेनोरिका गिद्ध, जकरियस कुजुर, अलारूस गिद्ध की एक एक गाय की मौत हो गई।

कोताही बरतने वाले कर्मियों व अधिकारियों पर कार्रवाई करने का निर्देश

संवाददाता

देवघर : उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी श्री विशाल सागर की अध्यक्षता में जिला अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं के तहत चल रहे कार्यों एवं आधारभूत संरचनाओं की स्थिति की समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने विभिन्न संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं हेतु किये जाने वाले कार्यों की बिन्दुआर समीक्षा करते हुए आधारभूत संरचनाओं के निर्माण को लेकर भू-हस्तांरण के कार्यों में हो रही देरी पर रोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने विभिन्न अंचलों में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए कार्य में लापरवाही व कोताही बरतने वाले कर्मियों व अधिकारियों पर

आवश्यक विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश दिया।
इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त श्री विशाल सागर ने अंचलवार तरीके से जल जीवन मिशन, गव्य गोकूल ग्राम विकास केन्द्र, नये बनने वाले आंगनबाड़ी केन्द्र, मारगोमुण्डा प्रखण्ड अन्तर्गत इंडोर स्टेडियम, धनवंत्री आयुष अस्पताल, सदर अस्पताल स्थित 50 बेड क्रिटिकल, के चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए तय समय अनुसार करने का निदेश संबंधित विभाग के अधिकारियों व कार्यपालक अभियंता को दिया गया। आगे उपायुक्त ने विभिन्न योजनाओं के तहत जमीन की अनउपलब्धता पर रोष प्रकट करते हुए संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया कि वैसे सभी योजनाओं की सूची तैयार करें जिनको अब तक अंचलों द्वारा भूमि उपलब्ध नहीं कराया गया है। साथ ही जिन योजनाओं हेतु जमीन उपलब्ध करा दिया है उन योजनाओं का प्रगति प्रतिवेदन तैयार करते हुए उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करने का निदेश दिया गया, ताकि धीमी गति से चल रहे कार्यों को गति दी जा सके। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने संबंधित अंचलाधिकारी को निदेशित करते हुए कहा कि प्राथमिकता आधारभूत संरचना से जुड़े हुए विभिन्न मामलों में जल्द से जल्द योग्य भूमि का चयन कर उसकी लिखित सूची जिला में संबंधित कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि जिला स्तर से उपरोक्त जमीन पर उचित कार्रवाई की जा सके। साथ ही उपायुक्त ने पथ प्रमण्डल, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, एनआरईपी एवं ग्रामीण कार्य विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा जिला, प्रखण्ड व पंचायत स्तर पर संचालित विभिन्न योजनाओं को तय समय अनुसार पूर्ण करने का निदेश संबंधित कार्यपालक अभियंताओं को दिया।
इस दौरान उपरोक्त के अलावे उप विकास आयुक्त श्री नवीन कुमार, सिविल सर्जन डा0 रंजन सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्री विभूति मंडल, जिला कल्याण पदाधिकारी श्री दयानन्द दूबे, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती सुधा सिन्हा, जिला योजना पदाधिकारी श्री मुकेश कुमार, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता एनआरईपी एवं ग्रामीण कार्य विभाग, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग सभी अंचलों के अंचलाधिकारी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी श्री रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

समस्याएं सुनते ही कोसों दूर भागते हैं पलामू के जन प्रतिनिधि : श्याम नारायण

संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू कचहरी परिसर स्थित कॉफी हाउस कैंटीन में लोक विचार मंच के तत्वावधान में एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता नन्द किशोर पाठक ने किया उक्त सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि कांग्रेस पार्टी शिक्षा विभाग के स्टेट चेयरमैन वरिष्ठ नेता श्याम नारायण सिंह ने कहा कि डाल्टनगंज नगर निगम सहित पूरे पलामू में पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है श्री सिंह ने इस गम्भीर समस्या के लिए पलामू के तमाम जन प्रतिनिधियों को जिम्मेवार माना है। श्री सिंह ने कहा जन प्रतिनिधि जनता के अति आवश्यक कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है जनप्रतिनिधियों का अधिकांश समय निजी विकास करने में लगाए रखते हैं, श्री सिंह ने

नगर निगम की व्यवस्था पर गम्भीर सवाल खड़ा करते हुए कहा की नगर निगम लोगों से मजबूती से टैक्स तो वसूली करता है परन्तु पीने का पानी का आज तक समुचित व्यवस्था ना कर पाना इनके नाकामियों को दशार्ता है। झारखंड के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष की सराहना करते हुए श्री सिंह ने कहा की श्री इंदर सिंह नामधारी जी ने डाल्टनगंज के लोगों को पेयजल संकट से उबारने के लिए गंभीर प्रयत्न करके कुछ हद तक पेयजल संकट से निजात दिलाने का काम किया था परन्तु नगर निगम बनने के बाद इस ओर जन प्रतिनिधियों द्वारा किसी प्रकार का प्रयास नहीं किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है श्री सिंह ने ऐसे गंभीर विषय पर चरणबद्ध आंदोलन चलाने पर बल दिया ताकि इस समस्या का निदान निकाला जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित सहकारिता आंदोलन के नेता शिव कुमार सिंह ने कहा की जल के बिना किसी का भी जीवन बेकार है इस लिए जल संचय के लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा सेमिनार में जेएमएम के वरिष्ठ नेता सुनील तिवारी ने अपने अमेरिका दौरे का जिक्र करते हुए कहा की रेन हार्वेस्टिंग के जरिए जल संचय करने की आवश्यकता है। इप्टा के रंगकर्मी प्रेम प्रकाश ने की पानी और पेयजल की गम्भीर समस्या के निवारण के लिए आम जनता को आगे आना होगा। सेमिनार का मंच संचालन गणेश रवि ने किया मौके पर इप्टा जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, अवधेश सिंह, कृष्णा पासवान, ददई सिंह, रामनरेश तिवारी, विनोद दूबे, रामजी सिंह, पृथ्वी पाण्डेय, मालती सिंह, आदि मौजूद थे।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी पलामू की सिंचाई परियोजना

संवाददाता

मेदिनीनगर : भारतीय जनता पार्टी पलामू के जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कहां की बद इंतजामी लाल फीताशाही एवं भ्रस्टाचार की भेंट चढ़ी पलामू कि सिंचाई परियोजना रख रखाव एवं मेंटेनेंस के अभाव में पलामू की सारी सिंचाई परियोजना दम तोड़ रही है पलामू के किसान लगातार अकाल एवं सुखा से परेशान हो रहे हैं उनकी आर्थिक हालात बद से बदतर होती जा रही है लेकिन सरकार इस दिशा में कोई सार्थक प्रयास नहीं कर रही है इसके साथ ही साथ समय पर ना खाद्य बीज झारखंड सरकार किसानों को उपलब्ध करा रही है न ही उनके द्वारा उत्पादित अनाज को सरकार खरीद रही है उचित समय पर राशि का भुगतान नहीं हो रहा है जिसका नाजायज फायदा बिचोलिये उठा रहे हैं केंद्र की योजना किसान सम्मन निधि से हजारों किसानों को जानबूझकर वंचित किया जा रहा है प्रशासनिक पदाधिकारी बिना कारण बताएं सैकड़ो किसानों के खाता को बंद कर रहे हैं जिससे कि इसके लाभ से किसानो को वंचित किया जा रहा है पलामू में बने सैकड़ो सीरियल चेक डैम लिफ्ट इरीगेशन भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ चुके हैं उससे किसानों को सिंचाई का लाभ नहीं मिल रहा है जानकारी लेने पर विभाग यह बताने की स्थिति में नहीं है की सीरियल चेक डैम से लिफ्ट इरीगेशन से कितना जमीन का सिंचाई हो रहा है और कितना जमीन का सिंचाई होना था ठेकेदार और विभाग के इंजीनियरों से घालमेल के कारण सारी योजनाओं का निर्माण नहीं बल्कि लुट हो रहा है सिंचाई योजनाओं को जानबूझकर लटकाया जा रहा है। राज्य सरकार के द्वार खाद्य बीज का वितरण सरकार समय पर नहीं कर पा रही है जिससे कि सरकार की इस योजना से किसान लाभ से वंचित हो जा रहे हैं इन सारी बातों को लेकर किसान और मजदूरों में व्यापक व्यापक आक्रोश है इन व्यवस्थाओं के कारण किसान जहां खेती नहीं कर पा रहे हैं वही खेतीहर मजदूर बेरोजगारी की स्थिति में दूसरे राज्यों में पलायन करने पर मजबूर हो रहे है अभी खेती के समय में भी हर दिन राज्य से बाहर जाने वाले ट्रेनों में खेतिहर मजदूरों का भारी भीड़ देखने को मिल रहा है खेतिहर मजदूर इन अवस्थाओं के कारण रोजगार के अभाव में दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं ।

घंटे भर की बारिश में कोडरमा नगर पंचायत की व्यवस्था की पोल खुली : आरके बसंत

संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा बाजार सूचना अधिकार मंच सचिव आरके बसंत ने नगर पंचायत कोडरमा द्वारा नाली निर्माण में की गई अनियमितता पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि पहली एक घंटे की वारिश में पंजाब होटल से स्टेट बैंक तक तालाब का नजारा उत्पन्न हो गया है। पंजाब होटल के सामने नाली न बनाने के कारण पास के घर वाले सारा कूड़ा कचरा नाली में डालते हैं जिसके कारण पानी का निकास बंद हो जाता है और सड़क पर पानी भर जाता है जिससे राहगीरों के साथ ही टू व्हीलर एवं बड़ी गाड़ियों को परेशानी हो रही है। यही नहीं पानी का सही तरीके से निकास न होने से घरों में पानी प्रवेश कर जा रहा है। नगर पंचायत के पदाधिकारियों द्वारा इन कमियों पर ध्यान न देकर सिर्फ होल्डिंग टैक्स और ट्रेड लाइसेंस बनवाने के लिए डराने धमकाने के साथ ही दूकान सील करने की कार्रवाई कर रहे हैं, वहीं जन प्रतिनिधि भी यहां की समस्याओं पर चुप्पी साधे हुए हैं।

यू-15 बालक वर्ग में दुमका प्रखण्ड की टीम ने जीता खिताब

फाइनल मुकाबले में काठीकुंड को 5-0 से दी कड़ी शिकस्त

संवाददाता

दुमका : 28 से 30 जून तक दुमका के कमारदुधानी स्थित आउटडोर स्टेडियम में चल रहे अंतर जिला सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत 15 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में दुमका प्रखण्ड ने काठीकुंड प्रखण्ड को05-00 से रौंद कर सुब्रत मुखर्जी अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता वर्ष 2024 का खिताब अपने नाम कर लिया। पहले हाफ में मोतीलाल सोरेन के दो गोल की बदौलत दुमका प्रखंड की टीम ने शुरू से ही दबदबक कायम कर लिया था। दूसरे हाफ में कर्नल किस्कू ने 2 तथा नॉरेन सोरेन ने 1 गोल काठीकुंड प्रखण्ड की टीम को खेल में वापस आने

का कोई मौका नहीं दिया। 1 -4 जुलाई तक आयोजित होने वाले प्रमंडल स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता में दुमका प्रखंड की टीम जिला स्तर पर दुमका जिला का प्रतिनिधित्व करेगी। इससे पूर्व दुमका दुमका ने शिकारीपाड़ा को 04-00 तथा जामा को भी 04-00 से शिकस्त देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। जबकि काठीकुंड ने रानेश्वर को 01-00 तथा जरमुंडी को 03-00 से परास्त कर फाइनल में जगह बनायी था। विजेता और उपविजेताओं को झारखंड शिक्षा परियोजना के एडीपीओ सुमंत कुमार तथा एपीओ श्याम सुंदर मोदक ने कप तथा मेडल देकर सम्मानित किया। अवसर पर झारखंड शिक्षा परियोजना के क्षेत्र प्रबंधक सूरज पांडे भी मौजूद थे।

पानी की किल्लत से शोकाकुल परिवार परेशान, मदद को आगे आये मुखिया

संवाददाता

बरही : इन दिनों पानी की किल्लत दिन पर दिन गहराता जा रहा है। आलम यह है कि किसी व्यक्ति के मृत्यु के बाद होने वाले श्राद्ध कार्यक्रम को लेकर नदी घाट पर भी पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे लोग परेशान हो रहे है। स्थानीय जनप्रतिनिधि पंचायत के मुखिया से जो कुछ संभव हो पा रहा है, वे लगातार पंचायत वासियों को मदद करने का कार्य कर रहे है। विदित हो कि आज से दस दिन पूर्व बरही प्रखंड के बरही पश्चिमी पंचायत के मल्लाह टोली निवासी राजेंद्र निषाद उर्फ छोटू निषाद का बीमारी के कारण निधन हो जाता है। शनिवार को उनका दशकर्म श्राद्ध कार्य होना था, लेकिन घर तो दूर नदी घाट में भी पानी का एक बूंद नहीं रहने से शोकाकुल परिवार व ग्रामवासी चिंतित हो गए और मदद की गुहार स्थानीय मुखिया शमशेर आलम से लगाई।
मुखिया ने सूचना मिलते ही एक टैंकर पानी शोकाकुल परिवार व एक टैंकर पानी नदी घाट पर पहुंचवाया। जिससे श्राद्ध कार्य में शामिल महिला पुरुष नदी पर टैंकर के पानी से स्नान कर श्राद्ध कार्य का नियम पूर्ण किए। इस दौरान मुखिया शमशेर आलम के मुखिया प्रतिनिधि टिंकू आलम मौजूद रहे। मुखिया शमशेर आलम ने बताया की पंचायत में पानी की समस्या गहराता जा रहा है, फिर भी उनसे जो सहयोग हो पा रहा है, वह अपने पंचायत वासियों के लिए करने को सदैव तत्पर है।

190 मरीजों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, उपचार

संवाददाता

हजारीबाग : श्रीनिवास अस्पताल एवं हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल ने एनटीपीसी चट्टी बरियातु के साथ मिलकर केरेडारी स्थित चट्टी बरियातु पंचायत भवन में दिन शनिवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। निःशुल्क दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण एवं रक्त परीक्षण के साथ-साथ टूथ ब्रश, टूथ पेस्ट एवं दवा वितरण भी किया गया। शिविर का लाभ कुल 190 मरीजों ने उठाया। डॉक्टरों द्वारा मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम

का संचालन किया गया। सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग के डॉ. निशाद गवली और डॉ. सोम्या राज ने विभिन्न बीमारियों और उनके उपचार पर आवश्यक सलाह दी। मौके पर सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि शिविर का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचाना ही मेरा लक्ष्य है। शिविर में जरूरतमंदों का बुनियादी उपचार बिलकुल मुफ्त है। उन्होंने कहा कि शिविर का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंच रहा है। बुनियादी उपचार जरूरतमंद लाभान्वित हो रहें हैं। शिविर का आयोजन हजारीबाग डेंटल कॉलेज की प्रशिक्षु स्वेता द्वारा किया गया। प्रशिक्षु डॉ. कौशिक, डॉ. नसरीन, डॉ. आकिब, डॉ. सोनाली, डॉ. रंजना, डॉ. शिवांगी एवं डॉ. कृष्णा के अलावे साथ-साथ विभागीय कर्मचारियों के रूप में राजकुमार दास और पुष्पा कुमारी ने अपनी बहुमूल्य सेवाएं दी।

वीर शहीद पीटर टोप्पो का शहादत दिवस मना

सीआरपीएफ के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने किया माल्यार्पण

संवाददाता

गुमला। चैनपुर में वीर शहीद पीटर टोप्पो की शहादत दिवस 29 जून को मनाई गई। इस अवसर पर चैनपुर मुख्यालय के चर्च रोड स्थित वीर शहीद पीटर तिग्गा की प्रतिमा पर सीआरपीएफ के पदाधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बारी- बारी से उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सलामी दी। मौके पर शहीद के परिजन भी उपस्थित थे। सीआरपीएफ 218 बटालियन के डीसी आलोक कुमार ने बताया कि पीटर टोप्पो सीआरपीएफ बटालियन पंजाब में पोस्टेड थे।

इनकी बटालियन 29 जून, 1989 को आतंकवादी गतिविधियों को लेकर नाकाबंदी में लगी हुई थी। हवलदार पीटर टोप्पो ने सामने से आ रही गाड़ी को रोकने का इशारा किया, लेकिन गाड़ी में सवार आतंकवादी पीटर टोप्पो पर गोली चलाते हुए भाग निकले। इस हमले में हवलदार पीटर टोप्पो वीरगति को प्राप्त हो गए।
इसी कारण 29 जून को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उनकी शहादत दिवस मनाई जा रही है। सीआरपीएफ 218 बटालियन द्वारा उनके पुत्र अंजलुस टोप्पो बहू दिव्या टोप्पो को अंगवस्त्र एवं उनकी प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। मौके पर चैनपुर थाना प्रभारी अजय यादव, चैनपुर मुखिया शोभा देवी सहित सीआरपीएफ के जवान एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

अवैध उत्खनन भंडारण एवं परिवहन को लेकर छापेमारी

- अवैध बालू ले जाता ट्रैक्टर जब्त किया
- ओवरलोड चिप्स ले जाता ट्रक पकड़ाया

संवाददाता

पलामू। अवैध उत्खनन भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम को लेकर उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश के आलोक में पूरे जिले में छापेमारी की जा रही है। छापेमारी के दौरान पिपरा से सीओ परितोष प्रियदर्शी के नेतृत्व में ओवरलोड चिप्स ले

जाते ट्रक को पकड़ा गया। चैनपुर एवं नौडीहा में अवैध बालू ले जाते दो ट्रैक्टर को जब्तक किया गया। डीएमओ आनंद कुमार ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर जिले भर में अवैध उत्खनन भंडारण एवं परिवहन को लेकर छापामारी जारी है।
डीएमओ ने बताया कि पिपरा अंचल अधिकारी परितोष प्रियदर्शी द्वारा ट्रक (BR-02-GB-4776) को ओवरलोड चिप्स ले जाते पकड़ा गया। नौडीहा बाजार थाना प्रभारी एवं चैनपुर थाना प्रभारी द्वारा छापेमारी कर अवैध रूप से बालू परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर समेत सौ-सौ सीएफटी बालू को जब्त किया गया। कार्रवाई को लेकर खनन विभाग भेजा गया। विभाग द्वारा जांच के बाद ट्रैक्टर एवं ट्रक मालिकों पर कार्रवाई की जाएगी।
डीएमओ आनंद कुमार ने कहा है कि जिले में किसी भी कीमत पर अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण नहीं होने दिया जाएगा। जिले में अवैध खनन भंडारण एवं परिवहन को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है। अवैध कारोबारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त

चोरी की स्कूटी के साथ एक गिरफ्तार

जमशेदपुर। परसुडीह थाना क्षेत्र के करनडीह से बीते दिनों एक स्कूटी की चोरी कर ली गई थी। पुलिस ने शनिवार को स्कूटी चोरी करने के मामले में झारखंड बस्ती निवासी राजा प्रसाद को गिरफ्तार किया है। राजा की निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर से पास से ही चोरी की स्कूटी बरामद की है। पुलिस ने शनिवार को आरोपी राजा को जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी फैज अकरम ने बताया कि 21 जून को करनडीह से खासमहल निवासी जसबीर सिंह की स्कूटी चोरी कर ली गई थी। जसबीर ने मामले की शिकायत थाने में की। शिकायत के बाद पुलिस जांच में जुटी और सीसीटीवी की मदद से चोर को ढूंढ़ निकाला। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी राजा पूर्व में भी दो बार चोरी के मामले में जेल जा चुका है। वह हाल ही में जेल से बाहर आया था, जिसके बाद फिर से चोरी करने लगा। फिलहाल आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

प्रखंडस्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

जमशेदपुर। शिक्षा विभाग की ओर से जगदीश चंद्र उच्च विद्यालय परिसर के मैदान में शनिवार को प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पूरे प्रखंड से कुल 24 टीमें शामिल हुईं हैं। प्रतियोगिता में तीन ग्रुप है। इसमें अंडर 15 में बालक ग्रुप तथा अंडर 17 ग्रुप में बालक एवं बालिका की टीम को शामिल किया गया है। इस संबंध में शिक्षक मोहम्मद साजिद ने बताया कि फुटबॉल प्रतियोगिता के तीनों ग्रुप से विजयी प्रतिभागियों को जिला स्तरीय टीम में शामिल किया जाएगा। प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए उत्पल चक्रवर्ती, डॉक्टर कमर अली, सहित अन्य शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

पुजारी के घर लाखों की हुई चोरी

जमशेदपुर। शहर में आए दिन चोरी के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। पुलिस भी इन घटनाओं का उद्भेदन नहीं कर पा रही है जिससे लोगों का पुलिस से भरोसा उठता जा रहा है। ताजा मामला बिरसानगर थाना क्षेत्र का है जहां चोरों ने जोन नंबर छह स्थित बड़ा काली मंदिर के पुजारी स्वपन भट्टाचार्य के घर चोरी कर ली। चोर उनके घर पर छत के रास्ते प्रवेश कर गए और घर में रखे घर से नकद समेत गहनों की चोरी कर फरार हो गए। चोर इतने शातिर थे कि स्वपन के घर से मोबाइल चुराया पर उसे फ्लाइट मोड पर कर बालकोनी में फेंक दिया। वहीं छत पर नकली गहने भी फेंक कर चले गए। सुबह जब स्वपन की नींद खुली तो उन्होंने पाया कि घर में चोरी हो गई है। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। स्वपन ने बताया कि हर सुबह वह पांच बजे तक उठ जाते हैं पर आज उनकी नींद सुबह 7 बजे खुली।

डीपीएस बोकारो में मेधा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

सफलता बच्चों की लगन, समर्पण और अभिभावकों के त्याग का परिणाम : सीआरपीएफ डीआईजी

- विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

बोकारो। पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से विद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो में शनिवार को मेधा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में शैक्षिक सत्र 2023-24 के दौरान 10वीं एवं 12वीं के टॉपरों के साथ-साथ विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक पाने वाले तथा समूहवार खेलकूद, वाक-पटुता, पठन-दक्षता, लेखन, कला-संगीत, कंप्यूटर साइंस, पर्यावरण-मैत्री, क्विज, छायांकन, नृत्य, अनुशासन व अन्य क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ रहे कुल 144 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, उक्त सत्र के छात्र परिषद के हेड बॉय व हेड गर्ल को भी सम्मानित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सीआरपीएफ बोकारो रेंज के उप-महानिरीक्षक (परिचालन) ब्रजेश सिंह अपनी सहधर्मिणी मंजू सिंह के साथ उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री सिंह ने सम्मानित किए गए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता एक दिन का प्रयास नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सतत कठिन परिश्रम, समर्पण, उनकी लगन व निरंतरता तथा उनके अभिभावकों के त्याग का परिणाम है। यह प्रयास आगे भी जारी रहे, क्योंकि आनेवाले समय में अभी और चुनौतियां आएंगी, जिसे समझना होगा। उन्होंने उपलब्धियों के लिए डीपीएस बोकारो परिवार को बधाई देते हुए यहां आना अपने लिए गर्व का विषय बताया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने डीपीएस बोकारो की शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए मेधा सम्मान समारोह के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय हर बच्चे की प्रतिभा को निखारने के लिए कटिबद्ध है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ नवाचार व रचनात्मकता को बढ़ावा देकर भावी नेतृत्वकताओं का निर्माण यहां किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों से इसी प्रकार अपने लक्ष्य के प्रति लगनशील बने रहने तथा सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बनने का आह्वान किया।

मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बच्चों ने किया मंत्रमुग्ध

समारोह में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। वैदिक मंत्रोच्चार व दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद विद्यार्थियों ने अतिथियों के सम्मान में 'मंगल बेला हर्षित आई...' स्वागत गान के बाद विद्यालय गीत 'आया है नया सवेरा...' की सुमधुर प्रस्तुति दी। स्कूल की वाइस हेड गर्ल हिमानी सिंह ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। जबकि, स्वागत नृत्य में छात्र-छात्राओं ने भगवान विष्णु के दशावतार का सुंदर मंचन किया। वहीं, समारोह के अंतिम चरण में मानवीय मूल्यों को प्रतिबिंबित करती मनोहारी नृत्य-प्रस्तुति रिफ्लेक्शन से छात्राओं ने सबकी भरपूर सराहना बटोरी।

जमुना हाउस को सर्वश्रेष्ठ सम्मान

समारोह के दौरान चार अलग-अलग वर्गों में विद्यालय के सदनों को भी पुरस्कृत किया गया। सभी को मिलाकर जमुना सदन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। खेलकूद में चेनाब सदन को बेस्ट हाउस का अवार्ड मिला, तो शिक्षा और संस्कृति में जमुना हाउस को सबसे अच्छा घोषित किया गया। वहीं, बेस्ट हाउस के लिए जमुना को ही चुना गया और मुख्य अतिथि ने हाउस के वार्डन को आरएस लुगानी ट्रॉफी सुपुर्द की। मंच संचालन स्कूल के विद्यार्थी गौरव, अनुष्का, आरुष एवं मानसी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वाइस हेड बॉय सत्यम राज ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

बोकारो में अर्धनिर्मित मकान में मिला महिला का अधजला शव

बोकारो। जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत झोपड़ो गांव में मुख्य सड़क किनारे अर्धनिर्मित मकान में एक महिला का अधजला शव मिला। शव के देखने से यह प्रतीत हो रहा है कि हत्या कर शव को जलाने का प्रयास किया गया है। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि जांच-पड़ताल की जा रही है। आसपास के गांव के लोगों से शव की शिनाख्त कराई जाएगी।

उन्नति का पहिया योजना के तहत विधायक ने विद्यार्थियों में बांटीं साइकिलें

संवाददाता

गोमिया (बोकारो)। झारखंड सरकार के 'उन्नति का पहिया' साइकिल वितरण शिविर का आयोजन शनिवार को गोमिया प्रखंड मुख्यालय परिसर में किया गया।

वित्तीय वर्ष 2023- 24 में कक्षा 8 में अध्यरत विद्यार्थियों के बीच गोमिया प्रंखड मुख्यालय के परिसर में गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी, प्रमुख प्रमिला चौड़े, प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव कुमार महतो, जिला परिषद सदस्य डॉ. सुरेंद्र राज, पशुपालन विभाग चिकित्सक सुरेश प्रसाद की उपस्थिति में 128 साइकिलों का वितरण किया गया।कल्याण विभाग पदाधिकारी दोराए बुरु ने बताया कि सरकारी निशुल्क साइकिल का वितरण वित्तीय वर्ष 2023- 24 कक्षा 8 के उत्क्रमित विधालय सरहचिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमाटांड, उत्क्रमित मध्य विधालय डुमरी, ससबेड़ा मध्य विद्यालय के128 छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया और 1700 साइकिलों का अन्य विद्यालय के विद्यार्थियों को किया जाएगा। गौरतलब है कि अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों को कल्याण विभाग द्वारा और सामान्य वर्ग के बच्चों को शिक्षा विभाग द्वारा निःशुल्क साइकिल दी जाती है।

मौके पर मुखिया धनंजय सिंह, पिंटू, विधायक प्रतिनिधि विपिन कुमार, राज कुमार यादव, रोजगार सेवक विनय गुरु, युधिष्ठिर कुमार जैन, मंटू कुमार, सोनू, मालती देवी, सुधीर पांडेय, संदीप, छोटू, शिवचरण, उत्तम व विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं अविभावक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी गई विदाई

संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट से जून 2024 माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग के मेन ऑडिटोरियम में एक विदाई समारोह का आयोजन महाप्रबंधक (मानव संसाधन-सेवाएं) सोनी कुमारी के नेतृत्व में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महा प्रबंधक (सी एवं आईटी) आइ बंकिरा उपस्थित थे। समारोह के आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. नन्दा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से सम्बंधित जानकारी दी। प्रबंधक (मानव संसाधन) कल्पना ने प्रत्येक सेवानिवृत हो रहे कर्मी का बायोडाटा प्रस्तुत किया। मुख्य महाप्रबंधक (सी एवं आईटी) आइ. बंकिरा ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को उनकी निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जून 2024 में बीएसएल से कुल सात अधिशासी तथा 17 अनाधिशासी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ नन्दा प्रियदर्शिनी, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने किया।

जिला खनन टास्क फोर्स ने बालू लदे दो हाईवा को किया जब्त

संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने शनिवार अहले सुबह 4.30 बजे पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र में औचक जांच अभियान चलाया। नरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक ने बताया कि उपायुक्त के द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में आज सुबह लगभग 4:30 बजे पूर्वी टुण्डी थाना प्रभारी मदन चौधरी, गस्ती दल के स.अ.नि. नाथुनी ठाकुर एवं सशस्त्र बल के साथ संयुक्त रूप से खनिजों के अवैध खनन व परिवहन के विरूद्ध पूर्वी टुण्डी थाना अंतर्गत शंकरडीह चौक के समीप औचक रूप से छापामारी की गई। छापामारी के क्रम में दो बालू लदे हाईवा को बिना परिवहन चालान के परिवहन करते हुए पकड़ा गया। इसमें एक हाईवा यूपी 64 टी 1039 पर लगभग 500 घनफीट और दूसरे हाईवा, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर और इंजन व चेसिस नंबर घिसा हुआ है, पर लगभग 500 घनफीट बालू लदा हुआ पाया गया। वहीं वाहनों को पकड़ने के क्रम में मौके का फायदा उठाकर दोनों वाहनों के वाहन चालक वाहनों को छोड़कर फरार हो गए। जाँच के क्रम में उपरोक्त दोनों वाहनों पर बालु खनिज से संबंधित कोई भी वैध कागजात या परिवहन चालान (फॉर्म डी-) आदि नहीं पाया गया। इसके बाद दोनों वाहनों को खनिज के साथ विधिवत जब्त कर पूर्वी टुंडी थाना परिसर में सूरक्षार्थ रखकर दोनों वाहनों पर पूर्वी टुण्डी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पेयजल आपूर्ति योजना को लेकर मुखियाओं ने की बैठक

घाटशिला। पेयजल आपूर्ति योजना को लेकर शनिवार को पावड़ा, घाटशिला एवं गोपालपुर पंचायत के मुखिया, जल सहिया एवं प्लंबर की बैठक पावड़ा पंचायत भवन परिसर में आयोजित की गई। बैठक के दौरान दहीगोड़ा स्थित जल मीनार तथा नदी किनारे बने इंटक वेल के जर्जर हो चुकी पाइप को तत्काल बदलने की जरूरत बताई गई। पाइप खराब रहने के कारण जलमीनार में पानी सही तरीके से चढ़ नहीं पा रहा है। इसके कारण तीनों पंचायतों के लोगों को समय पर पानी उपलब्ध नहीं हो पाता है। तीनों पंचायतों के मुखिया एवं जन सहिया ने प्लंबर के साथ स्थल का निरीक्षण कर तत्काल पाइप बदलने पर सहमति बनाई। ज्ञात हो कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से दाहीगोड़ा स्थित जलमीनार से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति योजना का संचालन तीनों पंचायतों के मुखिया की देखरेख में की जाती है। बैठक में मुख्य रूप से पावड़ा पंचायत की मुखिया पार्वती मुर्मू घाटशिला पंचायत के मुखिया प्रफुल्ल हांसदा एवं गोपालपुर पंचायत की मुखिया सांखी हांसदा, जल सहिया सोमा आदित्य, अनीता सीट, मीता मिश्रा सहित अन्य शामिल थे।

विशेष लोक अदालत में 1.66 अरब से अधिक की परिसंपत्तियों का वितरण

समुचित मुआवजा दिलाना हम लोगों का सामाजिक दायित्व और कर्तव्य : न्यायाधीश

संवाददाता

धनबाद। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से कोयला नगर स्थित भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के सामुदायिक भवन में एक दिवसीय भू अधिग्रहण, राजस्व संग्रहण, पुनर्वास से संबंधित मुकदमों के निपटारे के लिए शनिवार को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया।

विभिन्न तरह के विवादों का ऑन द स्पॉट निस्तारण कर एक अरब 66 करोड़ 34 लाख 63 हजार रुपए की परिसंपत्तियों व नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। वहीं एक लाख 63 हजार 441 विवादों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। इसके बाद नालसा का थीम सोंग हुआ। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा द्वारा स्वागत भाषण किया गया। मौके पर न्यायाधीश आनंद सेन ने संबोधित करते हुए कहा कि भू अधिग्रहण से संबंधित विवाद के मामले ज्यादा बढ़ते जाते हैं। इसलिए जल्द से जल्द उन्हें पुनर्वासित करने तथा उसे समुचित मुआवजा दिलाना हम लोगों का सामाजिक दायित्व और कर्तव्य है। विशेष लोक अदालत में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि मुआवजा का अर्थ केवल यह नहीं कि उन्हें रुपए का भुगतान कर दिया जाए बल्कि मुआवजा का अर्थ यह भी है कि सामाजिक सुरक्षा के तहत उनके परिवार के जीवन यापन और उन्हें रहने के लिए छत की व्यवस्था करना है। न्यायाधीश श्री नारायण ने उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं बीसीसीएल के सीएमडी से अनुरोध किया कि वे मुआवजा संबंधित विवादों का निस्तारण तीस दोनों के अंदर करें, ताकि लोगों को उसका समुचित लाभ मिल सके।

वहीं छह माह पूर्व टुंडी के एक युवक की मौत हाथी द्वारा कुचल देने के कारण हो गई थी। मृतक की पत्नी रेशोमुनी को वन विभाग से चार लाख रुपए मुआवजा का भुगतान कराया गया। वही बिजली के पोल में गाय के सट जाने और उसकी मौत हो जाने के मामले में गाय के मालिक मंटू यादव एवं अरविंद कुमार को बिजली विभाग से तीस - तीस हजार रुपए मुआवजा का भुगतान कराया गया।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण किए जाने के मामले में राजबल मुर्मू को 2 करोड़ 9 लाख 42 हजार 211 रूपए, जीतन मांझी को 5 लाख 54 हजार 843 रूपए तथा जिला प्रशासन द्वार अजय कुमार महतो को 2 लाख 51 हजार 547 रूपए, अर्जुन रवानी को 15 लाख 14 हजार 438 रूपए का भुगतान किया गया। विशेष लोक अदालत में न्यायाधीश द्वारा कुल 44 लोगों को ऑन स्पॉट नियुक्ति पत्र सौंपा गया। वहीं बीसीसीएल द्वारा 40 लोगों की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर की गई। टाटा द्वारा दो एवं रेलवे के द्वारा दो लोगों को नियुक्ति दी गई।

डीवीसी बोकारो थर्मल से नौ कर्मी हुए सेवानिवृत्त

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट के नौ कर्मचारी शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। इनमें चार्ज हैंड, दक्ष खलासी, संदेशवाहक, सहायक एवं मजदूर शामिल रहे। अवकाश प्राप्त करनेवालों में मो नसीमुद्दीन, प्यारी मुंडा, बाबूलाल मरांडी, मो जुम्मन, बुटो अंसारी, छबुआ तुरी, छेदी तुरी, परमेश्वर राम, महेश्वरी देवी शामिल हैं। सभी अवकाश प्राप्त कर्मियों को डीजीएम प्रशासन बीजी होलकर, हॉस्पिटल के डीजीएम हेल्थ डॉ संजय कुमार, प्रबंधक एचआर तारीक सईद, अंजू बोपाई ने पावर प्लांट स्थित तकनीकी भवन में समारोह आयोजित कर सभी को विदाई दी। मौके पर हिंदी अधिकारी रवि सिन्हा, शाहिद इकराम मौजूद थे।

मणिपुर और किसानों पर ज्यादती भूल गईं राष्ट्रपति

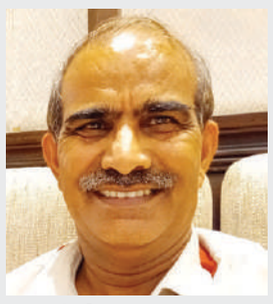

श्रीगोपाल नारसन

लोकसभा के पहले सत्र के दौरान जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण के दौरान आपातकाल का मुद्दा उठाया तो विपक्ष के सदस्य आक्रोशित हो गए। ऐसा उस समय भी हुआ था,जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कुर्सी संभालते ही अपने पहले भाषण में आपातकाल का मुद्दा उठाकर स्वयं विवाद को जन्म दे दिया।वही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जैसे ही आपातकाल का जिक्र किया, संसद में हंगामा मच गया।

राष्ट्रपति को 50 साल पहला आपातकाल तो याद रहा लेकिन मणिपुर और किसानों पर हुई ज्यादती ,चरम पर व्याप्त मंहगाई तथा रोजगार को तरस रहे युवाओं की पीड़ा अपने अभिभाषण में याद नही आई।अपने अभिभाषण के रूप में केंद्र की मोदी सरकार का महिमा मंडन तो हुआ ही ,साथ ही राजशाही का प्रतीक राजदण्ड का संसद में हुआ प्रदर्शन भी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को चिढ़ाता रहा।इन सब मुद्दों पर विपक्ष ने आवाज भी उठाई लेकिन सत्ता पक्ष वह सब करता रहा जिसमे उसे राजनीतिक फायदा नजर आ रहा था।

लोकसभा के पहले सत्र के दौरान जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण के दौरान आपातकाल का मुद्दा उठाया तो विपक्ष के सदस्य आक्रोशित हो गए। ऐसा उस समय भी हुआ था,जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कुर्सी संभालते ही अपने पहले भाषण में आपातकाल का मुद्दा उठाकर स्वयं विवाद को जन्म दे दिया।वही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जैसे ही आपातकाल का जिक्र किया, संसद में हंगामा मच गया। हर तरफ विपक्ष के हंगामे की आवाज गूंजने लगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आज 27 जून है, 25 जून 1975 को लागू हुआ आपातकाल,जो संविधान पर बड़े और सीधे हमले का काला अध्याय था।उस दौरान पूरे देश में हाहाकार मच गया था। लेकिन ऐसी असंवैधानिक ताकतों पर देश ने जीत हासिल करके दिखाई है क्यों कि भारत के मूल्य में गणतंत्र की परंपराएं रही हैं। राष्ट्रपति के ऐसा बोलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेज थपथपाकर उनकी इस बात का समर्थन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि दो साल तक देश में आपातकाल लागू रहा, इस दौरान लोगों के सभी अधिकार छीन लिए गए थे, उन्होंने कहा कि हम सभी संविधान की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। उनके इतना बोलते ही भड़के विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष का हंगामा तब भी हुआ था,जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल का जिक्र अपने भाषण में किया था । विपक्ष इतना भड़क गया कि मल्लिकार्जुन खरगे समेत अन्य नेताओं ने यहां तक कह दिया कि पिछले 10 सालों का मोदी सरकार का शासन अघोषित आपातकाल ही है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आज लोकतंत्र पर हमले किए जा रहे हैं,इसे लांछित करने वाले आरोप लगाए जा रहे हैं।उन्होंने ईवीएम की निष्पक्षता का भी मुद्दा उठाया और कहा कि ईवीएम जनता की कसौटी पर खरा उतरने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि कुछ दशक पहले तो मतदान के दौरान बैलेट पेपर ही लूट लिए जाते थे,इस तरह से राष्ट्रपति के अभिभाषण के जरिए सरकार ने विपक्ष को संविधान के मुद्दे पर घेरने की कोशिश की। विपक्ष ने सरकार पर संविधान को बदलने का गंभीर आरोप लगाया था ।राष्ट्रपति ने बताया कि कैसे केंद्र सरकार समाज के सभी लोगों के हितों को प्राथमिकता में रखकर काम कर रही है। अपने अभिभाषण की शुरूआत करने से पहले राष्ट्रपति ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई दी।उन्होंने हाल ही में लोकसभा चुनाव संपन्न कराने को लेकर निर्वाचन आयोग की भी तारीफ की,जिसकी निष्पक्षता पर विपक्ष उंगली उठाता रहा है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को लेकर कहा कि इस बार घाटी में दशकों का रिकॉर्ड टूटा है।काफी संख्या में लोगों ने वहां मतदान किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 18वीं लोकसभा में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में मोदी सरकार के अगले 5 वर्षों का विजन सामने रखा।राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड और वर्क प्लान ही कहा जा सकता है। राष्ट्रपति के जरिए संसद में रखे गए मोदी सरकार की कार्य योजना में महिलाओं, युवाओं, रक्षा, विदेश, खेती-किसानी के प्रति सरकार की सोच का संकेत मिलता है।उन्होंने अपने अभिभाषण में कहा कि आज का भारत, दुनिया की चुनौतियां बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है।विश्व-बंधु के तौर पर भारत ने अनेक वैश्विक समस्याओं के समाधान को लेकर पहल की है।जलवायु परिवर्तन से लेकर खाद्य सुरक्षा तक, पोषण से लेकर सस्टेनबल एग्रीकल्चर तक हम अनेक समाधान दे रहे हैं।हमारे मोटे अनाज श्री अन्न की पहुंच सुपरफूड के तौर पर दुनिया के कोने-कोने में हो, इसके लिए भी अभियान चल रहा है।भारत की पहल पर, पूरी दुनिया ने वर्ष 2023 में इंटरनेशनल मिलेट्स इयर मनाया है।आपने देखा है, हाल ही में पूरी दुनिया ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया है।भारत की इस महान परंपरा की प्रतिष्ठा विश्व में लगातार बढ़ रही है।योग और आयुष को बढ़ावा देकर भारत एक स्वस्थ विश्व के निर्माण में मदद कर रहा है।द्रौपदी मुर्मू ने स्पष्ट किया कि मेरी सरकार ने रिन्यूएबल एनर्जी की क्षमता भी कई गुना बढ़ाई है।हम जलवायु से जुड़े लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले प्राप्त करके दिखा रहे हैं।नेट जीरो के लिए आज भारत के प्रयास कई दूसरे देशों को प्रेरित कर रहे हैं।इंटरनेशनल सोलर अलायंस जैसी पहल पर आज रिकॉर्ड संख्या में दुनिया के देश हमारे साथ जुड़े हैं।उन्होंने भरोसा दिया कि भारत की विकास गति को तेज किया जाएगा। जिसके लिए आने वाले बजट में ऐतिहासिक कदम दिखेंगे। उन्होंने किसानों को ज्यादा से ज्यादा आत्मनिर्भर बनाने की बात भी कही।कुलमिलाकर राष्ट्रपति का अभिभाषण मोदी सरकार की कार्यशैली का प्रतिबिंब कहा जा सकता है।

संपादकीय

राहुल की दोहरी भूमिका

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 18वीं लोक सभा में विपक्ष के नेता हो गए हैं। वह करीब दो दशक से सक्रिय राजनीति में हैं। पहली बार उन्हें संवैधानिक पद की जिम्मेदारी संभालने का अवसर मिला है। राजनीति उन्हें विरासत में मिली है। वह आजादी की विरासत वाली राजनीतिक पार्टी कांग्रेस के अध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद संभाल चुके हैं, लेकिन 2019 के लोक सभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद उन्होंने इस पद को त्याग दिया था। इसके बाद से उन्होंने पार्टी के किसी भी पद को संभालने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। कहा जा रहा है कि विपक्ष का नेता पद संभालने के लिए वह तैयार नहीं थे। लेकिन अंततः पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं के दबाव में उन्हें यह पद स्वीकारना पड़ा। नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद राहुल के बारे में बनाई गई यह धारणा टूट गई कि वह बड़ी जिम्मेदारी को संभालने से ड़रते हैं। राहुल ने नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद अपने पहले संबोधन में ही संकेत दे दिया कि भाजपा की अगुवाई वाली एनड़ीए सरकार को संसद से सड़क तक विपक्ष की कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। राहुल ने ओम बिरला को दूसरी बार लोक सभा अध्यक्ष चुने जाने पर कहा कि निस्संदेह सरकार के पास राजनीतिक सत्ता की शक्ति है लेकिन विपक्ष भी भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। राजनीति में राहुल 'एंगरी यंगमैन' की भूमिका का निवर्हन करते दिखाई देते हैं। नेता प्रतिपक्ष सीबीआई निदेशक, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष आदि को चुनने वाली समितियों का हिस्सा होता है। राहुल के आक्रामक तेवरों को देखते हुए कहा जा सकता है कि इन नियुक्तियों में प्रधानमंत्री मोदी को राहुल के साथ तालमेल बैठाने में परेशानियों का सामना करना पड़.सकता है। राहुल ने हाल के दिनों में कुछ काम ऐसे किए हैं। देश में हजारों किलोमीटर की पदयात्राएं कीं और इस दौरान जनता के साथ सीधे संवाद कायम किया। नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी को सदन में विपक्षी नेता के साथ-साथ विपक्षी दलों के गठबंधन को एकजुट रखने की जिम्मेदारी का निवर्हन भी करना है। अपेक्षा की जाती है कि वह इस दोहरी भूमिका का सही से निवर्हन करेंगे। सदन में सरकार के साथ सार्थक संवाद होगा और हर बात पर सदन का बहिष्कार करने के चलन पर रोक लगेगी।

चिंतन-मनन

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी खजाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है। सृजनात्मक शक्ति यानी प्रभु और आत्मा एक ही तत्त्व के बने हैं। अगर हम प्रतिदिन अपना कुछ समय अंतरात्मा की शांति में व्यतीत करें तो हम आनंद के एक स्थान से जुड़ जाएंगे। तब बाहरी परिस्थितियां प्रभावित नहीं करेंगी। अगली बार हमें दुख-दर्द हो तो हम याद रखें, यह समय भी बीत जाएगा।

भगवान श्री राम को राजनीति में घसीटना ठीक नहीं है

संजय गोस्वामी

आज अयोध्या को लेकर चुनाव जितने पर जय श्री राम बोलने पर जय अवधेश बोलना गलत है क्योंकि भगवान श्री राम अयोध्या में नहीं बल्कि पूर्ण संसार में एक मात्र ईश्वर स्वरूप है जिसे स्वामी विवेकानंद ने भी ईश्वर का दर्जा दिया है चुनाव आएंगे जायेंगे लेकिन प्रभु राम अनंत शक्ति और पूर्ण संसार का एक मात्र मालिक है क्योंकि उनका जीवन संघर्ष से भरा रहा कभी महलो में पालने वाले प्रभु राम को 14साल जंगल में बिताना पड़ा और राम मंदिर पर सियासत करना सही नहीं नहीं तो आपके मन में त्याग के बदले रावण रूपी विचारों का प्रवेश हो जायेगा यदि कोई भगवान राम से बड़ा मानता है तो उसकी भयंकर भूल है इन सब बातों से ऊपर उठते हुए एक आदर्श व्यक्तित्व हमारे सामने नजर आते और वे है प्रभु श्री राम के रूप में जब बात आदर्श की हो तब सबको भगवान श्री राम ही दिखते हैं। ऐसा कोई पुरुष नहीं हुआ जो अपने आज परिवारों में भाई से भाई का प्रेम कही नजर नहीं आ रहा। श्री राम से यहां हम सीख सकते हैं कि किस प्रकार उन्होंने व उनके भाइयों ने अपने संपूर्ण जीवन में अपने आपसी बंधुत्व का परिचय दिया।भगवान राम भगवान विष्णु के अवतार थे भागवत कथा के अनुसार विष्णु ने इन्द्र का देवलोक में अधिकार पुनः स्थापित करने के लिए यह अवतार लिया। देवलोक असुर राजा बलि ने हड़प लिया था। बलि विरोचन के पुत्र तथा विष्णु भक्त प्रह्लाद के पौत्र थे और एक दयालु असुर राजा के रूप में जाने जाते थे। यह भी कहा जाता है कि अपनी तपस्या तथा शक्ति के माध्यम से बलि ने त्रिलोक पर आधिपत्य पा लिया था।वामन, एक बौने ब्राह्मण के वेष में बलि के पास गये और उनसे अपने रहने के लिए तीन पग भूमि देने का आग्रह किया। उनके हाथ में एक लकड़ी का छत्र (छाता) था। गुरु शुक्राचार्य के चेताने पर भी बलि ने वामन को वचन दे डाला।राजा बलि से जल स्वीकारते हुए भगवान वामन ने अपना आकार इतना बढ़ा लिया कि पहले ही पग में पूरा भूलोक (पृथ्वी) नाप लिया। दूसरे पग में देवलोक नाप लिया। इसके पश्चात ब्रह्मा ने अपने कमण्डल के जल से वामन के पाँव धोये। इसी जल से गंगा उत्पन्न हुयीं। तीसरे पग के लिए कोई भूमि बची ही नहीं। वचन के पक्के बली ने तब वामन को तीसरा पग रखने के लिए अपना सिर प्रस्तुत कर दिया। वामन बलि की वचनबद्धता से अति प्रसन्न हुये अतः जो पूर्ण ब्रह्माण्ड पर नियंत्रण है अतः जो पूर्ण पृथ्वी को नाप सकता है वो पूर्ण ब्रम्ह का स्वामी है ऐ तो बहुत प्राचीन बातें हैं लेकिन यदि 500-600साल पीछे जाते हैं जब हिन्दू धर्म पर अत्याचार हो रहें थे तो उसे बचाने के लिए गुरुनानक जी आएं और धर्म की रक्षा की ओर अग्रसर किया जब मुगलों का अत्याचार बढ़ता जा रहा था उसी कड़ी में सिखों के दसमें गुरू श्री गुरुगोविन्द सिंह भगवान श्री राम के अवतार में अवतरित हुए जो पटना साहिब के कंगन घाट गुरूद्वारा में ऊपर ही चित्रित किया हैजी हाँ धर्म की रक्षा हेतु सिखों के दसमें गुरु गोविन्द सिंह भगवान श्री राम के रूप में अवतरित हुए थे नहीं यकीन होता तो आप पटना सिटी के कंगन घाट पर जाए वहाँ ये इतिहासीक घटना घटी थी जब बालक गोविन्द पटना सिटी के कंगन घाट हमेशा नहाने के लिए जाते थे वही पंडित शिवदत्त भगवान राम की पूजन में प्रसाद चढ़ाया करता था लेकिन हर दिन ध्यान लगाने के क्रम में प्रसाद गायब हो जाता था एक दिन जब बालक गोबिंद जब गुरूजी की आयु महज 5वर्ष थी गुरु जी पंडित शिवदत्त के पास प्रसाद लेने गए थे तो जैसे ही प्रसाद उठाने लगे तो पंडित शिवदत्त ने कहा आप प्रसाद क्यों उठा लेते हो तब गुरु गोविन्द सिंह ने कहा आप प्रसाद किसे चढ़ाते हो उन्होंने कहा भगवान राम को तब बालक गोविन्द ने उत्तर दिया मैं आपका प्रसाद गरीबों को बाँट देता हूँ फिर उन्होंने पंडित शिव दत्त को बालक गोविन्द ने आँखे बन्द कर भगवान राम का ध्यान करने को कहा जैसे उन्होंने आंखे खोली उन्हें बालक गोविन्द भगवान राम के रूप में दिखी और फिर वो उनके भक्त हो गए गुरु गोविन्द सिंह सिक्खों के दसवें और अन्तिम गुरु थे। उनका जन्म पौष, सुदी सप्तमी, संवत 1723 विक्रमी, तदनुसार सन् 1666 ई० में पटना (बिहार) में हुआ था। उनके पिता सिक्खों के नवें गुरु तेगबहादुर तथा माता गूजरी थीं। उनका आरंभिक नाम गोविन्दराय था। उनकी शिक्षा-दीक्षा पटना में ही हुई। माँ ने गुरुमुखी और पिता गुरु तेग बहादुर ने उन्हें शस्त्र-शास्त्र दोनों की शिक्षा प्रदान की। भगवान श्री राम हैं दया के सागर थे और गुरु गोविन्द सिंह जी भी भगवान राम सभी मयार्दा का पालन किया गुरु ने भी सभी मयार्दा का पालन किया भगवान राम महान तीरंदाज थे वही प्रतिभा गुरु गोविंद सिंह जी में भी थी गुरु गोविन्द सिंह में बचपन से ही अलौकिकता दिखायी देती थी। कश्मीरी पण्डितों को औरंगजेब ने जब मुसलमान बनाना चाहा, तो सब मिलकर गुरु तेगबहादुर के पास आनन्दपुर गये और उन्हें अपनी करुण कहानी सुनायी। उनकी बातों से गुरु तेगबहादुर मौन, उदास और दुखी हो गये। उसी समय नववर्षीय गोविन्दराय उनके पास आये। उन्होंने पिता से उनकी उदासी का कारण पूछा। पिता ने बताया, ह्यपण्डितों पर घोर संकट है। औरंगजेब उन्हें मुसलमान बनाना चाहता है। गोविन्दराय ने पूछा, इससे बचने का उपाय क्या है।? गुरु तेगबहुदर ने उत्तर दिया, औरगजेब की प्रचण्ड धर्म की द्वेषाग्नि में किसी महान् धर्मात्मा की आहुति ही इससे बचने का उपाय है। गोविन्दराय तुरन्त बोल उठे, आपसे बढ़कर कौन धर्मात्मा भारतवर्ष में होगा? आप ही उस अग्नि की आहुति बनिए। गुरु तेगबहादुर ने समझ लिया कि मेरा पुत्र मेरे न रहने पर गुरु-गद्दी का भार वहन कर लेगा। 1775 ई० में गुरु तेगबहादुर हँसते-हँसते दिल्ली में शहीद हुए। भगवान श्री राम जैसे आसक्त मन वाला होना गुरू गोविन्द में दिखती है। क्योंकि त्याग और बलिदान की भावना जो भगवान राम में थी वही गुरु गोविन्द सिंह जी में भी थी और बन्दा वैरागी उनके हनुमान थे जब भी गुरू पर संकट आता बन्दा वैरागी उसका हल तुरंत कर देते थे वो भी आध्यात्मिक थे बीजेपी को इस चुनाव में मुद्दा नहीं बनाना चाहिए था क्योंकि भगवान श्री राम बिन बोले सब कुछ जानते है जिसे अन्तर्यामी भी कहते हैं चुनाव में हुआ कुछ इस तरह कि मैंने राम मंदिर बनाया अतः मुझे वोट दीजियेगा लेकिन एक बात गौर करने वाला है दिए को जलाने बस एक चिंगारी बहुत है और वातावरण में ऑक्सीजन के कारण जल उठता है लेकिन आप पंखा चला देंगे तो बुझ जाता है यानि प्राकृतिक में जरूरत से ज्यादा हवा देने पर बुझ जाता है यहीं चुनाव में हुआ जहाँ शांत रहकर दीपक को जलते देना चाहिए वहाँ आपने अपना हवा चला दिया जो जल रह था वो बुझ गया लेकिन यदि आप अपने इतिहास पर नजर डालेंगे तो भारत में जितने भी महात्मा हुए वो सभी भगवान श्री राम को भज भज कर अंतःकरण को शुद्ध किया और शांति में ही राम की कृपा से महान पुरुष बने यदि किसी नेताओं को ऐ लगता है मैं ही सबकुछ हूँ तो यह उसके अज्ञानता के कारण है उसे इतना भी मालूम नहीं कि भगवान श्री राम ने पत्थर की अहिल्या को जीवित कर दिया था यदि आप ऐसा कर पाते हैं तो नामुमकिन है जो राम का असली भक्त है वो सभी मयार्दा को पालन करता है केवल राम का नाम लेकर नेता होटलो क्लबों या किसी आलीशान बंगले में नजर आते हैं और वे ही बर्षाति मेढकों की तरह टर्र टर्र करते नजर आएंगे जो सच्चा भक्त होगा वो माता पिता की सेवा करते नजर आएंगे इतना होने के बाद भी लोग यह भी नहीं जानते कि अंत में राम नाम सत्य होने वाला है ऐ चिंता की बात है।..

मुद्दा : संसद में बेमतलब के नारे

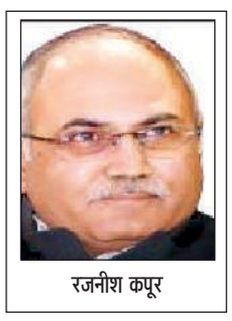

रजनीश कपूर

लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेते समय हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक ऐसा नारा लगाया जिस पर पूरा देश चौंक गया। उन्होंने 'जय भीम', 'जय मीम', 'जय तेलंगाना' और 'जय फिलिस्तीन' का नारा लगाया। जहां तक 'जय भीम' और 'जय तेलंगाना' जैसे नारों की बात है तो ये देश की सीमाओं के दायरे में आते हैं। पर एक दूसरे देश की जयकार बोलना, वो भी संसद के भीतर, किसी के गले नहीं उतरा। ओवैसी ने बहुत ही गलत परंपरा की शुरू आत की है। आने वाले वर्षों में कोई सांसद 'जय अमेरिका', 'जय पाकिस्तान' या 'जय चीन' का भी नारा लगा सकता है। इसलिए इस खतरनाक प्रवृत्ति पर लोक सभा और राज्य सभा के अध्यक्षों को फौरन रोक लगानी चाहिए।

सब जानते और मानते हैं कि भारत धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। धर्मनिरपेक्ष का मतलब नास्तिक होना नहीं है, बल्कि इसका भाव है, सर्व धर्म समभाव, यानी हर धर्म के प्रति सम्मान का भाव। पर देखने में आया है कि भारत में रहने वाले मुसलमानों और हिन्दुओं के कुछ नेता सांप्रदायिकता को भड़काने के उद्देश्य से धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाले नारे लगवाते हैं ताकि उनके वोटों का ध्रुवीकरण हो सके। जहां एक तरफ बरसों से मुसलमानों को अल्पसंख्यक बता कर उनके पक्ष में ऐसे काम किए गए जो संविधान की मूल भावना के विरुद्ध थे। जैसे रमजान में सरकारी स्तर पर इफ्तार की दावतें आयोजित करना। ऐसी दावतें अन्य धर्मों के उत्सवों पर भी की जातीं तो किसी को बुरा नहीं लगता। पर ऐसा नहीं हुआ। नतीजा यह हुआ कि हिन्दुत्व की राजनीति करने वालों को अपने समर्थकों को उकसाने का आधार मिल गया। शायद इसी का परिणाम है कि पिछले दस वर्षों में भाजपा के सांसदों और विधायकों ने संसद और विधानसभाओं में जोर-जोर से और सामूहिक रूप से धार्मिक नारे लगाना शुरू कर दिया। इसका परिणाम यह हो रहा है कि अब मुसलमानों के बीच भी उत्तेजना और आक्रामकता पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है जबकि यह खतरनाक प्रवृत्ति है, जिसे सख्ती से रोका जाना चाहिए वरना समाज में गतिरोध और हिंसा बढ़ेगी।

वैसे इस तरह का वातावरण असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए भी तैयार किया जाता है। इसलिए समझदार हिन्दू और मुसलमान अपने धर्म के प्रति आस्थावान होते हुए भी इस हवा में नहीं बहते। हिन्दुत्व का समर्थक कोई पाठक मुझसे तर्क कर सकता है कि हिन्दुस्तान में भाजपा के सांसदों और विधायकों को हिन्दुवादी नारे लगाने से रोका जाएगा तो क्या हम फिलिस्तीन में जा कर ये नारे लगाएंगे? मेरा उत्तर है कि मैं सनातनधर्मी हूं और मेरा परिवार और पूर्वज शुरू से ही आरएसएस से जुड़े रहे हैं। लेकिन पिछले 30 वर्षों में हिन्दुत्व की राजनीति का जो चेहरा मैंने देखा है उससे मन में कई सवाल खड़े हो गए हैं। जब देश की आबादी 141 करोड़ है, इनमें से 97 करोड़ वोटर हैं। उसमें से 36.6 प्रतिशत वोटरों ने ही इस चुनाव में भाजपा को वोट दिया है। मतलब यह कि कुल 111 करोड़ हिन्दुओं में से केवल 35 करोड़ हिंदुओं ने बीजेपी को वोट दिया। तो भाजपा सारे हिन्दू समाज के प्रतिनिधित्व का दावा कैसे कर सकती है? चूंकि देश की आबादी में 78.9 प्रतिशत हिन्दू हैं, और उनमें से एक छोटे से हिस्से ने बीजेपी को वोट दिया है। मतलब बहुसंख्यक हिन्दू भाजपा की नीतियों से सहमत नहीं हैं। हम सब मानते हैं कि हमारा धर्म सनातन धर्म है, जिसका आधार हैं वेद, पुराण, गीता, भागवत, रामायण आदि ग्रंथ। क्या भाजपा इनमें से किसी भी ग्रंथ के अनुसार आचरण करती है? अगर नहीं तो कैसे हिन्दू धर्म के पुरोधा होने का दावा करती है?

हमारे धर्म के चार स्तंभ हैं-चारों पीठों के शंकराचार्य जिन्हें आदि शंकराचार्य जी ने सदियों पहले भारत के चार कोनों में स्थापित किया था। क्या भाजपा चारों शंकराचार्यों को यथोचित सम्मान देती है और इनके ही मार्गनिर्देशन में अपनी धार्मिक नीति बनाती है? अगर नहीं तो फिर बीजेपी हिन्दू धर्म की पुरोधा कैसे हुई? सनातन धर्म में साकार और निराकारङ्क दोनों ब्रह्म की उपासना स्वीकृत हैं। इस तरह उपासना के अनेक मार्ग और अधिकृत संप्रदाय हैं। इसलिए पूरे देश में व्याप्त सनातन धर्म का कोई एक झंडा या जयघोष नहीं होता। जैसे 'जय श्री राम' किसी अधिकृत संप्रदाय का जयघोष नहीं है। प्रभु श्री राम को लोग 'जय सिया राम', 'राम-राम' 'जय रामजी की' आदि अनेक संबोधनों से पुकारते हैं। 'जाकी रही भावना जैसी हरि मूरत देखी तिन तैसी'। फिर केवल 'जय श्री राम' धार्मिक उदघोष कैसे हुआ? ऐसी तमाम अन्य बातों को भी देख-सुन कर स्पष्ट होता है कि भाजपा का हिन्दुत्व सनातन धर्म नहीं है। यह इनकी राजनीति के लिए अस्त्र मात्र है। इसका अर्थ हुआ कि संसद में चाहे 'श्री राम' का नारा लगे और चाहे 'अल्लाह हो अकबर' का, दोनों ही राजनैतिक उद्देश्य से लगाए जाने वाले नारे हैं, जिनका उद्घोष संसद में नहीं होना चाहिए। जय फिलिस्तीन का नारा तो और भी खतरनाक प्रवृत्ति है। संसद के दोनों सदनों के अध्यक्ष गंभीरता से विचार करके संविधान और संसद की गरिमा बचाने का काम करें।

बैड न्यूज़ का ट्रेलर जारी, कॉमेडी का डबल डोल, सच्ची घटनाओं से प्रेरित

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और ऐमी विर्क अभिनीत फिल्म के निर्माताओं ने शुक्रवार को बैड न्यूज़ का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी किया। फिल्म निर्माता करण जौहर हाल ही में फिल्म के मुख्य सितारों के कई पोस्टर साझा करते रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक टैगलाइन के साथ होती है, जिसमें लिखा है, एक दुर्लभ कॉमेडी जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे तृप्ति अपने बच्चे के पिता को लेकर उलझन में है और एक डॉक्टर के क्लिनिक में अपनी दोस्त (नेहा धूपिया द्वारा अभिनीत) से बात कर रही है। डॉक्टर उसे असली पिता का पता लगाने के लिए पैतृक परीक्षण कराने का सुझाव देते हैं। हालांकि, उसकी रिपोर्ट में जीवन में एक बार होने वाली घटना का पता चलता है और डॉक्टर कहते हैं कि यह हेटेरोपैटर्नल सुपरफेकंडेशन का मामला है, जिसका अर्थ है कि एक ही चक्र में दो अलग-अलग अंडों को निषेचित किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री अनन्या पांडे आगामी फिल्म बैड न्यूज़ में एक रोमांचक कैमियो भूमिका के लिए तैयार हैं। यह फिल्म 19 जुलाई, 2024 को बड़े पर्दे पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दिल से दिल तक से मिली जैस्मिन भसीन को अलग पहचान

जैस्मिन टेलीविजन जगत की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। वे टीवी के अलावा कई फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। जैस्मिन भसीन का जन्म 28 जून 1990 को कोटा में हुआ था। जैस्मिन भसीन को सीरियल टशन-ए-इश्क से सबसे बड़ा ब्रेक मिला। नागिन, बिग बॉस 14 जैसे शो का हिस्सा रह चुकीं जैस्मिन भसीन को दिल से दिल तक से अलग पहचान मिली।

जैस्मिन भसीन अली गोनी को डेट कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें जैस्मिन भसीन जल्द ही दुल्हन बनेंगी।

सामंथा रुथ प्रभु के साथ जमेगी आदित्य रॉय कपूर की जोड़ी?

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर जल्द ही राज और डीके की अगली वेब सीरीज में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेब सीरीज का नाम रक्तबीज रखा गया है। इसके लिए आदित्य को ऑफर मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एक्शन सीरीज में आदित्य के साथ सामंथा रूथ प्रभु भी मुख्य भूमिका में होंगी। द नाइट मैनेजर के बाद आदित्य रॉय कपूर का ओटीटी के लिए दूसरा प्रोजेक्ट है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीरीज से जुड़े एक सूत्र ने बताया है कि आदित्य ने मई में ही इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी थी। इसके तुरंत बाद निर्माताओं ने सामंथा को भी इस सीरीज में शामिल कर लिया था। दोनों कलाकारों ने सीरीज के लिए अपनी-अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है। जल्द ही दोनों इस एक्शन सीरीज के लिए साथ में भी ट्रेनिंग लेगें। खबर के मुताबिक, राज और डीके की जोड़ी फिलहाल फैमिली मैन के तीसरे सीजन की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद ये निर्देशक जोड़ी इस साल अगस्त तक रक्तबीज को फ्लोर पर लाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, निर्देशक जोड़ी या दोनों कलाकारों की ओर से इस खबर की पुष्टि नहीं की गई है। राज और डीके की फैमिली मैन में भी सामंथा रूथ प्रभु नजर आई थीं। इसके बाद वह अब अभिनेता वरुण धवन के साथ सिटाडेल- हनी बनी में भी मुख्य भूमिका में होंगी। इस सीरीज को एक जासूसी एक्शन थ्रिलर के दिल दहला देने वाले तत्वों को एक प्रेम कहानी के साथ दिखाया गया है। ये 90 के दशक की जीवंत टेपेस्ट्री पर आधारित है। दर्शकों को इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार है।

सिटाडेल का हिस्सा बनकर खुश हैं सामंथा

सामंथा रूथ प्रभु ने इस सीरीज को लेकर एक इवेंट में कहा था, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक्शन करूंगी। ये मेरे लिए बड़ी जीत है। मुझे नहीं लगा कि मैं सिटाडेल का हिस्सा बनूंगी। मैं राज, डीके, सीता और अमेजन की बहुत आभारी हूं। वहीं, आदित्य रॉय कपूर अगली बार मेट्रो इन डिनो में नजर आएंगे, जो लाइफ इन ए मेट्रो का सीक्वल होगी। इसमें आदित्य के साथ सारा अली खान नजर आएंगी।

चंद्रिका दीक्षित ने वेब सीरीज के ऑफर को किया मना

चंद्रिका दीक्षित उर्फ वड़ा पाव गर्ल बिग बॉस ओटीटी 3 के घर में अपने गेम से चमक रही हैं। चंद्रिका को उनके गेम के लिए सोशल मीडिया पर भी खूब सपोर्ट मिल रहा है। हालांकि, अभी भी कई लोग चंद्रिका के बिग बॉस ओटीटी 3 के घर में जाने से खुश नहीं हैं। वहीं, अब चंद्रिका ने खुलासा किया है कि दोनों महीने पहले उन्हें वेब सीरीज के ऑफर आए थे। चंद्रिका ने इन ऑफर्स को ठुकरा दिया क्योंकि वह इंटीमेट सीन्स देने में बिल्कुल भी सहज नहीं थीं। हालांकि, चंद्रिका के इस बयान के बाद लोग उनकी जमकर आलोचना भी कर रहे हैं।

रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड के साथ लंदन में पार्टी करती दिखीं सुहाना खान

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी अपनी ड्रेस और लुक्स की वजह से तो कभी अपने रिलेशनशिप की चर्चाओं की वजह से। सुहाना ने 'द आर्चीज' से अभिनय के क्षेत्र में डेब्यू किया। अब वह शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी। इस बीच सुहाना को लंदन में अपने रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड के साथ स्पॉट किया गया है। दरअसल, सुहाना और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के डेटिंग की अफवाहें तब से चल रही हैं जब से उन्होंने 'द आर्चीज' की शूटिंग की है, तब से इन्हें कई बार एक साथ देखा गया है। सुहाना और अगस्त्य नंदा की डेटिंग की अफवाहों को तब हवा मिल गई जब दोनों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। जिसमें दावा किया गया कि दोनों स्टार किड्स को एक साथ लंदन के एक क्लब में पार्टी करते हुए देखा गया। दोनों एक-दूसरे के साथ पार्टी का आनंद उठाते हुए नजर आएं। इससे प्रशंसकों ने अंदाजा लगाना शुरु कर दिया कि वे दोस्त से कुछ ज्यादा हैं।

अगस्त्य नंदा के साथ पार्टी करती दिखीं सुहाना

एक फैन पेज ने ट्विटर पर सुहाना की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा कीं। वीडियो को साझा करते हुए दावा किया गया कि इसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान एक नाइट क्लब में दिख रही हैं। उनके सामने अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा काले रंग की शर्ट में खड़े हैं और उनके चेहरे पर एक लंबी मुस्कान दिख रही है।

परियों की कहानियों के जैसा नहीं होता जीवन

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के रिश्ते को लेकर अफवाह उड़ रही है कि दोनों ने अपनी राह बदल ली है और ब्रेकअप कर लिया है। इन अफवाहों को तब तो और भी बल मिल गया, जब हाल ही में, वो अर्जुन कपूर के जन्मदिन की पार्टी में दिखाई नहीं दी। दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही इन तमाम चर्चाओं के बावजूद न तो मलाइका और न ही अर्जुन कपूर की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि की गई है। जीवन के सबसे मुश्किल सबक के बारे में बात करते हुए मलाइका ने कहा कि असल जीवन परियों की कहानियों के जैसा नहीं होता है और जीवन में कुछ भी स्थाई नहीं होता है। शायद यही एक मुश्किल सबक है। उन्होंने कहा कि हम सभी इस तरह की कहानियों के साथ बड़े हुए हैं, जिनका अंत परियों की कहानी की तरह होता है। इन कहानियों से हमें बताया गया था कि जिंदगी ऐसी ही होती है, मगर ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि जीवन में आ रहे बदलावों के लिए तैयार रहना चाहिए।

प्यार के लिए लड़ सकती हूं

मलाइका अरोड़ा का कहना है कि चाहे कुछ भी हो जाए, लेकिन वो कभी भी सच्चे प्यार के विचार को नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने कहा कि वो दिल से रोमांटिक हैं, जो प्यार के लिए लड़ सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि जब बात रिश्तों की आ जाती है तो वो काफी यथार्थवादी रहती हैं और इस बात को जानती हैं कि लाइन कहां खींचनी हैं।

कल्कि 2898 एडी में कैमियो को लेकर मृणाल ने किया खुलासा

फिल्म कल्कि 2898 एडी आखिरकार रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विजय देवरकोंडा, एसएस राजामौली, दुलकर सलमान और राम गोपाल वर्मा सहित कई अभिनेताओं ने कैमियो किया है। मृणाल ठाकुर ने बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी में अपने कैमियो को लेकर खुलकर बातचीत की है। बेहतरीन अदाकारी के लिए प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कल्कि 2898 एडी का हिस्सा बनने के बारे में बताया कि जब उनसे इस फिल्म के लिए संपर्क किया गया था, तब क्या हुआ था। मृणाल ने फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर अपनी उत्सुकता और आत्मविश्वास दोनों को ही जाहिर किया। मृणाल ने बताया कि वह पहले फिल्म सीता रामम में निर्माता अश्विनी दत्त, स्वप्ना दत्त और प्रियंका दत्त के साथ काम कर चुकी हैं, इसलिए उन्होंने कल्कि 2898 एडी के लिए तुरंत हामी भर दी थी। मृणाल ने कहा, जब मुझे कल्कि के लिए संपर्क किया गया था, तब मैंने तुरंत हां कहने में एक पल भी नहीं लगाया। मुझे निर्माता अश्विनी दत्त, स्वप्ना दत्त और प्रियंका पर पूरा भरोसा है। सीता रामम में हमारे सफल सहयोग ने यह निर्णय लेना मेरे लिए काफी आसान बना दिया। इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा, मुझे बनना ही था। मृणाल के लिए कल्कि के कलाकारों में शामिल होना किसी रोमांच से कम नहीं रहा। फिल्म में उनकी उपस्थिति को एक आश्चर्य के रूप में रखा गया, जिससे उनके प्रशंसकों के बीच उत्साह बना रहे।

यूनिवर्स में मेरा हिस्सा अभी शुरू हुआ है, कल्कि 2898 एडी में अपने कम स्क्रीन टाइम पर बोले कमल

प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन अभिनीत फिल्म कल्कि 2898 एडी 27 जून को रिलीज हो चुकी है। फिल्म का क्रिटिक्स से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। दर्शकों को भी फिल्म पसंद आई है। फिल्म में कमल हासन के अभिनय को भी खूब सराहा जा रहा है। हालांकि, कमल हासन को कम स्क्रीन टाइम मिला था। अब अभिनेता ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

कम स्क्रीन टाइम पर कमल हासन ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में, एक इंटरव्यू में कमल हासन ने कहा, कल्कि 2898 एडी में मैंने एक छोटी सी भूमिका निभाई है जो केवल कुछ मिनटों के लिए दिखाई देती है। फिल्म में मेरा असली हिस्सा अभी शुरू हुआ है और मुझे दूसरे भाग में और भी बहुत कुछ करना है। इसलिए, मैंने एक प्रशंसक के रूप में यह फिल्म देखी और मैं सरप्राइज रह गया। अभिनेता ने की नाग अश्विन की तारीफ कमल हासन ने कहा, फिल्म में काम कर के मुझे ऐसा लगा कि भारतीय सिनेमा वैश्विक मनोरंजन की ओर बढ़ रहा है, और कल्कि 2898 एडी उनमें से एक है। नाग अश्विन ने बिना किसी धार्मिक पक्षपात के पौराणिक कथाओं के विषय को सावधानीपूर्वक संभाला है। दुनिया भर में, केवल जापान, चीन और ग्रीक सभ्यताएं ही कहानी कहने की भारतीय विरासत के करीब आ सकती हैं। अश्विन ने वहां से कहानियां चुनी हैं और सभी को एक साथ लाकर बहुत धैर्य के साथ इसे अंजाम दिया है।

पेनकिली की शूटिंग को लेकर मुश्किल में फंसे फहद फासिल

मलयालम स्टार फहद फासिल अपनी बैक-टू-बैक रिलीज हुई फिल्मों की सफलता का आनंद ले रहे हैं। हाल के वर्षों में, उन्होंने एक अभिनेता और निर्माता दोनों के रूप में महत्वपूर्ण सफलता देखी है। हालांकि, अब फहद एक मुसीबत में फंसते नजर आए हैं। उनकी प्रोडक्शन कंपनी फहद फासिल एंड फ्रेंड्स को मानवाधिकार आयोग की कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोडक्शन कंपनी ने हाल ही में अंगमाली तालुक सरकारी अस्पताल में अपनी आगामी फिल्म पेनकिली की शूटिंग की। आरोप है कि फिल्म निर्माताओं ने उचित अनुमति के बिना कैजुअल्टी वार्ड में शूटिंग की और मरीजों को परेशान किया। नतीजतन, मानवाधिकार आयोग ने भी फहद की कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने आदेश दिया है कि अस्पताल के आपातकालीन विभाग में फिल्म की शूटिंग के लिए सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देना होगा। इसके अतिरिक्त, एर्नाकुलम जिला चिकित्सा अधिकारी और अंगमाली तालुक अस्पताल के अधीक्षक को भी अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। आयोग के अनुसार, आपातकालीन कक्ष की रोशनी कम कर दी गई थी, और फिल्मांकन के दौरान विशिष्ट प्रतिबंध लगाए गए थे। आपातकालीन कक्ष में अभिनेताओं सहित लगभग 50 व्यक्ति मौजूद थे। आयोग ने चिंताम व्यक्त की कि आपातकालीन विभाग में सीमित जगह के बावजूद, जब डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे थे, तब फिल्मांकन जारी रहा। रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है और दावा किया है कि शूटिंग के लिए सभी उचित परिश्रम का पालन किया गया है। फिल्म निर्माताओं ने शूटिंग के कारण मरीजों को परेशानी होने की खबरों को भी खारिज कर दिया है। इस बीच, फहद फासिल सफलता की बुलंदियों को छू रहे हैं। वह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में सबसे अधिक मांग वाले अभिनेताओं में से एक बन गए हैं।

वैशाली से लापता युवक को बक्सर रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने प्रेमिका के साथ पकड़ा, कहा : पापा मैं जिंदा हूं

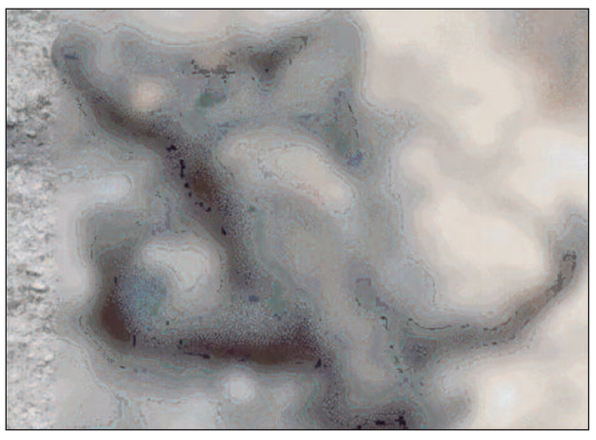

हाजीपुर (वैशाली)। वैशाली में बीते 18 जून को घर से सन्नी कुमार गायब हो गया था। इसके बाद 21 जून को एक शव मिला था। सन्नी का शव समझ कर परिजनों ने उसकी आत्मा की शांति के लिए हिंदू रीति-रिवाज से हाजीपुर कोनहारा घाट पर दाह संस्कार कर दिया। इसी बीच गंगा ब्रिज थाने की पुलिस ने उसे जिंदा प्रेमिका के साथ बक्सर रेलवे स्टेशन के पास से बरामद कर लिया है। 21 साल का सन्नी कुमार गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के नवादा चौक गांव निवासी आमोद चौधरी का बेटा है। वह अपने प्रेमिका के साथ 18 जून को घर से भागकर कोयम्बटूर पहुंच गया था और 20 जून को तिरुपति दुर्गा मंदिर में शादी कर ली थी। पत्नी के साथ रोजगार की तलाश में बक्सर रेलवे स्टेशन के पास चला गया था। दोनों प्रेमी युगल से पूछताछ कर रही पुलिस लेकिन, पुलिस को जैसे ही भनक लगी, वहां से उसे पत्नी के साथ हिरासत में ले लिया। पुलिस दोनों प्रेमी युगल से पूछताछ कर रही है। लड़की के परिजनों ने अपनी बेटी की अपहरण का प्राथमिक की दर्ज कराया, तो पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। इसके बाद सन्नी के परिजन ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। बीते 21 जून को किसी ने सूचना दी कि सन्नी की हत्या कर शव को जलाकर समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में फेंक दिया गया है।

परिजन ने मोहनपुर थाना पहुंच कर शव पुलिस से रिसीव किया और बेटे की हत्या मामले में एफआईआर दर्ज कराया और हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर नवादा में सड़क को जाम कर दिया था। पुलिस के समझाने

बुझाने के बाद आक्रोशित लोग शांत हुए और शव का संस्कार हिंदू रीति-रिवाज से हाजीपुर कौन हारा घाट पर कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने आज उसे प्रेमिका के साथ जिन्दा बरामद कर लिया है। लड़की के परिजनों ने अपहरण का मामला कराया था दर्ज इस संबंध में गंगा ब्रिज थाना अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया की सन्नी को उसकी ही प्रेमिका के साथ बरामद किया गया है।

लड़की के परिजनों ने अपहरण कर लेने का थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया गया था।

मामले की जांच पड़ताल की जा रही थी, तभी सन्नी के परिजन ने मोहनपुर थाना क्षेत्र से एक अर्ध जला शव लाकर दाह संस्कार कर लिया था। लेकिन, आज उसे जिन्दा बरामद किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

बक्सर में मुआवजे के लिए चार और पांच जुलाई को कर सकेंगे आवेदन

बक्सर। बक्सर स्थित चौसा थर्मल पावर से प्रभावित किसानों को अपनी जमीन संबंधी मुआवजा को लेकर एक बार भी उम्मीद जगी है। इसके लिए चौसा अखौरीपुर गोला स्थित महर्षि च्यवन महाविद्यालय में एक विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जो कि 4 और 5 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। बक्सर भू-अर्जन शाखा की ओर से मिली जानकारी के अनुसार इस कैंप का आयोजन भू-अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकार पटना प्रमण्डल की ओर दी गई गई सहमति पर लगाया जा रहा है। कैंप सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक दोनों दिन लगेगा। निमार्णाधीन 1320 मेगा वॉट थर्मल संबंधित रेल कॉरिडोर और वाटर पाईप लाईन परियोजना चौसा के रैयतों को पीठासीन पदाधिकारी भू अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकार में आवेदन के साथ खतियान की टू कापी, निबंधित वसीका, पारिवारिक बंटवारा का कागज, वंशावली की सत्यापित प्रति, एलपीसी की छाया प्रति, लगान रसीद की प्रति, आधार कार्ड की छाया प्रति, पैन-कार्ड की छाया प्रति, बैंक पासबुक की छाया प्रति, बंध-पत्र एवं शपथ पत्र आदि के साथ आवेदन को कैंप में जमा करना होगा। मालूम हो कि चौसा थर्मल पावर प्लांट के लिए पिछले दो सालों से सिरदर्द बनी वाटर पाइप लाइन और रेल कॉरिडोर की जमीन का उचित मुआवजा का निर्धारण और किसानों की कई समस्याओं का निराकरण नहीं होने के कारण थर्मल पावर का निर्माण अपने समय पर नहीं हो सका है। इसके समाधान के लिए अधिकारियों की ओर से काफी प्रयास किया गया लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं होने के कारण 2024 में थर्मल पावर का निर्माण कार्य पूरा होते हुए नहीं दिख रहा है। इसके लिए एक बार फिर अधिकारियों ने कोशिश की है।

केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार पटना पहुंचे चिराग, कहा-फैसला स्टूडेंट्स के हित में होगा

पटना। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद आज पहली बार लोक जनशक्ति पार्टी (LJP) के मुखिया चिराग पासवान पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनके चारों सांसद भी मौजूद थे। एयरपोर्ट पर तमाम कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। नीट पेपर लीक पर रिएक्शन नीट पेपर लीक मामले पर चिराग ने रिएक्शन देते हुए कहा कि यह एक गंभीर विषय है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी बच्चों के साथ कोई अन्याय न हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निगरानी में इस मामले को देखा जा रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार सारे स्टेट होल्डर से बातचीत कर रही है। कई ऐसे बच्चे हैं जो रि-एग्जामिनेशन के पक्ष में नहीं है। जो भी फैसला होगा, स्टूडेंट्स के हित में होगा। पेपर लीक के मामले में जांच चल रही है। कई लोग न्यायालय भी गए हैं। मामला विचाराधीन है। इसमें कई सारे पक्ष इंवॉल्व है। सरकार सबसे बातचीत कर रही है। सही समय पर सही फैसला लिया जाएगा। किसानों का करेंगे कल्याण चिराग ने कहा कि उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी फूड प्रोसेसिंग यूनिट मंत्रालय के रूप में दी गई है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। आने वाले दिनों में इस मंत्रालय के माध्यम से कई ऐसे यूनिट्स खोले जाएंगे। हाजीपुर का केला हो या मुजफ्फरपुर की लीची, मखना हो आम हो, जो यहीं पर प्रोसेस्ड हो जाए पैकिंग हो जाए तो ना सिर्फ उससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी बल्कि राज्य का राजस्व भी बढ़ेगा। बिहार में लगातार पुल गिरने पर दी प्रतिक्रिया चिराग ने कहा कि ये दुर्भाग्य की बात है। मैं उम्मीद करता हूं कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिसने भी गुणवत्ता के साथ भ्रष्टाचार किया है उसे बख्शा नहीं जाएगा। कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा। भविष्य में जितने नव निर्माण होंगे, हम लोगों की इस डबल इंजन सरकार आने के बाद सुनिश्चित किया जाएगा कि गुणवत्ता के साथ कहीं कोई छेड़छाड़ न हो। आगे चिराग ने कहा कि बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। ऐसे में पार्टी उसकी तैयारी में मजबूती के साथ जुटेगी। ताकि जो जीत लोकसभा में बिहार में मिली वही जीत विधानसभा चुनाव में भी मिल सके। पीएम मोदी के साथ तमाम सांसदों के साथ मुलाकात हुई है। प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों को अपना मार्गदर्शन दिया है।

18 दिन बाद सामने आया श्रेया हत्याकांड का सच होटल मालिक सहित दो सगे भाई गिरफ्तार

औरंगाबाद। औरंगाबाद में श्रेया हत्याकांड के 18 दिन बाद शनिवार को पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने होटल मालिक 2 सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। रढ स्वप्ना गौतम मेश्राम ने बताया कि गिरफ्तार दोनों होटल मालिक ने स्वीकार किया है कि रेप के बाद श्रेया की गला दबाकर हत्या की गई। इसके बाद सबूत छिपाने को लेकर कार में शव लेकर इंद्रपुरी बराज पहुंचे, जहां शव फेंक दिया। गिरफ्तार दोनों भाई का नाम कोसडिहरा गांव के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह है। रढ ने बताया कि इनके पास से वह कार भी बरामद किया गया है, जिससे शव को बराज तक ले जाया गया था। इससे पहले, पुलिस ने श्रेया हत्याकांड में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुका है। इसमें श्रेया की सहेली, उसकी मां और श्रेया का बॉयफ्रेंड शामिल हैं। बता दें कि 11 जून को औरंगाबाद के नवीनगर से लापता 16 साल की किशोरी का शव करीब 25 किमी दूर रोहतास के इंद्रपुरी बराज से मिला था। कोचिंग से नहीं लौटी थी श्रेया SP स्वप्ना गौतम मेश्राम ने बताया कि रेप के बाद श्रेया की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद सबूत छिपाने को लेकर शव को कार में रखकर इंद्रपुरी बराज ले जाकर फेंक दिया गया था। उन्होंने बताया कि श्रेया 11 जून को अपने घर से कोचिंग के लिए निकली थी, लेकिन वापस लौटी नहीं थी। इसके बाद परिजनों की ओर से थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई थी। 13 जून को रोहतास के इंद्रपुरी बराज से श्रेया का शव बरामद किया गया था। बॉयफ्रेंड के साथ होटल पहुंची थी श्रेया 11 जून को श्रेया अपने बॉयफ्रेंड के साथ होटल पहुंची थी। यहां एक कमरा बुकिंग कराया और कुछ समय तक रुके। इस दौरान उसके बॉयफ्रेंड ने होटल मालिक धर्मेंद्र कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह के साथ मिलकर गलत काम किया। इसके बाद गला दबाकर हत्या कर दी।

नालंदा में मकान का गिरा छज्जा, दादी-पोते की मौत

नालंदा । नालंदा में शनिवार को मकान का छज्जा गिरने से दबकर एक किशोर की मौत हो गई। जबकि एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। मामला एकंगरसराय थाना क्षेत्र के सुंडी बीघा गांव की है। इस हादसे में डोमन मोची के बेटे धीरज कुमार(13) की मौत हो गई। जबकि धीरज की दादी सोना देवी(60) गंभीर रूप से घायल हो गई है। जिन्हें इलाज के लिए PMCH रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि शनिवार की सुबह हल्की बारिश हो रही थी। दादी सोना देवी और पोता धीरज कुमार दोनों घर के दरवाजे पर ही बैठे हुए थे। अचानक मकान के छज्जे का स्लैप टूट कर दोनों के ऊपर गिर गया। जहां मलवे से दबकर धीरज कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि सोना देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। मकान का छज्जा गिरने के बाद ग्रामीणों के बीच अफरा-तफरी मच गई। आस-पड़ोस के लोग किसी तरह से दादी पोते को मालवा से बाहर निकाला गया। जहां धीरज की मौत हो चुकी थी। वहीं सोना देवी को एकंगरसराय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहीं इस घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। धीरज कुमार 3 भाई बहन में सबसे छोटा था। पिता मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद एकंगरसराय थाना के प्रभारी थाना अध्यक्ष प्रभाकर कुमार झा दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भी बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। जाने की वजह से किशोर की मौत हो गई है।

गया पहुंचे केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, कहा- निर्माणाधीन पुल गिरने के पीछे राजनीतिक साजिश

गया। भारत सरकार के एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी शनिवार को गया पहुंचे। यहां सर्किट हाउस में उन्होंने बिहार में बीते 9 दिनों में गिरे 5 निमार्णाधीन पुल के मसले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा-यह गंभीर और चिंता का विषय है। ये गिर रहे हैं या गिराए जा रहे हैं। यह भी एक जांच का विषय है। इसके पीछे कहीं न कहीं, कोई न कोई राजनीतिक साजिश है। जीतन राम मांझी मंत्री पद की शपथ लेने और विभागीय कामकाज संभालने के बाद दूसरी बार अपने संसदीय क्षेत्र गया में आए हैं। यहां जीतन राम मांझी ने कहा- यह वाकई चिंता का विषय है। पुल ध्वस्त होने के पीछे घटिया निर्माण सामग्री या फिर इंजीनियरिंग का दोष हो सकता है। यह जांच का विषय है। प्रदेश सरकार जांच के साथ कार्रवाई भी कर रही है। पर सवाल यह भी उठता है कि ये पुल दो माह पूर्व क्यों नहीं गिर रहे थे। ये हाल के दिनों में ही तेजी से क्यों गिरने लगे। ये गिर रहे हैं या गिराए जा रहे हैं। यह भी एक जांच का विषय है। इसके पीछे कहीं न कहीं कोई कोई न कोई राजनीतिक साजिश है। ऐसी शंका मुझे है। उन्होंने कहा- सरकार को बदनाम करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। मुझे लगता है कि ऐसा सरकार को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। वहीं, नीट पेपर लीक के मसले पर कहा कि जो धांधली हुई है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। आरोपी भी पकड़े जा रहे हैं। लेकिन भारत सरकार का उद्देश्य केवल कार्रवाई ही नहीं अब ऐसी व्यवस्था बनाने का है, जहां से किसी प्रकार की धांधली की कोई गुंजाइश ही न हो। जीतन राम मांझी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी को फंसाना या बचाना नहीं है। दोषी जो होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। साथ ही व्यवस्था बेहतर की जा रही है।

बनारस से बगहा पहुंची गर्भवती महिला

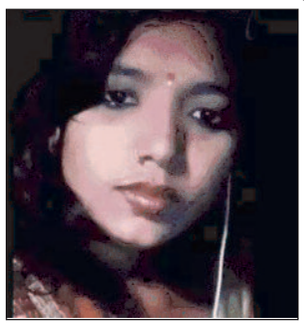

बगहा (वाल्मिकीनगर)। बगहा के पटखौली थाना स्थित वार्ड संख्या-3 में रहने वाले राहुल साहनी की दूसरी शादी की खबर सुनकर बनारस की रहने वाली प्रमिला (22 साल) बगहा पहुंची और न्याय की गुहार लगाई है। प्रमिला ने आरोप लगाया है कि राहुल ने उससे पहले प्यार किया, फिर शादी की और अब वह उसे छोड़कर दूसरी शादी करने जा रहा है। जबकि, वह मां बनने वाली है। दरअसल, बगहा के वार्ड नंबर तीन के रहने वाले घनश्याम साहनी के बेटे राहुल सहनी (24 साल) एक साल पहले रोजी-रोटी के लिए बनारस गया था। पहले से शादीशुदा थी प्रमिला वहां, उसकी मुलाकात मैगी मसाला कंपनी में काम करने वाली प्रमिला से हुई। प्रमिला पहले से शादीशुदा थी। पति, शराब के नशे में प्रमिला के साथ मार पिटाई करता था। इसी का फायदा उठाकर राहुल प्रमिला के नजदीक पहुंच गया। दोनों में प्यार हो गया। इसके बाद राहुल प्रमिला को अपने घर बगहा ले आया, जहां वह एक महीने तक एक भाड़े के कमरे में साथ रहे। इसके बाद दोनों हैदराबाद और फिर अंबाला गए, जहां काली माता मंदिर में उन्होंने शादी की। इधर, एक महीने पहले राहुल प्रमिला को छोड़कर अपने घर बगहा लौट आया। इस बीच 10 जुलाई को शादी का दिन भी तय कर दिया गया। रेलवे स्टेशन पर महिला को छोड़कर राहुल फरार जब प्रमिला को राहुल की दूसरी शादी की खबर मिली, तो वह तुरंत बगहा महिला थाना में पहुंच गई। महिला थाने की पुलिस ने प्रमिला और राहुल दोनों को समझाने की कोशिश की। इसके बाद राहुल प्रमिला के साथ रहने के लिए तैयार हो गया। लेकिन, बगहा रेलवे स्टेशन पर महिला को छोड़कर राहुल फिर से फरार हो गया। प्रमिला ने बताया कि वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान है और घर की संपत्ति बेचकर सारे पैसे राहुल को दे चुकी है। अब उसके पास कुछ नहीं बचा है और वह एक सप्ताह से पुलिस और राहुल के घर के चक्कर काट रही है। इस मामले में महिला थाना अध्यक्ष पुष्पा कुमारी ने बताया कि कुछ दिन पहले महिला आई थी। आरोपी युवक को भी बुलाया गया था।

सड़क किनारे इंतजार करता दिखा शख्स बस के आते ही पिछले पहिए के सामने आया

गया। गया शहर में एक शख्स ने चलती बस के नीचे आकर अपनी जान दे दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना सोमवार की शाम साढ़े छह बजे की है। मामला डेल्हा थाना क्षेत्र के छोटकी डेल्हा मुख्य मार्ग का है। वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स आत्महत्या करने की नीयत से अचानक से चलती बस के पिछले पहिए के नीचे आ जाता है। उसका सिर बुरी तरह से कुचलते हुए बस आगे निकल जाती है। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत अधेड़ की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। मृतक गंजी और लूंगी में था और वह नाराज दिख रहा था। शिनाख्त की कोशिश जारी सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया है।

पेज एक का शेष

लोस चुनाव में...

श्री सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार के खिलाफ कोई भी खड़ा न हो पाये, इसकी जुगत भिड़ाई जा रही है। उसी का परिणाम है कि आज दिल्ली के मुख्यमंत्री जेल में बंद हैं। उन्होंने कहा कि मुझे सुनियोजित तरीके से षड्यंत्र में फंसाकर पांच महीने तक जेल में रखा गया। श्री सोरेन ने कहा कि जेल में उन्होंने आदिवासी, गरीब गुरबे, दलित बंदियों की तकलीफ देखी जिसे वह बयां नहीं कर सकते।

सड़क से सदन देंगे तक मुंहतोड़ जवाब : हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के खनिजों से देश को हम राजस्व देते हैं और बदले में हमें भीख मिलती है। अब ये काम नहीं होगा। बहुत जल्द राज्य में और देश के अंदर में एक ऐसा बदलाव देखने को मिलेगा जहां गरीब-गुरबों की आवाज सुनी जायेगी।

षड्यंत्रकारियों को सड़क से सदन तक मुंहतोड़ देंगे जवाब : उन्होंने कहा कि आज से सड़क से लेकर सदन तक हमलोग ऐसे षडयंत्रकारियों को मुहंतोड़ जवाब देंगे। केंद्र सरकार धन बल के दम पर बहुमत कम होने के बाद भी अपने बेईमान सहयोगियों के साथ मिलकर सत्ता पर काबिज है।

मोदी सरकार में पेपर लीक और ट्रेन हादसे हो रहे : हेमंत सोरेन ने कहा कि मोदी सरकार में नीट व नेट के पेपर लीक हो रहे हैं। वहीं ट्रेन दुर्घटना व एयरपोर्ट टर्मिनल की छत गिर रही है। इन लोगों ने सीरिंज से लोगों का खून चूस लिया है। संविधान की कई संस्थाओं को मुट्ठी में कर लिया। लेकिन जनता की अदालत सबसे बड़ी अदालत है।

पड़ोसी राज्यों में आदिवासी मुख्यमंत्री बनाए, लेकिन वो रबर स्टांप हैं : हेमंत सोरेन ने कहा कि आपके आशीर्वाद से सबसे पहले देश में आदिवासी मुख्यमंत्री बना है। आपकी ताकत की बदौलत उनको झुकना पड़ा है। पड़ोसी राज्यों में उनको आदिवासी मुख्यमंत्री बनाना पड़ रहा है। लेकिन वो रबर स्टांप हैं।

टी-20 में...

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला लिया। यह फैसला तब गलत साबित होने लगा जब भारत ने 34 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। रोहित शर्मा 9, सूर्यकुमार यादव 3 और ऋषभ पंत बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा ने अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर प्रमोट किया। यह दांव चल गया। अक्षर ने 31 गेंद पर 47 रन की पारी खेली। उन्होंने इस पारी में 4 छक्के और एक चौका लगाया। अक्षर पटेल की इस पारी ने विराट कोहली को वह साथी दे दिया, जिसका उन्हें इंतजार था। कोहली ने एक छोर संभाले रखा और 59 गेंद पर 76 रन की पारी खेली। उन्होंने इस दौरान अक्षर के साथ 72 रन की साझेदारी कर भारत को 100 रन के पार पहुंचाया। कोहलीपरिस्थिति के अनुरूप अपने खेल को बदलते रहे। उन्होंने शुरुआत में मार्को यानसेन के एक ओवर में 3 चौके मारे। जब भारत ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवाए तो कोहली ने अपना खेल बदल दिया। उन्होंने तब एक छोर संभाला और भारत को 100 रन के पार पहुंचाया। विराट ने फिफ्टी पूरी करने के बाद फिर तेजी से रन बनाए। विराट 19वें ओवर में जब आउट हुए तो 163 रन हो चुका था। 177 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। ओपनर रीजा हेंड्रिक्स और कप्तान एडेन मार्करम 4-4 रन बनाकर आउट हो गए। जल्दी विकेट लेने की भारत की खुशी तब काफूर होने लगी जब क्विंटन डिकॉक और ट्रिस्टन स्टब्स क्रीज पर डट गए। इन दोनों की जोड़ी नौवें ओवर में अक्षर पटेल ने तोड़ी। उन्होंने स्टब्स (31) को क्लीन बोल्ड कर दिया।

अरविंद केजरीवाल...

आप ने केजरीवाल की रिहाई को लेकर किया प्रदर्शन : आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की रिहाई की मांग को लेकर दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय के निकट प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी डीडीयू मार्ग पर भाजपा मुख्यालय के निकट आप कार्यालय में एकत्र हुए और केजरीवाल की रिहाई की मांग करते हुए भाजपा के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों को भाजपा मुख्यालय की ओर मार्च करने से रोकने की व्यवस्था की गई है क्योंकि विरोध प्रदर्शन के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए अवरोधक लगाये गए हैं और अर्धसैनिक बलों के जवानों को मौके पर तैनात किया गया था।

जजों की तुलना...

कामकाज में टेक्नोलॉजी पर दिया जा रहा जोर : उन्होंने कहा कि किसी क्रिमिनल केस में भी सजा सुनाते समय जज संवेदना के साथ ऐसा करते हैं क्योंकि अंततः किसी इंसान को सजा सुनाई जा रही है। सीजेआई ने कहा, इसलिए मेरा मानना है कि संवैधानिक नैतिकता की ये अवधारणाएं महत्वपूर्ण हैं- न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के जजों के लिए बल्कि जिला स्तर के जजों के लिए भी, क्योंकि न्यायपालिका के साथ आम लोगों का पहला संपर्क जिले की न्याय व्यवस्था के साथ ही शुरू होता है। उन्होंने न्यायपालिका के कामकाज में टेक्नोलाजी के महत्व पर भी जोर दिया।

उनके अनुसार, आम लोगों द्वारा फैसले तक पहुंच और इसे समझने में भाषा सबसे बड़ी बाधा है। टेक्नोलाजी कुछ चीजों का समाधान प्रदान कर सकता है। ज्यादातर फैसले अंग्रेजी में लिखे जाते हैं। टेक्नोलाजी ने हमें उनका अनुवाद करने में सक्षम बनाया है। हम 51,000 फैसलों का दूसरी भाषाओं में अनुवाद कर रहे हैं। सम्मेलन में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम भी मौजूद थे।

झारखंड के

लोस चुनाव में 5 आदिवासी सीटों पर हारी थी भाजपा : हिमंत बिश्व सरमा ने राजधानी रांची में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, पूर्व विधायक सीता सोरेन, भाजपा एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, पूर्व मंत्री सुदर्शन भगत व पूर्व आइपीएस अरुण उरांव शामिल हैं। हिमंत बिश्व सरमा ने इनसे जानना चाहा कि कहां चूक रही कि पार्टी लोकसभा में सभी 5 एसटी सीटों पर पिछड़ गयी।

अर्जुन मुंडा समेत इन नेताओं से अलग-अलग की बात : लोकसभा चुनाव लड़नेवाले प्रत्याशियों अर्जुन मुंडा, गीता कोड़ा, सीता सोरेन व समीर उरांव से अलग बात कर इनका अनुभव जाना। साथ ही झारखंड विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जनजाति के आरक्षित सीटों पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए इनका सुझाव लिया। पूछा कि किन मुद्दों के साथ पार्टी आदिवासियों के साथ सीधा जुड़ सकती है।

नेताओं की ओर से बताया कि आदिवासी समुदाय के कोर इश्यू पर फिर से विचार करने की जरूरत है। केंद्र सरकार की ओर से जनजाति समुदाय के लिए बहुत काम हुए हैं। लेकिन इसके साथ भावनात्मक जुड़ाव जरूरी है। पिछले लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के लोगों ने रणनीति के तहत गलत नैरेटिव सेट कर आदिवासियों के साथ जुड़ने का काम किया। इन्हें बरगलाया।

कहा कि उन सभी मुद्दों को उठाया गया, जो आदिवासी समाज सुनना चाहता है। ऐसे में अब भाजपा को आदिवासियों के कोर इश्यू के साथ जुड़कर इंडिया गठबंधन के गलत नैरेटिव के बारे में आदिवासी समुदाय को अवगत कराने की जरूरत है। हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 14 में से नौ सीटों पर जीत दर्ज की थी। 52 विधानसभा में भाजपा को बढ़त भी मिली, लेकिन राज्य की पांचों आदिवासी सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा। इसी को ध्यान में रख कर भाजपा के सह प्रभारी हिमंता विश्वा सरमा ने जनजाति नेताओं से मुलाकात कर उनका फीडबैक लिया। सीता सोरेन से मुलाकात के बाद हिमंत बिश्व सरमा ने कहा कि सवाल उठ रहे हैं कि दुर्गा सोरेन का निधन हुआ था,तो उनका पोस्टमार्टम क्यों नहीं कराया गया। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को जमानत मिलने के सवाल पर श्री सरमा ने कहा कि कब वह जेल के बाहर आते हैं और फिर अंदर जाते हैं। इसका रिकॉर्ड रखना भाजपा का काम नहीं है। झारखंड में मंत्री के पीए के घर से करोड़ों रुपये बरामद होते हैं। इससे ज्यादा भ्रष्टाचार का क्या प्रमाण चाहिए।

दिल्ली में बारिश ने बरपाया कहर अगले कुछ दिनों के लिए मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में बीते दो दिनों से मेघ बरस रहे हैं। बारिश से लोगों को गर्मी से तो राहत मिली है लेकिन इसने जलजमाव और ट्रैफिक जाम की स्थिति भी पैदा कर दी है। शहर में 88 वर्षों की रिकॉर्ड तोड़ बारिश के साथ मानसून ने दस्तक दी है। वहीं, यहां अगले दो दिनों में भारी बारिश की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग अगले चार दिन भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा दिल्ली में पूरे दिन मध्यम से भारी बारिश की संभावना है, रविवार तथा सोमवार को और अधिक भारी बारिश होने का अनुमान है।'' दिल्ली के रोहिणी और बुराड़ी सहित कई इलाकों में सुबह के समय बारिश हुई। दोपहर बाद भी शहर में कई जगह बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले सात दिन गरज के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान किया है। आईएमडी के अनुसार, एक दिन में 7.6 से 35.5 मिलीमीटर के बीच वर्षा मध्यम वर्षा की श्रेणी में आती है, और एक दिन में 64.5 से 124.4 मिमी के बीच वर्षा भारी वर्षा कहलाती है। इसने कहा कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आर्द्रता का स्तर 80 प्रतिशत रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई सुबह नौ बजे तक 108 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई।

अदालत का आदेश, छह जुलाई को हाजिर हों राहुल गांधी

रांची । मोदी सरनेम को लेकर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को रांची के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में हाजिर होना होगा। कोर्ट ने केस में चार्ज फ्रेम करने पर बहस के लिए 6 जुलाई की तारीख तय की है। कानूनी प्रावधानों के अनुसार, इस दौरान बयान दर्ज कराने के लिए कोर्ट में राहुल गांधी की निजी तौर पर उपस्थिति जरूरी होगी। यह केस रांची के लालपुर निवासी एडवोकेट प्रदीप मोदी ने 23 अप्रैल 2019 को दर्ज कराया था। सिविल कोर्ट में दर्ज शिकायत के अनुसार,राहुल गांधी ने रांची में चुनावी सभा में कहा था कि मोदी सरनेम वाले सभी लोग चोर होते हैं। शिकायत में कहा गया है कि राहुल गांधी की इस टिप्पणी से पूरा मोदी समाज आहत हुआ है। इसकारण उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। रांची सिविल कोर्ट ने मामले को 30 सितंबर 2021 को एमपी एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया। इस पर राहुल ने याचिका दाखिल कर उपस्थिति से छूट मांगी, जिसे सुनवाई के बाद अदालत ने पहले ही खारिज कर दिया है।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, चार मरे

चेन्नई । तमिलनाडु के विरुधुनगर में एक पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट के बाद 4 श्रमिकों की मौत हुई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि विस्फोट और आग लगने का कारण पटाखा बनाने में रासायनिक पदार्थों का गलत तरीके से इस्तेमाल होना बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इकाई के नजदीक मौजूद एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने बताया कि पटाखा निर्माण इकाई की इमारत को भी इस घटना में नुकसान पहुंचा है।

प्रज्वल रेवन्ना को नहीं मिली राहत आठ जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) की एक अदालत ने आज (29 जून) को सेक्स वीडियो कांड के मुख्य आरोपी पूर्व जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना को 8 जुलाई (सोमवार) तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। प्रज्वल को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अदालत में पेश किया क्योंकि उसकी पुलिस हिरासत शनिवार को समाप्त हो गई थी। प्रज्वल के वकील ने कहा कि बीमारी की पृष्ठभूमि में प्रज्वल को एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। हालाँकि, अदालत ने उन्हें जेल अधिकारियों को इस संबंध में एक याचिका प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि अगर जेल अधिकारी अनुमति देंगे तो मामले की सुनवाई सोमवार को की जायेगी। प्रज्वल को बेंगलुरु के बाहरी इलाके परप्पाना अग्रहारा के केंद्रीय कारागार में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने प्रज्वल को उसके खिलाफ दर्ज चौथे यौन मामले के सिलसिले में अपनी हिरासत में लिया था। प्रज्वल के भाई जद (एस) एमएलसी सूरज रेवन्ना को भी जद (एस) पुरुष कार्यकर्ताओं द्वारा दर्ज किए गए जबरन अप्राकृतिक यौन संबंध के मामले में गिरफ्तार किया गया था और आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा उनकी जांच की जा रही है। उनके पिता एचडी रेवन्ना, जद (एस) विधायक, को जेल हुई और सशर्त जमानत पर रिहा कर दिया गया। सेक्स वीडियो स्कैंडल से जुड़े अपहरण के एक मामले में मां भवानी रेवन्ना भी सशर्त जमानत पर बाहर हैं।

अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश से भूस्खलन, सड़क संपर्क टूटा

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश से भूस्खलन के बाद सड़कों से संपर्क टूट गया है। पश्चिम सियांग जिले के आलो से शियोमी जिले में मेचुखा तक की एक प्रमुख सड़क रोइंग और पेने गांव के बीच क्षतिग्रस्त हो गई। शियोमी जिला सूचना और जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। सीमा सड़क संगठन ने सड़क से मलबा हटाने का काम शुरु कर दिया है और मशीनों की मदद ली जा रही। यदि मौसम सही रहा तो शनिवार शाम तक हल्के मोटर वाहनों के लिए सड़क को खोल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सियांग जिले के तारक गांव के पास पासीघाट-पंगिन-आलो सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके चलते कई वाहन फंस गए हैं। ईटानगर में जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय राजमार्ग-415 के किनारे अवैध निर्माण के खिलाफ एक अभियान चलाया है। इन अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया है जो नालियों को अवरुद्ध कर रहे थे।

बिजली गिरने से महिला समेत चार की मौत, कई मवेशी भी झुलसे

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। वहीं चार बकरियां भी इसका शिकार हुईं हैं। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक किशनपुर थाना क्षेत्र के झुरहापुर मजरे गढ़ा गांव निवासी रामकृपाल की पत्नी कैरी देवी (50) बकरियां को चराने गई थी। इस दौरान अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। बारिश से बचने महिला पेड़ के नीचे छिप गई, तभी गरज और चमक के साथ उस पर बिजली गिर गई। इस हादसे में महिला की झुलसने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं खेतों में चर रहीं चार बकरियां भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। उधर, गाजीपुर थाना क्षेत्र के देवलान गांव निवासी कैलाश पुत्र रामपाल (48) और 42 वर्षीय सीताराम अपने-अपने मवेशियों को लेकर चराने जंगल गए थे। इस बीच आकाशीय बिजली गिरने से दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। एक साथ दो मौतों से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं गांव में मातम छा गया। इसी तरह सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के अस्तुपुर गांव में अचानक बारिश के बीच गाज गिरने से एक 16 वर्षीय किशोरी की भी मौत हो गई। बिजली के कहर के शिकार इन सभी शवों को संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिल्ली ही नहीं, अन्य देशों में भी हुए हैं हवाई अड्डे पर छत गिरने के हादसे

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल एक की छत गिरने से एक शख्स की मौत और लगभग आठ लोगों के घायल हो गए। ऐसे खतरनाक और दुखदायी हादसे भारत ही नहीं, दुनिया भर में हुए हैं। जर्मनी के कोलोन बॉन हवाई अड्डे पर टर्मिनल पर 25 दिसंबर 2008 में हुई घटना याद करके रुह कांप जाती है। एक भयानक हादसे में जहां टर्मिनल 25 की छत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। भारी बर्फबारी के कारण यह हुआ। टर्मिनल हाल ही में बनाया गया था और इसके डिजाइन में स्पष्ट रूप से भारी बर्फ जमा होने के वजन को ध्यान में नहीं रखा गया था। भारी बर्फबारी के कारण ऐसा हुआ। राहत की बात यह रही ?कि हवाईअड्डा खुलने से पहले सुबह-सुबह यह हादसा हुआ, वरना कई लोगों की जान जाने का खतरा था।

स्टॉलिन ने प्रधानमंत्री समेत आठ सीएम को लिखा पत्र, कहा- बंद हो नीट परीक्षा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को एक बार फिर केंद्र सरकार से राज्य को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा से छूट देने और राष्ट्रीय स्तर पर इस परीक्षा को समाप्त करने की मांग की है। तमिलनाडु को नीट से छूट देने के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए चयन प्रक्रिया केवल 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर होनी चाहिए न कि इसके लिए अलग से प्रवेश परीक्षा कराई जानी चाहिए क्योंकि इससे छात्रों पर अधिक तनाव पड़ता है।

इसके साथ ही स्टालिन ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लिखे पत्र में कहा, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट-यूजी की परीक्षा में अनियमितताओं की हालिया घटनाओं ने देश में मेडिकल कोर्स करने के इच्छुक कई मेहनती उम्मीदवारों के सपनों को चकनाचूर कर दिया है। यह व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्र के गरीब युवाओं को मेडिकल में स्नातक करने के सपने पूरे करने से भी वंचित कर रही है। इसके अलावा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को लिखे अलग-अलग पत्रों में स्टालिन ने उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी-अपनी विधानसभाओं में नीट परीक्षा को समाप्त करने के लिए इसी तरह का प्रस्ताव पारित करने पर विचार करें। उन्होंने लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी पत्र लिखकर तमिलनाडु को नीट परीक्षा से छूट देने की मांग पर उनका समर्थन मांगा है।

राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार

स्टालिन ने अपने पत्र में कहा, हमने तमिलनाडु में नीट परीक्षा न कराने और 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रदान करने के लिए अपनी विधानसभा में सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया था। इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया है, लेकिन अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु विधानसभा ने उपरोक्त बताई गई मांग के संबंध में आज विधानसभा में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें केंद्र सरकार से आग्रह किया गया कि वह तमिलनाडु को नीट से छूट देने के लिए विधेयक पर अपनी सहमति जताए और राष्ट्रीय स्तर पर इस चयन प्रक्रिया को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम में संशोधन करे।

'हेमंत, अरविंद केजरीवाल बेकसूर, मोदी व शाह के इशारे पर किया जा रहा परेशान'

मुंबई। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर शिवसेना यूबीटी के राज्य सभा सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर बड़ा हमला बोला है। राउत ने कहा कि कोर्ट में ईडी सबूत नहीं दे पा रही है। इस देश की एजेंसी मोदी और शाह की प्राइवेट एजेंसी बन गई है। उनके इशारे पर जांच होती है। राउत ने कहा कि हेमंत सोरेन के मामले में यही हुआ है। केजरीवाल भी निर्दोष हैं। राउत ने अपने मामले का जिक्र कर कहा कि अनिल देशमुख भी निर्दोष है। इसकारण कोर्ट भी मान रही है कि ईडी की कार्रवाई परेशान करने के लिए हैं। इतना ही नहीं सांसद राउत कहा कि दिल्ली सरकार में मंत्री रहे सत्येंद्र जैन भी निर्दोष हैं। राउत ने कहा कि ईडी और सीबीआई ने 10 साल में जितने भी नेताओं को गिरफ्तार किया है, उनके खिलाफ एजेंसियों को कोई सबूत नहीं मिले हैं। मैं इसका उदाहरण हूं। अनिल देशमुख के खिलाफ कोई सबूत नहीं है, केजरीवाल जी को पकड़ा है, कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है, आप उन्हें परेशान कर रहे हैं। सोरेन के बारे में भी यही कहा है। इस देश की एजेंसी मोदी-शाह की प्राइवेट एजेंसी बन गई है। हेमंत सोरेन बेकसूर थे।

कांग्रेस का आरोप, क्या नकल, कोचिंग और शिक्षा माफिया को बचाना चाहती है मोदी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक और एनडीए सरकार के बीच नीट विवाद को लेकर तीखी नोकझोंक देखने में मिली। इस पर कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा के लोग सदन की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। लोकसभा में नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए सभी विधायी गतिविधियों को स्थगित करने की कांग्रेस की मांग के कारण सदन में हंगामा हुआ, जिसके कारण स्पीकर ओम बिरला को कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि भाजपा के लोग सदन की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। अगर राहुल गांधी नीट पर एनडीए सरकार के सहयोग की बात करते हैं, तो क्या ये अराजकता है, क्या उनका माइक बंद किया जाना चाहिए। 24 लाख बच्चों के भविष्य की बात है। करोड़ों परिवार उनके साथ जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि क्या मोदी सरकार नकल, कोचिंग और शिक्षा माफिया को बचाना चाहती है। क्या संसद में नीट का मुद्दा उठाना गलत है। छात्रों की आवाज उठाना क्या गलत है। अगर ये अराजकता हैं, तब राहुल गांधी इस तरह की अराजकता बार-बार करने वाले है। कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा, सत्ता पक्ष को समझना चाहिए कि अराजकता क्या होती है। अराजकता माइक बंद करना है। अराजकता अभिमान से बात करना है और प्रतिपक्ष को सम्मान न देना है। अराजकता नीट के बच्चों के साथ खिलवाड़ करना है।

भाजपा सांसद डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी की ओर से नेहरू के मुकाबले पीएम मोदी को अतुलनीय पीएम बताने पर राजपूत ने कहा कि सुधांशु पीएम मोदी की चाटुकारिता नहीं करेंगे, तब किसी की करेंगे। वे मोदी जी की कृपा पर हैं, यही लोकतंत्र का दुर्भाग्य है। अगर आप ऐसी बातें करते हैं, तब योग्यता के दम पर नहीं, चाटुकारिता से राज्यसभा की सीट पाते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, नेहरू ने देश को स्वावलंबी बनाया। उन्होंने आईआईटी की स्थापना की। इसरो की स्थापना की। तमाम पीएसयू बनाए। किस बात की तुलना कर रहे हैं। नेहरू ने देश के संसाधन बनाए और पीएम मोदी ने इन संसाधन को बेचा। ओपी राजभर का वीडियो सामने आने के बाद राजपूत ने कहा कि उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर जेल में डालना चाहिए। अगर योगी सरकार ऐसा नहीं करती हैं, तब ये माना जाएगा कि सरकार भी इसमें शामिल है।

नीतीश का एलान, अब हमेशा एनडीए गठबंधन का रहेंगे हिस्सा

-जेडीयू ने सांसद संजय झा को बनाया पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष

पटना (एजेंसी)। बिहार में सत्तारुढ़ गठबंधन का नेतृत्व कर रहे जनता दल युनाइटेड ने आज अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अहम फैसले लिए। बिहार के सीएम और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि सांसद संजय झा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। इसके अलावा पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समक्ष नीतीश कुमार ने ऐलान किया कि वह अब हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे।

माना जा रहा है कि नीतीश के इस ऐलान से उन अटकलों पर विराम लग गया है जिसमें दावा किया जा रहा था कि वह दोबारा इंडिया गठबंधन में लौटने की राह तलाश रहे हैं। बैठक के बाद पार्टी प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सामने घोषणा की है कि अब वे हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार हाईकोर्ट द्वारा रोके गए आरक्षण को लेकर हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

उन्होंने यह कहा कि राज्यसभा सांसद संजय झा को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी का अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी ने बिहार को विशेष दर्जा या विशेष वित्तीय पैकेज देने की केंद्र सरकार से मांग की है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जद (यू) ने पेपर लीक मामले के आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए संसद में कठोर कानून बनाने की भी मांग की है।

बता दें कि दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के सभी सांसद, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, रामनाथ ठाकुर बिहार और अन्य राज्यों के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक में हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के विश्लेषण के साथ ही 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।

राजस्थान के कारोबारी का चीन में अपहरण....फिर मर्डर

-किडनैपर्स ने 1 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी

जालौर (एजेंसी)। राजस्थान के जालौर जिले के बिजनेसमैन का चीन में अपहरण हुआ है। किडनैपर्स ने बिजनेसमैन को छोड़ने की एवज में 1 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। फिरौती की रकम नहीं मिलने पर उसकी हत्या कर दी गई। चीन में हत्या का शिकार का हुआ यह बिजनेसमैन मुंबई में मोबाइल का कारोबार करता था। इसकारण बिजनेस के सिलसिले में चीन आता-जाता रहता था। अब परिजन उसके शव को भारत लाए जाने का इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए वे जालौर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी से संपर्क कर विदेश मंत्रालय के माध्यम से कानूनी प्रक्रिया में जुटे हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार कारोबारी की हत्या की यह वारदात आठ दिन पहले हुई थी। हत्या का शिकार हुआ कारोबारी सतीश कुमार (26) मुंबई में मोबाइल का कारोबार करता था। उसका परिवार भीनमाल में कृषि फार्म में रहता है। सतीश चीन से सामान खरीदकर मुंबई में होलसेल में दुकानदारों को बेचता था। इसके लिए उसका महीने या दो महीने चीन आना जाना लगा रहता था। वह जून के महीने में भी चीन गया था। वहां बीते 21 जून को उसका अपहरण कर लिया गया।

सतीश के परिजनों के मुताबिक किडनैपर्स ने उससे 1 करोड़ रुपये की फिरौती डिमांड की। 24 जून तक सतीश कुमार का मोबाइल चालू था। वह परिजनों को खुद के अपहरण और अपहरणकर्ताओं की मांग के बारे में बता रहा था। फिरौती की रकम मुंबई के एक व्यापारी को तक पहुंचाने के लिए कहा गया था। उसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। 24 जून को उसके भाई के मोबाइल पर सूचना दी गई की सतीश कुमार नाम के शख्स की चीन के ग्वांगजो सिटी में लाश मिली है। यह सुनकर सतीश के परिवार में कोहराम मच गया। सतीश कुमार के तीन रिश्तेदार चीन जाने के दिल्ली पहुंच गए। वहां उन्होंने सांसद चौधरी से उनके आवास पर मुलाकात कर घटना के बारे में बताया।

सांसद ने मामले को गंभीरता से लेकर तीनों रिश्तेदारों को चीन का वीजा आवेदन करवाकर विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से संपर्क साधा। विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र मेल कर चीन जाने का वीजा और बॉडी भारत लाने के लिए कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की है। सतीश के परिजन मोहनलाल माली ने बताया कि सतीश कुमार के अपहरण और हत्या में चीन के साथ साथ कुछ भारतीय लोगों की मिलीभगत की आशंका है।

कमर तोड़ महंगाई में लोगों के मुंह से निवाला छीन रही एनडीए सरकार : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि मोदी सरकार का महंगाई पर कोई भी नियंत्रण नहीं रह गया है। एक साल में खाद्य पदार्थों की कीमतों में तीन गुणा बढ़ोतरी से साफ है कि मोदी सरकार जनता के मुंह से निवाला छीन रही है। महीने भर में सिर्फ खान-पान पर आम भारतीय परिवार का खर्च 16400 रुपए तक पहुंचना बेहद डरावने वाला है। कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा ने कहा कि देश में रोजमर्रा जरूरत की चीजों के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स मई 2024 में 8.69 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो मई 2023 में 2.91 प्रतिशत पर था। वहीं बीते साल की तुलना में खाद्य तेल के दाम 30 प्रतिशत और दालों के दाम औसतन 20 प्रतिशत अधिक हैं।

सांसद सैलेजा ने कहा कि घर खर्च में करीब 24 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले किराने के सामान के दाम भी आसमान छू रहे हैं। बीते दो महीने में ही साबुन, हेयर ऑयल जैसी रोजमर्रा की चीजों के दाम 02-17 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। जबकि, रूटीन में प्रयोग होने वाले दूध, डेयरी प्रोडक्ट व सब्जियों के दाम तेजी से बढ़े हैं ही, इसमें अभी और बढ़ोतरी की प्रबल संभावना बनी हुई हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि अप्रैल-जून तिमाही में टमाटर 37.6 प्रतिशत, प्याज 89.4 प्रतिशत और आलू के दाम में 81.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। जबकि, एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि जनवरी-मार्च के तीन महीनों में लोगों को ग्रॉसरी (किराना, सब्जी, दूध, अंडे, ब्रेड, पनीर आदि) पर 49418 रुपए खर्च करने पड़े हैं। यानी, हर महीने एक आम भारतीय परिवार किराने पर 16400 रुपए से अधिक खर्च करने को मजबूर हैं।

सांसद ने कहा कि इतने भारी भरकम मासिक खर्च की मजबूरी के सामने एक आम परिवार बेबस हैं, जिनकी महीने की कमाई ही 15 हजार रुपए तक है। बढ़ती महंगाई से उनके सामने परिवार चलाने का संकट खड़ा होने लगा है। परिवार के परिवार जान दे रहे हैं और इस तरह की खबरें अखबारों में अक्सर सुर्खियां बन रही हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाकर महंगाई पर अंकुश लगाना चाहिए। देश की जनता का भूखी न रहे, इस तरह के इंतजाम करने चाहिए। वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि का क्रम इतना तीव्र है कि व्यक्ति जब फिर से उसी चीज को दोबारा खरीदने जाता है, तब वस्तु का मूल्य पहले से अधिक हो चुका होता है।

बम बम भोले के जयकारे के साथ शुरु अमरनाथ यात्रा.....पहले जत्थे ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

-यात्रियों की सुरक्षा में 2 लाख से ज्यादा सैनिक तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के लिए निकला तीर्थयात्रियों का पहला जत्था पवित्र गुफा तक पहुंच गया है। बाबा बर्फानी के दर्शन भी हो गए हैं। अमरनाथ यात्रा के शुरु होते ही बम बम भोले के जयकारे पहलगाम और बालटाल में सुनाई दे रहे है। इस यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का पहला जत्था शुक्रवार को कश्मीर पहुंचा था।

भोलेनाथ के भक्तों का पहला जत्था अमरनाथ पहुंच चुका है और उन्हें भगवान शिव के दर्शन भी मिल चुके हैं। बाबा बर्फानी की इस साल की पहली तस्वीरें भी सामने आई हैं। इन तस्वीरों में भक्तों को भोलेनाथ के दर्शन करते देखा जा सकता है। वहीं, बड़ी संख्या में यात्री रास्ते में हैं और दर्शन के लिए अमरनाथ गुफा की ओर बढ़ रहे हैं।

पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए यात्रियों का पहला जत्था शुक्रवार सुबह रवाना कर दिया गया था। यात्रियों का पहला जत्था जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से सुबह 4 बजे पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हुआ था। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू से झंडा दिखाकर तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया। इसके पहले एलजी मनोज सिन्हा ने मंदिर में पूजा-अर्चना भी की थी।

मौसम विभाग ने 28 जून से 10 जुलाई तक बारिश की संभावना जाहिर की है। इसके बाद पूरे आसार हैं कि पहले सप्ताह यात्रा बारिश के बीच जारी रहेगी। 14 हजार 500 फुट की ऊंचाई पर बाबा बर्फानी की गुफा तक पहुंचने के दो रास्ते हैं। तीर्थयात्रियों की सेवा के लिए पूरे रास्ते में 135 से ज्यादा लंगर सेवा के लिए लगाए गए हैं।

2 लाख से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात

यात्रा पर आतंकी हमले के खतरे को देखकर 2 लाख से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। हर रोज 15 हजार यात्रियों को बाबा बर्फानी के दर्शन करने की अनुमति है। यह यात्रा श्रावण पूर्णिमा यानी राखी पूर्णिमा तक चलेगी। यात्रा को ध्यान में रखते हुए महादेव के दरबार को काफी अच्छे से सजाया गया है। यात्रियों को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो, इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। यात्रियों के खाने-पीने से लेकर अन्य सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। बेस कैंप पर यात्रियों के लिए बिस्तर से लेकर उनकी सुरक्षा की भी पूरी तैयारी की गई।

भारत के आधे लोग आलसी, शारीरिक मेहनत करने में रुचि नहीं

-एक रिपोर्ट में हुआ खुलासा, कोई मधुमेह तो कोई मोटापे से है परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जहां लोग मेहनत के लिए जाने जाते हैं भारत में कई क्षेत्रों में लोगों ने अपनी मेहनत से बड़े बड़े कामों को अंजाम दिया है। पहाडों को खोद का रास्ता बनाया कहीं पथरीली जमीन खोद पानी निकाला है। वहीं एक रिपोर्ट में सामने आई है। जिसमें भारत के लोगों को शारीरिक श्रम करने में काफी आलसी बताया गया है। एक अध्ययन के मुताबिक 2022 में भारत में करीब 50 फीसदी लोग अपर्याप्त स्तर की शारीरिक श्रम करते हैं। अध्ययन में पाया गया कि भारत में पुरुष 42 फीसदी की तुलना में महिलाएं 57 फीसदी कम शारीरिक काम करती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं में शारीरिक काम करने का अपर्याप्त स्तर पुरुषों की तुलना में औसतन 14 फीसदी ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ समेत शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र वयस्कों के अपर्याप्त रूप से शारीरिक रूप से सक्रिय होने के मामले में उच्च आय वाले एशिया प्रशांत इलाके के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक स्तर पर करीब एक तिहाई लोग 31.3 फीसदी शारीरिक श्रम नहीं करते। ये आंकड़ा 2010 के मुकाबले और बढ़ गया है। तब दुनिया में अपर्याप्त रूप से शारीरिक काम करने वाले 26.4 फीसदी लोग थे, जो अब पांच फीसदी ज्यादा हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि भारत में साल 2000 में 22 फीसदी से थोड़ा ज्यादा वयस्क अपर्याप्त शारीरिक श्रम करने में संलग्न थे, जबकि 2010 में करीब 34 फीसदी वयस्क अपर्याप्त रूप से शारीरिक रूप से सक्रिय थे। उन्होंने अनुमान लगाया कि यदि वर्तमान रुझान जारी रहे, तो 2030 में 60 फीसदी वयस्क अपर्याप्त रूप से शारीरिक श्रम करने वालों में जुड़े हो सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च-इंडिया डायबिटीज के एक अध्ययन में पाया गया है कि 2021 में भारत में 101 मिलियन लोग मधुमेह बीमारी से पीड़ित थे और उसी साल करीब 315 मिलियन लोगों को हाई बीपी था। अध्ययन के मुताबिक इसके अलावा 254 मिलियन लोग मोटापे से ग्रस्त हैं और 185 मिलियन लोगों में एलडीएल या खराब कोलेस्ट्रॉल से ग्रस्त हैं।

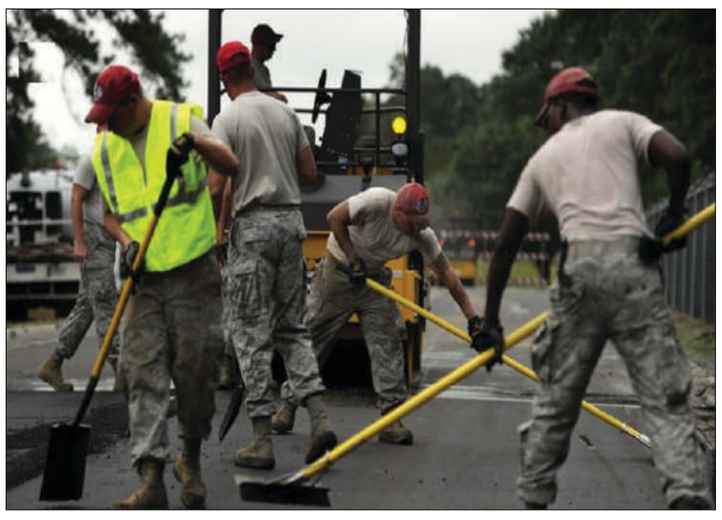

शेफाली का महिला टेस्ट में सबसे तेज दोहरा शतक

रोहतक में पिता बोले- रिकॉर्ड टूटने के लिए बनते हैं, एक भी गलत शॉट नहीं मारा

रोहतक (एजेंसी)। सहवाग के नाम से मशहूर रोहतक की शेफाली वर्मा ने महिला क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर कीर्तिमान स्थापित किया है। चेन्नई में खेले जा रहे भारतीय महिला क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच मैच में महिला क्रिकेट टीम में सहवाग के नाम से मशहूर रोहतक की शेफाली वर्मा ने महिला क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर कीर्तिमान स्थापित किया है। इस पर हर तरफ खुशी का माहौल है। अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर शेफाली के पिता संजीव वर्मा ने कहा कि आज खेली गई पारी को देखकर ऐसा लगता है कि उसने एक भी गलत शॉट नहीं मारा। मैच से पहले जब हमारी बात हुई थी तो मैंने उससे कहा था कि डरकर मत खेलो। निडर होकर अपने शॉट लगाओ, परिणाम देखेंगे। उसने उसी के अनुसार बेहतर खेल दिखाया है।

● **शतक का इंतजार कर रहे थे –** शेफाली के पिता संजीव वर्मा ने कहा कि वह शतक का इंतजार कर रहे थे, लेकिन शेफाली ने दोहरा शतक लगाकर कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। रिकॉर्ड टूटने के लिए बनते हैं और हो सकता है कि शेफाली अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी शेफाली से बात हुई है और उन्होंने इसके लिए उसे बधाई दी है और अच्छा खेलने को भी कहा है। अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर संजीव वर्मा बेहद खुश हैं और उन्होंने भगवान का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने उस अकादमी का भी धन्यवाद किया जहां शेफाली वर्मा ने अभ्यास किया और उन कोचों का भी जिन्होंने उन्हें क्रिकेट के गुण सिखाए।

शेफाली ने 197 गेंद में बनाए 205 रन

भारतीय महिला टीम की ओपनर बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने चेन्नई के एमए चिंदबरम स्टेडियम में साउथ अफ्रीका की टीम के विरुद्ध खेलते हुए सबसे तेज दोहरा शतक लगाया है। शेफाली वर्मा ने 113 गेंद में अपना शतक पूरा किया। वहीं 194 गेंद में 8 छक्के और 22 चौक की मदद से दोहरा शतक बनाकर सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाली महिला बन गई है।
उन्होंने कुल 197 गेंद पर 205 रन बनाए और यह उनके टेस्ट करियर का सबसे बेस्ट स्कोर साबित हुआ है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी एनाबेल सदरलैंड 248 गेंद पर दोहरा शतक लगाया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टेस्ट में बनाया सबसे बड़ा स्कोर

छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की पारी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के नौ विकेट पर 575 रन के पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया।

भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाने के बाद पहली पारी छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की।

ऑस्ट्रेलिया ने इस साल पर्थ में यह स्कोर बनाया था लेकिन ऋचा घोष (86 रन) के एनेरी डर्कसन के 109वें ओवर की शुरूआती गेंद पर चौका लगाते ही भारत ने नया रिकॉर्ड बना दिया। इस उपलब्धि का श्रेय काफी हद तक भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (205 रन) और स्मृति मंधाना (149 रन) को जाता है जिन्होंने 292 रन की ऐतिहासिक

साझेदारी निभाई जो महिला क्रिकेट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी है।

जेमिमा रोड्रिग्स (55 रना) के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर (69 रन) और ऋचा ने अर्धशतक बनाकर योगदान दिया। भारतीय महिला टीम ने पहले दिन चार विकेट पर 525 रन बनाए थे जो टेस्ट मैच में एक दिन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी था।

इससे उसने श्रीलंकाई पुरुष टीम के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया जिसने 2002 में कोलंबो में बांग्लादेश के खिलाफ नौ विकेट पर 509 रन बनाए थे।

गणपति अथर्वशीर्ष में टीम इंडिया की जीत के लिए किया गया पाठ

उज्जैन के सिद्धि विनायक मंदिर में पूजा ; महाकाल से भी की गई प्रार्थना

उज्जैन (नप्र)। टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की जीत के लिए पूजा-पाठ, प्रार्थनाएं हो रही थी। उज्जैन में महाकाल मंदिर के परिसर में स्थित श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में गणपति अथर्वशीर्ष पाठ हुआ। भगवान के सामने इंडियन टीम के खिलाड़ियों की फोटो रखकर जीत की कामना की गई थी।

सिद्धि विनायक मंदिर के पुजारी चम्मू गुरु ने कहा कि हर भारतीय यही चाहता है कि टीम इंडिया वर्ल्ड कप लेकर लौटे। इसीलिए भगवान महाकाल और श्री गणेश से भारतीय टीम की जीत की प्रार्थना की है। श्रद्धालु दर्शन के दौरान अपने साथ टीम इंडिया का फोटो भी लेकर आए थे।

जबलपुर में बीजेपी पार्षद कमलेश अग्रवाल ने विजय नगर स्थित दुर्गा मंदिर में कार्यकर्ताओं के साथ पूजा की। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भारतीय टीम खेल रही है, उसको देखते हुए लग रहा है कि भारत ही विश्व कप मैच जीतेगी।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मैच शनिवार रात 8 बजे इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेला। इस टूर्नामेंट में दोनों टीमें अब तक एक भी मैच नहीं हारी हैं।इससे पहले दोनों टीमें कभी टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में नहीं भिड़ीं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी टीम इंडिया को दी शुभकामनाएं–मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी टीम इंडिया को जीत के लिए शुभकामनाएं दीं। सीएम शनिवार को छिंदवाड़ा दौरे पर हैं।

अमरवाड़ा विधानसभा के सिंगोड़ी गांव में उन्होंने पूर्व सरपंच रेखा कैलाश साहू के घर भोजन किया। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, बाबा महाकाल की कृपा से भारत विजेता बनेगा।

रोहित बड़े खिलाड़ी हैं, टी20 विश्व कप जीतने के हकदार : शोएब अख्तर

बारबाडोस (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टी20 वर्ल्ड के सेमीफाइनल

में इंग्लैंड पर भारत की 68 रन की जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की उनके नेतृत्व गुणों की सराहना करते हुए उन्हें एक निःस्वार्थ कप्तान करार दिया। शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में 39 गेंदों पर 57 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे। बहरहाल, अपने यूट्यूब चैनल पर अख्तर ने भारतीय टीम के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया और कहा कि टीम इंडिया रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने की दावेदार है। अख्तर ने कहा कि रोहित शर्मा ने बार-बार कहा है कि वह प्रभाव डालना चाहते हैं और ट्रॉफी जीतना चाहते हैं और इसलिए वह कप जीतने के हकदार हैं। वह एक बड़े खिलाड़ी हैं और इसका अंत बड़े पैमाने पर होना चाहिए। वह एक निस्वार्थ कप्तान हैं, टीम के लिए खेलते हैं। अख्तर ने 2023 वनडे विश्व कप में टीम इंडिया की हार पर भी निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा भारत के टूर्नामेंट जीतने के पक्ष में था।

पिछले साल जब भारत विश्व कप नहीं जीत सका तो मुझे दुख हुआ क्योंकि उन्हें इसे नहीं हारना चाहिए था क्योंकि वे जीत के हकदार थे। बता दें कि टीम इंडिया

ने सेमीफाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 171/7 रन बनाए थे। इसमें सूर्यकुमार यादव (36 गेंदों पर 47 रन) और हार्दिक पंड्या और रवींद्र जड़ेजा का योगदान रहा। गेंदबाजी विभाग में इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन उल्लेखनीय रहे, उन्होंने अपने स्पेल में 37 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 16.4 ओवर में कुल 103 रन पर ऑल आउट हो गई। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक और जोस बटलर ने कुछ रन बनाए लेकिन यह काफी नहीं थे। भारत के लिए अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने तीन-तीन विकेट लिए, जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लिए।

जसप्रीत बुमराह ने कप्तान के लिए दिल खोलकर रख दिया, कहा

रोहित काफी फ्रीडम देते हैं...

बारबाडोस (एजेंसी)। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह 37 वर्षीय बल्लेबाज शानदार है। मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 में रोहित शर्मा टूर्नामेंट में तीसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 7 मैचों में 155.97 के स्ट्राइक रेट से 248 रन बनाए हैं। आईसीसी के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक वीडियो में बात करते हुए बुमराह ने कहा कि पिछले एकदिवसीय विश्व कप 2023 में रोहित बहुत सक्रिय थे। बुमराह ने खुलासा किया कि भारतीय कप्तान ने अपने खिलाड़ियों को काफी आजादी दी थी।

कप्तान रोहित की बुमराह ने की जमकर सरहाना – जसप्रीत बुमराह ने रोहित को लेकर कहा, रोहित शर्मा असाधारण रहे हैं। यहां तक कि पिछले विश्व कप में भी आप जानते हैं वह सक्रिय रहे हैं। वह अपने खिलाड़ियों को बहुत फ्रीडम देते हैं।

इंजमाम के बयान पर भड़के रोहित शर्मा

हमें मत सिखाओ, अपने दिमाग का इस्तेमाल करो

बारबाडोस (एजेंसी)। टीम इंडिया के गेंदबाजों पर गेंद से छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक को मौजूदा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने दिमाग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। रोहित के इस बयान पर इंजमाम भड़क गए हैं। उन्होंने एक टीवी शो के दौरान रोहित पर तीखे हमला करते हुए कहा है कि वह उन्हें न सिखाएं कि क्या कहना है और क्या नहीं। बता दें कि इंजमाम ने टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्शदीप सिंह द्वारा फेंके गए 15वें ओवर में मिल रही गेंद रिवर्स-स्विंग पर सवाल उठाए थे।

भारत की 24 रनों से जीत के बाद इंजमान ने दावा किया कि गेंद पर गंभीरता से काम किया गया है। लेकिन भारतीय कप्तान ने पलटवार किया और धूप में रिवर्स-स्विंग की बारीकियां बताईं। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से पहले इंजमाम के आरोपों पर कहा था कि यहां के विकेट काफी शुष्क हैं। सभी टीमों को रिवर्स (स्विंग) मिल रही है। आपको अपना दिमाग खुला रखने की जरूरत है। यह ऑस्ट्रेलिया नहीं है।

बहरहाल, पाकिस्तान के एक टीवी शो पर इंजमाम ने कहा कि आप किसी ऐसे व्यक्ति को कुछ नहीं सिखाते जिसने वास्तव में दुनिया को सिखाया हो। उसे बताएं कि ये बातें कहना सही नहीं है। हम निश्चित रूप से अपने दिमाग का उपयोग करेंगे लेकिन पहली बात यह है कि उन्होंने (रोहित) स्वीकार किया कि ऐसा हो रहा है। तो इसका मतलब है कि हमने जो देखा वह सही है। दूसरी बात, रोहित को हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि रिवर्स स्विंग कैसे काम करती है, कितनी धूप में काम करती है। मैंने अंपायरों को केवल सुझाव दिया था कि अपनी आंखें खुली रखें क्योंकि 15वें ओवर में गेंद घूम रही थी और मैं अभी भी अपना रुख बनाए हुए हूं। मैं उनसे फिर कहूंगा अपनी आंखें खुली रखें। क्या हो रहा है? इंजमान का उनके साथी पैनलिस्ट पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलीम मलिक भी समर्थन करते हुए नजर आए। हालांकि उक्त मामले पर पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि इस मामले को रिपोर्टर को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं थी। हालांकि सहवाग ने यह भी कहा कि अगर वह रोहित की जगह होते तो ऐसी किसी भी टिप्पणी से बचते। बता दें कि भारत टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में पहुंच गया है और 29 जून को बारबाडोस में ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका के साथ खेलेगा।

कैफ ने कोहली का समर्थन किया, कहा- धोनी का भी 2011 में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने विश्वास व्यक्त किया है कि विराट कोहली एमएस धोनी जैसा वीरतापूर्ण प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, जैसा उन्होंने 2011 वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारबाडोस में किया था। कैफ ने कोहली के मौजूदा फॉर्म और 2011 विश्व कप में धोनी के सफर के बीच तुलना की। उन्होंने प्रशंसकों को याद दिलाया कि धोनी ने एक असाधारण टूर्नामेंट नहीं खेलने के बावजूद श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में मौके का फायदा उठाया, नाबाद 91* रन बनाए और लॉन्ग ऑन पर एक यादगार छक्का लगाकर जीत सुनिश्चित की।

कैफ ने सुझाव दिया कि कोहली, जिन्होंने अभी तक इस टूर्नामेंट में कोई खास प्रदर्शन नहीं किया है, उनमें धोनी के वीरतापूर्ण प्रदर्शन की नकल करने की क्षमता है। कैफ ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, विराट कोहली को यह याद रखना चाहिए कि 2011 में धोनी का

भी विश्व कप अच्छा नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल कर ली। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, जो गेंद को अपनी योग्यता के अनुसार खेल सकते हैं और किसी भी गेंदबाजी आक्रमण पर हावी हो सकते हैं। कुलसेकरा की गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर धोनी का छक्का सभी के दिमाग में बसा हुआ है। इसलिए मुझे लगता है कि विराट कोहली के पास हीरो बनने का शानदार मौका है।

पिछले आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत के लिए अहम भूमिका निभाने वाले कोहली इस टूर्नामेंट में अभी तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं। हालांकि कैफ ने उन्हें वनडे विश्व कप में ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके शानदार शतक की याद दिलाई और कोहली को उस पारी से आत्मविश्वास लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा, उन्हें यह भूल जाना चाहिए कि वह खराब फॉर्म में हैं। उन्होंने तब शतक लगाया था, जब भारत ने आखिरी बार वनडे विश्व कप में ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उस दिन वह शानदार थे और उन्होंने बहुत अच्छा खेला, लेकिन वह उस दिन शानदार प्रदर्शन नहीं कर रहे थे, बल्कि उचित क्रिकेट शॉट्स के साथ गेंद को योग्यता के अनुसार खेल रहे थे। भारत का फाइनल तक का सफर शानदार रहा है, जिसमें शीर्ष मुकाबले तक वह अजेय रहा है। 11 साल से कोई बड़ा आईसीसी खिताब नहीं जीतने वाली टीम अपने खिताबी सूखे को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

सरकार ने बदला ईपीएस से पैसे निकालने का नियम

- कर्मचारी पेंशन योजना के 7 लाख से अधिक सदस्यों को लाभ होगा

नई दिल्ली ।

सरकार ने कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के पैसे निकालने के नियम बदल दिए हैं। इस संसोधन के बाद 6 महीने से कम अंशदायी सेवा वाले कर्मचारी पेंशन योजना के सदस्य भी ईपीएस खाते से पैसे निकाल पाएंगे। इस संशोधन से प्रत्येक वर्ष कर्मचारी पेंशन योजना के 7 लाख से अधिक ऐसे सदस्यों को लाभ होगा जो 6 महीने से कम अंशदायी सेवा के बाद योजना छोड़ देते हैं।प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार केंद्र सरकार ने टेबल डी को भी संशोधित किया है। अब से विड्रॉल बेनेफिट इस बात पर निर्भर करेगा कि सदस्य ने कितने महीने तक सर्विस किया है और वेतन पर कितना ईपीएस का योगदान किया जाता रहा है। इससे सदस्यों के विड्रॉल बेनेफिट को तर्कसंगत बनाने में मदद मिलेगी। इस संशोधन से 23 लाख से अधिक ईपीएस सदस्यों को लाभ होगा। श्रम मंत्रालय ने बताया कि देश में लाखों ऐसे ईपीएस 95 स्कीम के सदस्य हैं जो पेंशन पाने के लिए 10 वर्ष तक लगातार स्कीम में योगदान करने के नियम के बावजूद बीच में ही स्कीम से बाहर आ जाते हैं। अभी तक के नियमों के मुताबिक तक विड्रॉल बेनेफिट के कैलकुलेशन के लिए सर्विस में पूरे किए गए वर्ष और उस वेतन के आधार पर तय किया जाता है जिस पर ईपीएस के लिए योगदान किया गया है। 6 महीने या उससे अधिक समय तक योगदान करने वाले मेंबर्स ही इस विड्रॉल लाभ ले सकते थे।

ऐसे में जो सदस्य छह महीने से कम समय तक योगदान करने के बाद स्कीम छोड़ देते हैं उन्हें कोई विड्रॉल बेनेफिट नहीं मिलता था। इसके चलते कई लोगों के क्लेम के आवेदन को खारिज कर दिया जाता था। श्रम मंत्रालय के मुताबिक छह महीने से ज्यादा अंशदान के नियम के चलते 2023-24 में 7 लाख विड्रॉल क्लेम के आवेदन को खारिज कर दिया गया। ये ऐसे आवेदन थे जिसमें 6 महीने से कम समय के लिए ईपीएस 95 स्कीम में योगदान किया गया था लेकिन सरकार के इस फैसले के बाद वैसे सभी ईपीएस सदस्य जो 14 जून 2024 तक 58 वर्ष की आयु के नहीं हुए हैं। वे भी पैसे निकालने के हकदार हो जाएंगे।केंद्र सरकार ने टेबल डी को भी संशोधित किया है। अब से विड्रॉल इस बात पर निर्भर करेगा कि सदस्य ने कितने महीने तक सर्विस किया है और वेतन पर कितना ईपीएस का योगदान किया जाता रहा है।

जेपी मॉर्गन के जीबीआई-ईएम में शामिल हुआ भारत

- उम्मीद से कम विदेशी निवेश आने पर निवेशक कुछ निराश हुए

नई दिल्ली ।

जेपी मॉर्गन के सरकारी बॉन्ड सूचकांक- इमर्जिंग मार्केट्स (जीबीआई-ईएम) में भारत आधिकारिक रूप से शामिल हो गया मगर पहले दिन सरकारी बॉन्ड की यील्ड सपाट रही। उम्मीद से कम विदेशी निवेश आने पर निवेशक कुछ निराश हो गए, जिसका असर यील्ड पर भी पड़ा। बेंचमार्क बॉन्ड की यील्ड करीब 7 फीसदी रही, जो पहले के मुकाबले सपाट ही थी। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज प्राइमरी डीलरशिप के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि हो सकता है कि लोगों ने इससे पहले कुछ खरीदा हो। अन्य डेरिवेटिव भी हैं जिनका कुछ फंडों ने उपयोग किया होगा। इसलिए तत्काल खरीदने की जरूरत नहीं है। वे धीरे-धीरे किस्तों में बॉन्ड खरीद सकते हैं। 10 साल समय अवधि वाले बेंचमार्क बॉन्ड की यील्ड कारोबार के दौरान बढ़कर 7.02 फीसदी हो गई थी क्योंकि ट्रेडरों ने मुनाफे में अपने बॉन्ड बेच दिए। एक बड़े सरकारी बैंक के एक डीलर ने कहा कि जिनके पास बॉन्ड हैं वे पिछले कुछ दिनों से उसकी बिकवाली कर रहे हैं क्योंकि जितना निवेश आने की उम्मीद थी, उतना नहीं हुआ। तिमाही के अंत में कुछ मुनाफावसूली भी हुई है। क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार विदेशी बैंकों ने जून में सेकंडरी मार्केट से 46,954 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्डों की शुद्ध खरीद की। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने पूर्ण सुलभ मार्ग के जरिये इसी महीने 15,616 करोड़ रुपये मूल्य के सरकारी बॉन्ड खरीदे। गुरुवार को सरकारी बॉन्डों में 946 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया था। सितंबर 2023 में जेपी मॉर्गन ने घोषणा की थी कि वह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पूर्ण सुलभ मार्ग (एफएआर) के तहत जारी सरकारी बॉन्डों को अपने जीबीआई-ईएम में शामिल करेगा। सूचकांक में देसी बॉन्ड को 10 महीने में धीरे-धीरे शामिल किया जाएगा। 31 मार्च, 2025 तक हर महीने बॉन्ड का भार 1 फीसदी बढ़ाया जाएगा। इस तरह 10 महीने में भारतीय बॉन्ड का भार बढ़कर चीनी बॉन्ड के बराबर 10 फीसदी हो जाएगा।

1 जुलाई से हो जाएंगे पांच बड़े बदलाव, जानना जरूरी है

- मोबाइल रिचार्ज से लेकर बैंक खाते तक होगा असर

नई दिल्ली ।

जुलाई का महीना अपने साथ कुछ बदलाव लेकर आता है। बैंक खाते से लेकर क्रेडिट कार्ड तक के नियमों का असर सीधा आम आदमी की जेब पर होने वाला है। नियमों की जानकारी न होने से कई बार आदमी को बिना वजह शुल्क चुकाना पड़ सकता है। साथ ही कई बार कुछ कामों की डेडलाइन निकल जाने की वजह से वे काम रूक जाते हैं। एक जुलाई से टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने सिम स्वैप फ्रॉड को रोकने के लिए सिम कार्ड चोरी होने या डैमेज होने की स्थिति में लॉकिंग पीरिएड को सात दिन तक बढ़ा दिया है। यानी कि अब आपको सिम के लिए सात दिन इंतजार करना होगा। जुलाई में आपको अपना मोबाइल रिचार्ज कराने पर ज्यादा पैसे देने होंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि रिलायंस जियो, वोडाफोन-आईडिया और एयरटेल ने अपने टैरिफ बढा दिए हैं।हर महीने की पहली तारीख को पेट्रोलियम कंपनियां एलपीजी सिलेंडर और एटीएफ की कीमतों को संशोधित करती है। ऐसे में एक जुलाई से गैस सिलेंडर पर आपको राहत भी मिल सकती है। 1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट के नए नियम लागू हो जाएंगे। इसमें सभी बैंकों को क्रेडिट कार्ड पेमेंट भारत बिल पेमेंट सिस्टम के जरिए से प्रोसेस करना होगा। हालांकि, बैंकों ने अभी तक इन निर्देशों का पालन नहीं किया है। अभी तक सिर्फ 8 बैंकों ने ही बीबीपीएस पर बिल पेमेंट एक्टिव किया है। अगर आपका पंजाब नेशनल बैंक में खाता है और उसे आपने लंबे समय से उपयोग नहीं किया है तो वह 1 जुलाई से काम नहीं करेगा। बैंक ने अपने नोटिफिकेशन में कहा है कि 30 अप्रैल 2024 तक जिन खातों को इस्तेमाल किए हुए 3 साल से अधिक का वक्त हो गया है उस तरह के खाते को बैंक अब एक महीने के भीतर बंद कर देगा। बैंक ने ग्राहकों को असुविधा से बचाने के लिए 30 जून 2024 तक की समयसीमा तय की है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 653 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 जून को खत्म हुए सप्ताह में 81.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 653.71 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार 7 जून को 655.82 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 21 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली फॉरेन करेंसी एसेट्स 10.6 करोड़ डॉलर घटकर 574.13 अरब डॉलर रही। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में एफसीए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले एफसीए में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी करेंसी में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। आरबीआई ने कहा कि ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक के दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 98.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.96 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्पेशल ड्राइंग राइट्स विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.05 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के मुताबिक रिपोर्टिंग वीक में इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के पास भारत की रिजर्व पोजीशन 90 लाख डॉलर घटकर 4.57 अरब डॉलर रह गई।

आरबीआई ने एचएसबीसी पर लगाया 29.6 लाख का जुर्माना

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हांगकांग व शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचएसबीसी) पर 29.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि एचएसबीसी पर यह जुर्माना आरबीआई द्वारा बैंकों के क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और रुपया मूल्यवर्गित सह-ब्रांडेड प्रीपेड कार्ड परिचालन पर जारी कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया है। आरबीआई के अनुसार 31 मार्च 2022 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में उसके द्वारा पर्यवेक्षी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2022) किया गया। इसमें पाया गया कि आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। उस संबंध में संबंधित पत्राचार के आधार पर बैंक को एक नोटिस जारी किया गया था। उसमें बैंक को कारण बताने को कहा गया था और पूछा गया था कि उक्त निर्देशों का पालन करने में विफल रहने के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। आरबीआई ने कहा कि नोटिस पर बैंक के जवाब, व्यक्तिगत पेशी के दौरान दिए गए मौखिक जवाब और उसके द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारी पर गौर करने के बाद उसने पाया कि अन्य बातों के साथ-साथ, बैंक के खिलाफ आरोप साबित होते हैं जिसके लिए मौद्रिक जुर्माना लगाया जाना आवश्यक था। इसमें कहा गया कि बैंक यह बताने में विफल रहा कि कुछ क्रेडिट कार्ड खातों में न्यूनतम भुगतान देय की गणना करते समय कोई नकारात्मक परिशोधन नहीं था। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि यह जुर्माना वैधानिक तथा नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका मकसद बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। इसके अलावा मौद्रिक जुर्माना लगाने से आरबीआई द्वारा बैंक के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

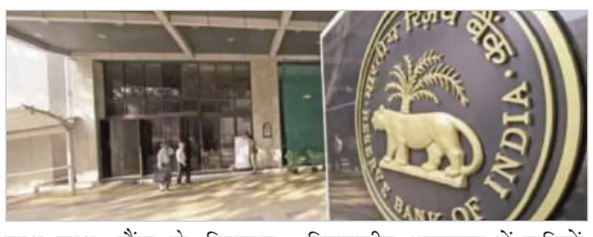

कोयला आयात वृद्धि दर में पिछले दशक में आई गिरावट

नई दिल्ली ।

कोयला आयात में वार्षिक वृद्धि पिछले एक दशक में वित्त वर्ष 2023-24 तक घटकर 2.49 प्रतिशत रह गई है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 तक कोयला आयात की संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 21.48 प्रतिशत रही। हालांकि 2014-15 से 2023-24 तक कोयला आयात की सीएजीआर केवल 2.49 प्रतिशत रही है। बयान के अनुसार इसके अलावा वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान आयातित कोयले की हिस्सेदारी का सीएजीआर 13.94 प्रतिशत था। जबकि पिछले दशक के दौरान यह आंकड़ा गिरकर शून्य से नीचे लगभग 2.29 प्रतिशत हो गया। मंत्रालय ने बयान में कहा कि घरेलू कोयला संसाधनों के अनुकूलन और नवीन तकनीकी समाधानों का लाभ उठाने पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करते हुए देश ऊर्जा सुरक्षा में आत्मनिर्भरता की ओर अपनी यात्रा जारी रख रहा है। बयान के अनुसार विश्व में पांचवें सबसे बड़े कोयला भंडार से संपन्न भारत इस ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

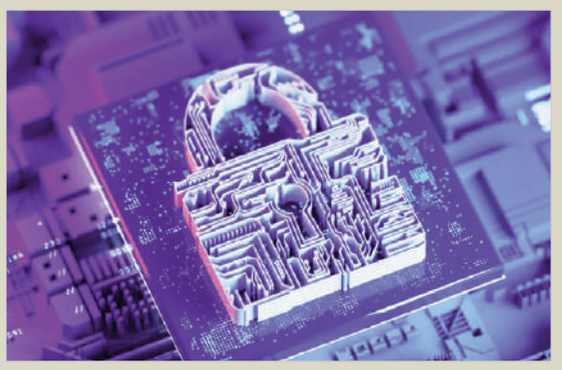

पिछले 20 वर्षों में वित्तीय क्षेत्र पर 20,000 साइबर हमले हुए

मुंबई ।

आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अनुसार पिछले 20 वर्षों में वित्तीय क्षेत्र पर 20,000 से अधिक साइबर हमले हुए, जिसके परिणामस्वरूप 20 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की दिसंबर 2023 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में ऐसे 25 फीसदी हमले ईमेल और वेबसाइटों में दुर्भावनापूर्ण लिंक पर क्लिक करने से होते हैं। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट का हवाला देते हुए लिखा गया है कि वित्तीय संस्थानों पर साइबर हमलों के 69 प्रतिशत मामले अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा, 19 प्रतिशत शहरी सहकारी बैंकों द्वारा और 12 प्रतिशत गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा रिपोर्ट किए गए। इसके कारण बैंकों ने 2023-24 में अपने बीमा कवर को पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 8 फीसदी बढ़ा दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय संस्थानों को जारी परामर्श में कहा गया है` कि संभावित साइबर हमलों के संबंध में प्राप्त विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के मद्देनजर विनियमित संस्थाओं को सलाह दी जाती है कि वे इन खतरों से बचाव के लिए निगरानी और तन्यकता क्षमताओं को उन्नत करें।

सरकार की एयरलाइंस को चेतावनी, कहा- न बढ़ाएं किराया

नई दिल्ली ।

बारिश की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुए बड़े हादसे के बाद सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइंस कंपनियों को ये सुनिश्चित करने को कहा है कि दिल्ली से उड़ान भरने या यहां आने वाले उड़ानों के हवाई किरायों में कोई असामान्य बढ़ोतरी ना हो। एयरपोर्ट के टी-1 पर इंडिगो और स्पाइसजेट की घरेलू फ्लाइट्स का संचालन होता है। टी-1 के बंद होने के कारण कई फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं और परिचालन को अस्थायी रूप से टी-2 और टी-3 पर स्थानांतरित कर दिया गया है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि विमानन कंपनियों को सलाह दी गई है कि एयरपोर्ट पर हुए इस हादसे के चलते उड़ानों के रद्द करने या रीशेड्यूल करने पर यात्रियों से कोई जुर्माना नहीं वसूला जाएगा। मंत्रालय ने कहा` कि दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद सभी विमानन कंपनियों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली से आने-जाने वाली फ्लाइट्स के किराए में किसी भी असामान्य वृद्धि पर नजर रखें और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करें। कैंसिल की गई फ्लाइट्स के रिफंड की निगरानी करने या यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा रूट टिकट प्रदान करने के लिए एक वॉर रूम स्थापित किया जाएगा। सभी रिफंड की प्रे क्रिया 7 दिन के भीतर शुरु हो जाएगी।

विदेशी निवेशकों के सहारे बाजार ने बनाया नया रिकॉर्ड

- सेंसेक्स 210 अंकों की गिरावट के साथ 79,032 पर बंद
- निफ्टी 33 अंक फिसलकर 24,010 पर बंद हुआ

मुंबई ।

पिछला सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के लिए बेहद खास रहा, विदेशी पोर्टफो लियो निवेशकों के सपोर्ट से बाजार ने नया रिकॉर्ड स्तर बनाया। शेयर बाजार में लगातार चार दिनों दिन जोरदार तेजी रही, शुक्रवार को भी बाजार में अच्छी खासी बढ़त रही ले किन बंद होते ही बाजार रिकॉर्ड स्तर पर फिसलकर बंद हुए। पिछले सप्ताह के शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार के दौरान 316.10 अंक फिसलकर 76,903.35 पर खुला और 131.18 अंकों की बढ़त के साथ 77,341.08 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 110.85 अंकों की गिरावट के साथ 23,390.25 के स्तर पर खुला और 36.75 अंक मजबूत होकर 23,537.85 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सत्र के दौरान निजी क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में अच्छी मजबूती दिखी। सेंसेक्स 523.54 अंकों की बढ़त के साथ के 77,864.62 स्तर पर खुला और 712 अंकों की बढ़त के साथ 78,053.52 पर बंद हुआ। निफ्टी 131.20 अंक उछलकर 23,669.05 के स्तर पर खुला और 83.46 अंक मजबूत होकर 23,721.30 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 54.48 अंकों बढ़त के साथ 78,092.65 के स्तर पर खुला और 620.73 अंकों की मजबूती के साथ 78,674.25 पर बंद हुआ। निफ्टी 4.30 अंक चढ़कर 23,725.60 पर खुला और 147.50 अंकों की मजबूती के साथ पहली बार 23,850 का स्तर पार कर 23,868.80 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 124.05 अंक की गिरावट के साथ 78,550.20 अंक पर खुला और 568.93 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 79,243.18 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 34.00 अंक की नरमी के साथ 23,834.80 पर खुला और 175.71 अंकों की बढ़त के साथ 24,044.50 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी` दिन सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के साथ नए शिखर पर पहुंच गए। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 265.46 अंकों की मजबूती के साथ 79,483.72 पर खुला और 210.45 अंकों की गिरावट के साथ 79,032.73 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 78.60 अंक मजबूत होकर 24,123.10 पर खुला और 33.91 अंक फिसलकर 24,010.60 पर बंद हुआ।

नोएडा फिल्म सिटी से 50,000 रोजगार के अवसर मिलेंगे : यूपी सरकार

नोएडा ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी परियोजना का निर्माण छह महीने के भीतर शुरू हो सकता है और इससे 50,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा लगभग सात लाख लोग अप्रत्यक्ष रूप से भी लाभान्वित होंगे। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और रियल एस्टेट डेवलपर आशीष भूटानी द्वारा समर्थित गठजोड़ बेब्यू प्रोजेक्ट्स ने फिल्म सिटी के विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के उपक्रम यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण छह महीने के भीतर शुरू हो जाएगा और तीन साल के भीतर यहां फिल्म शूटिंग और संबंधित गतिविधियां भी शुरू हो जाएंगी। सरकार ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य फिल्म उद्योग में अवसर चाहने वाले राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई जैसे स्थापित केंद्रों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करना है।

लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें यथावत रहेंगी

- सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) एवं अन्य लघु बचत योजनाओं पर चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के लिए ब्याज दरों में कोई भी बदलाव नहीं किया है। सरकार ने ब्याज दरों को लेकर यह ऐलान किया। एक जुलाई, 2024 से शुरू होने वाली तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को यथावत रखा है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही एक जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें पहली तिमाही एक मार्च से 30 जून 2024 तक के लिए अधिसूचित दरों के समान ही रहेंगी। अधिसूचना के मुताबिक, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जबकि तीन साल की सावधि जमा पर दर 7.1 प्रतिशत रहेगी। पीपीएफ और डाकघर बचत जमा योजना की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बनी रहेंगी। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी तथा यह निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। जुलाई-सितंबर 2024 की अवधि के लिए राष्ट्रीय बचत पत्र पर ब्याज दर 7.7 प्रतिशत रहेगी। सितंबर तिमाही में भी डाकघर मासिक आय योजना के निवेशकों को पहले की तरह 7.4 प्रतिशत ब्याज देगी। सरकार हर तिमाही में डाकघरों और बैंकों द्वारा संचालित लघु बचत योजनाओं के लिए ब्याज दरों को अधिसूचित करती है। इस स्कीम में हर वित्त वर्ष में न्यूनतम 500 रुपये का निवेश करना ही होता है। इस स्कीम में किया गया निवेश भी टैक्स छूट के लिए पात्र होता है। इस योजना में एक साल में अधिकतम 1.5 लाख रुपये का निवेश किया जा सकता है। इस स्कीम में न्यूनतम 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये तक का निवेश किया जा सकता है। अगर इसके ब्याज से होने वाली कुल आय 50,000 वित्त वर्ष से ऊपर निकल जाती है तो उस पर टैक्स देना होता है। यह अकाउंट 1000 रुपये के न्यूनतम निवेश के साथ शुरू किया जा सकता है। इंडिविजुअल अकाउंट में इसमें 9 लाख रुपये और जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये लगाए जा सकते हैं। इस अकाउंट में न्यूनतम निवेश 1000 रुपये का करना होता है। अधिकतम निवेश के लिए कोई सीमा नहीं है। इसका मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का है।

सरकार की सकल देनदारियां मार्च तक 3.4 प्रतिशत बढ़ीं

नई दिल्ली । सरकार की कुल सकल देनदारियां दिसंबर के ओ खिर में 166.14 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2024 तक 171.78 लाख करोड़ रुपये हो गईं। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। सार्वजनिक ऋण प्रबंधन तिमाही रिपोर्ट जनवरी-मार्च, 2024 में कहा गया कि यह आंकड़ा तिमाही आधार पर 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक समीक्षाधीन तिमाही के दौरान सार्वजनिक ऋण कुल सकल देनदारियों का 90.2 प्रतिशत था। इसमें कहा गया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान, अंतरिम बजट में घोषित उधार योजना के अपेक्षा से कम रहने के चलते भारतीय घरेलू बॉन्ड के प्रतिफल में नरमी आई। राजकोषीय घाटे के काबू में रहने, एफपीआई प्रवाह और स्थिर मुद्रास्फीति से इसमें मदद मिली। दूसरी ओर समीक्षाधीन तिमाही के दौरान अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल अस्थिर रहा, जो मुख्य रूप से फेडरल रिजर्व की कार्रवाई, मुद्रास्फीति और रोजगार डेटा से प्रभावित था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान अमेरिकी 10 वर्षीय प्रतिफल 4.33 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक नए निर्गमों पर भारित औसत प्रतिफल 2023-24 की तीसरी तिमाही के 7.37 प्रतिशत की तुलना में 2023-24 की चौथी तिमाही में 7.19 प्रतिशत तक नरम हो गया। इसके अलावा दिनांकित प्रतिभूतियों के निर्गमों की भारित औसत परिपक्वता 2023-24 की चौथी तिमाही में 18.75 वर्ष हो गई। यह 2023-24 की तीसरी तिमाही में 18.80 थी।

बंगाल सरकार सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में दैनिक कामकाजी समय बढ़ाएगी

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल सरकार राज्य में एक जुलाई से दैनिक कामकाजी घंटों की सीमा 30 मिनट बढ़ाने जा रही है। राज्य के आईटी उद्योग मंत्री बाबुल सुप्रियो ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस निर्णय के साथ सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि हालांकि सप्ताह में अधिकतम 48 कामकाजी घंटों की सीमा में कोई बदलाव नहीं होगा। सरकार जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी कर सकती है। सुप्रियो ने कहा कि अन्य राज्यों से प्रतिस्पर्धा में तालमेल बनाए रखने और पश्चिम बंगाल के आईटी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दैनिक कामकाजी समय सीमा को 8.30 घंटे से बदलकर नौ घंटे करने को हरी झंडी दे दी है। उन्होंने कहा` कि साप्ताहिक कामकाजी समय सीमा 48 घंटे ही रहेगी। उद्योग जगत दैनिक कामकाजी समय सीमा बढ़ाने की मांग कर रहा था क्योंकि वे आम तौर पर पांच दिन का कामकाजी सप्ताह अपनाते हैं। यानी कि आईटी क्षेत्र की कंपनियां अपने ग्राहकों को अब 42.5 घंटे के बजाय 45 घंटे का बिल दे सकती हैं। यह जुलाई से प्रभावी होगा।

एक जुलाई से लागू होवेक वाला नवा आपराधिक कानून उपरे गहन चर्चा

□ रांची कर जज कॉलोनी में आयोजित करल जाए रहे कार्जक्रम

रांची बेवहार न्यायालय कर सउब न्यायिक पदाधिकारी रहयं मौजूद

रांची। झारखंड न्यायिक अकादमी कर दिसा-निरदेस आउर न्यायायुक्त- सह-अध्यछ (डालसा) दिवाकर पांडे कर मार्गदरसन में रांची कर कांके रोड कर जज कॉलोनी इस्थित मल्टी पर्पस हॉल में नवा आपराधिक कानून उपरे 29 जून के चर्चा होलक। नवा कानून 1 जुलाई, 2024 से लागू होवे वाला हय। कार्जक्रम कर अध्यछता न्यायायुक्त दिवाकर पांडे करलयं।आपराधिक कानून उपरे चर्चा ले सउब न्यायिक पदाधिकारीमन के 10 गो अलग-अलग समूह में बांटल गेलक। सउब के नवा कानून से संबंधित एक-एक गो खंड देवल जाए रहे, जेकर में न्यायिक पदाधिकारीमन गहन मंथन करलयं। उक्त बिसय में आपन-आपन मंतव्य देइ के जानकारी एक-दूसर से साझा करलयं।

इकर अतिरिक्त दू गो महतपूर्न सर्वोच्च न्यायालय कर निर्नय उपरे गहन चर्चा करल गेलक, जेकर में टरसेम लाल बनाम डायरेक्टोरेट इंफोरर्समेंट, जलंधर जोनल ऑफिसर एवं बाबू साहेबागौड़ा बनाम स्टेट ऑफ कर्नाटका हय। अभियुक्तमन के कोर्ट में बेल आउर उनकर उपस्थिति से संबंधित प्रावधानमन उपरे चर्चा करल गेलक।

ई अवसर में न्यायायुक्त भी नवा आपराधिक कानून कर बदली होवल प्रवधानमन कर बारे में बिस्तार से जानकारी न्यायिक पदाधिकारीमन कर बीच साझा करलयं। ई अवसर में सउब न्यायिक पदाधिकारीमन कर संगे बिधि कर छात्र-छात्रामन, न्यायालय कर्मी आदि उपस्थित रहयं।

हेमंत सोरेन कर जमानत कर फायदा इंडिया अलायंस कर झारखंड बिस चुनाव में मिली

डॉ. खालिक अहमद

झारखंड हाईकोर्ट काइल एक ठो बड़ फइसला सुनालक। जेहल में बंद राइज कर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कर याचिका स्वीकार कइर के हाईकोर्ट कर जज जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय जमानत में रिहा करेक कर आदेस देइ देलयं। 55 गो पन्ना में जारी आदेस कइर के अदालत कहलक कि प्रार्थी उपरे प्रवर्तन निदेसालय (ईडी) कर आरोप कर सीधा लिंक नखे। ऊ जमीन कर दस्तावेज में हेमंत सोरेन आउर उनकर परिवार कर केऊ सदस्य कर नावं नी जुड़ल हेके। ऊ जमीन कर मालिकाना हक हेमंत सोरेन कर नावं नखे। ई मामला खली संभावना उपरे टिकल आहे। से ले उकर में केऊ अपराध नी दिसेला। ई मामला में प्रार्थी कर केऊ भूमिका नी पता चलत हे।

अदालत ई आदेस अइसन समय में देई हे जखन राइज में बिधानसभा कर चुनाव परकिरिया सुरू होय हे आउर हाले में लोकसभा कर चुनाव संपन्न होय हे। लोकसभा चुनाव कर ठीक पहिले जमीन घोटाला आउर मनी लाउंड्रिंग कर मामला में हेमंत सोरन उपरे ईडी कार्रवाई कइर के जेहल भेइज देइ रहे। हेमंत सोरेन उपरे ईडी कर ई कार्रवाई कर असर लोकसभा चुनाव परिनाम उपरे पड़लक। राइज में झारखंड मुक्ति मोर्चा, राजद, कांग्रेस आउर बाम दल के संजुक्त गठबंधन इंडिया अलायंस कर नेतृत्व में लोकसभा कर चुनाव लड़ल गेलक आउर परिनाम बढ़िया दिसलक। आदिवासीमन कर छेतर वाला चार गो लोकसभा सीट इंडिया अलायंस कर झोली में आए गेलक। झारखण्ड में लोकसभा कर गोटे 14 गो सीट में से आदिवासीमन खातिर रिजर्व मुध 4 सीट में भाजपा कर हार से ई बात साबित होएला कि हेमंत सोरेन उपरे कार्रवाई से हियां कर आदिवासी जनता नाराज होलयं।

ई फइसला कर दूरगामी असर देखेक ले मिली। हेमंत सोरेन जेहल से बाहरे फिर से एक धांव आपन बेगुनाही कर सबूत जनता कर समछ बिधानसभा चुनाव में पेस करी। इकर लाभ एक धांव फिर इंडिया अलायंस के बिधानसभा चुनाब में मिली। जनता कर समछ फिर से एक बार बोलेक मोका मिइल हे कि भाजपा सरकार ईडी कर इस्तेमाल कइर के बिपछ कर नेतामन आउर सरकार के परेसान करत हे। जेहल से बाहरे निकइल के हेमंत सोरेन कहलयं कि झूठा कहानी गइढ़ के मोके पांच महीना जेहल में राखल गेलक। हमर गिरफ्तारी जनता कर आबाज के दबायेक कर परयास रहे। अदालत कर ई फइसला जनता कर जीत हय। हाईकोर्ट कर ई आदेस कर ई मायने निकालाल जाए सकेला कि इंडिया अलायंस कर एगो आरोप हमेसा लगाल जात रहे कि भारतीय जनता पार्टी कर केंदर सरकार बिपछ के परेसान करत हे। ऊ केंदरीय जांच एजेंसी जइसे की ईडी, सीबीआई आउर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट कर से छापा मरवाय के परेसान करत हे। पांच महीना पहिले हेमन्त सोरेन कर जइसे गिरफ्तार करल गेलक ऊ घटना केकरो से छिपल नखे। से बेरा हेमन्त सोरेन झारखण्ड राइज कर मुख्यमंत्री रहयं। इकर पहिले ऊ झारखण्ड राइज कर मांग उठावेक वाला प्रमुख नेता सिबू सोरेन कर छउआ हयं। झारखण्ड राइज में लोकतांत्रिक ढंग से चुनल सरकार के भंग करेक कर जे परयास बिपछ से सुरु से करल जाय हे मकिल सफलता नी मिललक। तले ईडी कर सहजोग से हेमन्त सोरन के जेहल में डाइल देलक। केकरो उपरे कार्रवाई करेक पहिले उकर गोटे जांच जरूरी हय, नी तो उकर परिनाम बेस नी होवेला। एक गो निरदोस के राजनीतिक सड़यन्त्र से कार्रवाई करल गेलक जेकर से झारखंड राइज कर जनतामन में केंद्रीय जांच एजेंसी कर बढ़िया छवि नी बनत हे।

ईटा भट्टा कर खिलाफ छापेमारी, संचालक उपरे होलक प्राथमिकी दर्ज

पलामू। उपायुक्त शशि रंजन कर निरदेस में जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार अबैध चंलत चिमनी ईटा भट्ठा कर खिलाफ सनिचर के नावा जयपुर थाना छेतर में छापेमारी करलयं। ईटा भट्ठा से 3 लाख पक्का ईटा आउर एक टन कोयला जब्त करलयं। संचालक उपरे प्राथमिकी दर्ज करलयं।

थाना छेतर कर तिसिबार मौजा में अवैध रूप से संचालित चंलत चिमनी ईटा भट्ठा कर बिरुद्ध कार्रवाई करते चंलत चिमनी भट्ठा में 3 लाख पक्का ईटा आउर एक टन कोयला के जब्त करलयं। संगे-संगे, थाना में मिथलेश साव कर बिरुद्ध एफआईआर दर्ज करुवालयं। ऊ कहलयं कि अबैध ईटा भट्ठा संचालकमन कर बिरुद्ध ई किसिम कर कार्रवाई लगस्ते जारी रही।

जनसमस्यामन कर निराकरन कर मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से बिधायकमन करलयं आग्रह

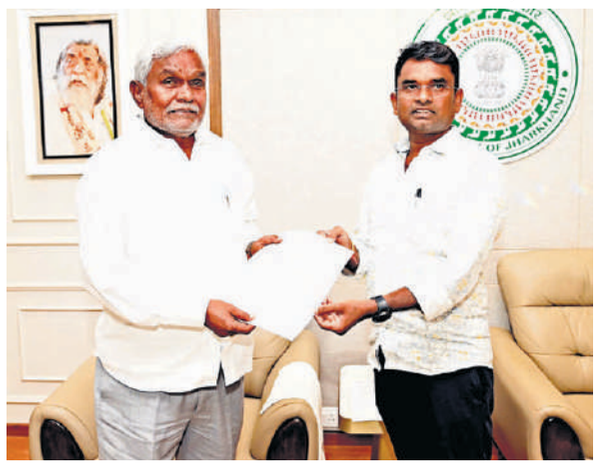

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से बूटी रोड, मोरहाबादी इस्थित आवास में पोटका बिधायक संजीव सरदार मुलाकात करलयं। ई अवसर में मुख्यमंत्री के पोटका बिधायक आपन बिधानसभा छेतर कर बिभिन्न जनसमस्यामन से अवगत कराते समस्यामन कर निराकरन ले आग्रह करलयं। मुख्यमंत्री से ऊ पूर्वी सिंहभूम जिला में सर्वेछन कर आधार में जनजातीय एवं छेतरीय भासा कर संवर्द्धकरन ले चिन्हित बिद्यालमन में जनजातीय एवं छेतरीय भासा कर माचेत/मास्टर चयन प्रक्रिया में आवेक वाला विसंगतिमन के दूर करेक कर भी निवेदन कइर हयं। मौका में मुख्यमंत्री सउब समस्यामन के प्राथमिकता कर तौर में निदान करल जायेक कर भरोसा उनके देइ हयं।

ऑपरेसन 'सतर्क' कर तहत आरपीएफ हटिया ट्रेन से सराब करलयं जब्त

रांची। ट्रेन से सराब लेगेक से पहिले झारखंड कर हटिया में बिहार कर निवासी पकड़ाय गेलक। ऑपरेसन 'सतर्क' कर तहत आरपीएफ हटिया उके पकड़लक। आगे कर कार्रवाई ले उत्पाद सुल्क बिभाग के सौंप देल गेलक।आरपीएफ पोस्ट हटिया आउर फ्लाइंग टीम रांची मंडल कर सुरछा आयुक्त पवन कुमार कर निरदेस में लगातार जांच कर बाद हटिया रेलवे इस्टेसन में नियमित जांच में 28 जून के लइग रहयं। लगभग 7:40 बजे जांच करेक कर बेरा ऊ देखलयं कि एक गो युवक हटिया रेलवे इस्टेसन कर प्लेटफॉर्म में संदिग्ध तरीका से एक गो लाल रंग कर ट्रॉली बैग कर संगे बैठल आहे, जेकर में कुछो भारी चीज रहे। संदेह कर आधार में उके हिरासत में लेल गेलक। जांच करेक से उकर ट्रॉली बैग में बिभिन्न ब्रांड कर 15 नग सराब कर बोतल मिललक। पूछेक से ऊ आपन नावं मनीष कुमार (उमर 25 बछर, पुत्र राजनंदन प्रसाद, निवासी- हिलसा, थाना- हिलसा, जिला- नालंदा, बिहार) बतालक। कागज़ मांगेक से ऊ रेलवे में उपरोक्त प्रतिबंधित बस्तुमन के लेगेक कर केऊ भी कानूनी अधिकार दिखायेक में बिफल रहे।

पूछेक से ऊ खुलासा करलक कि ऊ उपरोक्त प्रतिबंधित बस्तुमन के रांची से किन रहे। बेसी पैसा कमाएक ले उके बेचेक ले ट्रेन संख्या-18623 से पटना (बिहार) जात रहे। इकर बाद फ्लाइंग टीम रांची कर सहायक उपनिरछक रवि शेखर उपलब्ध गवाहमन कर उपस्थिति में बरामद सराब कर बोतल (मूल्य 12,900 रुपया) जब्त करलयं। उक्त युवक के गिरफ्तार कइर लेलयं। उके आगे कर कानूनी कार्रवाई ले उत्पाद सुल्क बिभाग, रांची के सौंप देल गेलक।

झारखंड कर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल से छूटेक कर बाद रांची कर कांके रोड इस्थित आपन आवास में 29 जून के आम सभा करलयं। इकर में राइज भइर से झामुमो कर हजारों कार्जकर्ता सामिल होय रहयं। इकर से पहिले ऊ बिरसा चौक में बिरसा मुंडा कर प्रतिमा में माल्यार्पन करलयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना-गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक :** रतन लाल अग्रवाल। फोन नंबरः 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी**ः jharkhandwanitaudyog@gmail.com